@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 3 अगस्त 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 268 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

क्या दलितों व आदिवासियों का जीवन भेदभाव मुक्त हो गया: मायावती

लखनऊ, 2 जुलाई। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि क्या दलितों व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव-मुक्त हो गया है? ऐसे में आरक्षण का बंटवारा कितना उचित है? उन्होंने भाजपा-कांग्रेस को भी निशाने पर लिया और कहा कि एससी-एसटी व ओबीसी लेकर दोनों दलों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं।

उन्होंने सोशल साइट एक्स पर कहा कि सामाजिक उत्पीड़न की तुलना में राजनीतिक उत्पीड़न कुछ भी नहीं। क्या देश के खासकर करोड़ों दलितों व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव-मुक्त आत्म-सम्मान व स्वाभिमान पूर्ण का हो पाया है। अगर नहीं तो फिर जाति के आधार पर तोड़े व पछाड़े गए इन वर्गों के बीच आरक्षण का बंटवारा कितना उचित? देश के एससी, एसटी व ओबीसी बहुजनों के प्रति कांग्रेस व भाजपा दोनों ही पार्टियों और सरकारों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं। वे इनके सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के पक्षधर नहीं हैं। वरना इन लोगों द्वारा आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालकर इसकी सुरक्षा जरूर की गई होती। 1. सामाजिक उत्पीड़न की तुलना में राजनीतिक उत्पीड़न कुछ भी नहीं। क्या देश के ख़ासकर करोड़ों दलितों व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव-मुक्त आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का हो पाया है। अगर नहीं तो फिर जाति के आधार पर तोड़े व पछाड़े गए इन वर्गों के बीच आरक्षण का बंटवारा कितना उचित? 2. देश के एससी, एसटी व ओबीसी बहुजनों के प्रति कांग्रेस व भाजपा दोनों ही पार्टियों/सरकारों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं।

सीबीआई करेगी कोचिंग सेंटर हादसे की जांच

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 2 जुलाई। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राजेंद्र नगर में आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबने से सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत की जांच सीबीआई को सौंप दी। अदालत ने पीठ ने एमसीडी व पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा एमसीडी अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है और यह एक सामान्य बात हो गई है। वहीं एसयूवी के चालक को गिरफ्तार करने का जिक्र करते हुए अदालत ने कहा शुक्र है कि आपने बेसमेंट में घुसने के लिए बारिश के पानी का चालान नहीं काटा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जांच के संबंध में जनता को कोई संदेह न हो। यह घटनाक्रम एक जनहित याचिका के संदर्भ में आया है, जिसमें दिल्ली के पुराने राजेंद्र नगर में एक आईएएस कोचिंग सेंटर में बाढ़ के पानी से भरे बेसमेंट में डूबने से तीन अभ्यर्थियों की मौत की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की मांग की गई है। पीठ ने केंद्रीय सतर्कता आयोग आयुक्त को सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक अधिकारी नियुक्त करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि जांच समय पर हो। पीठ ने कहा घटना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जांच के संबंध में जनता को कोई संदेह न हो, यह अदालत जांच को सीबीआई को सौंपती है। पीठ ने कहा चूंकि केंद्रीय सतर्कता आयुक्त पर्यवेक्षी शक्ति का प्रयोग करता है, इसलिए यह अदालत आयुक्त को जांच की निगरानी के लिए एक सदस्य नियुक्त

करने का निर्देश देती है। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि दिल्ली में नालियों जैसे भौतिक बुनियादी ढांचे की स्थिति न केवल पर्याप्त है, बल्कि उनका रखरखाव भी ठीक से नहीं किया गया है और हाल की त्रासदियों ने दिखाया है कि नागरिक एजेंसियों को दिए गए उसके आदेशों का सही अर्थों में पालन नहीं किया जा रहा है और उनके साथ पानी की तरह व्यवहार किया जा रहा है। सुनवाई के दौरान पीठ ने सिविल सेवा की तैयारी कर रहे छात्रों की मौतों पर दिल्ली पुलिस और नगर निगम को फटकार लगाई। पीठ ने कहा कि एमसीडी अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है और यह एक सामान्य बात हो गई है। दिल्ली पुलिस द्वारा कोचिंग संस्थान के पास से गुजरी एसयूवी के चालक को गिरफ्तार करने का जिक्र करते हुए अदालत ने कहा शुक्र है कि आपने बेसमेंट में घुसने के लिए बारिश के पानी का चालान नहीं काटा, जिस तरह से आपने एसयूवी चालक को वहां कार चलाने के लिए गिरफ्तार किया। पीठ ने एसयूवी मालिक की गिरफ़्तारी पर दिल्ली पुलिस को फटकार लगाते हुए पूछा सड़क से गुजर रहे व्यक्ति को कैसे गिरफ्तार किया गया? पुलिस का सम्मान तब होता है जब आप अपराधी को गिरफ्तार और निर्दोष को छोड़ देते हैं। आप निर्दोष को गिरफ्तार करेंगे और दोषी को छोड़ देंगे हैं, तो यह बहुत दुखद होगा। सुनवाई के दौरान पेश स्थानीय पुलिस उपायुक्त ने कहा जब पानी आया तो वहां पर करीब 20 से 30 बच्चे थे। अचानक काफी तेजी से पानी आया। ये एक बड़ा सा हॉल था। जब ये हुआ तो वहां का लाइब्रेरियन भाग गया था। काफी बच्चे निकालने में कामयाब हुए लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि शीशा टूट गया। एक टेबल के कारण भी निकलने में दिक्कत आई।

हिमाचल में बादल फटने से 46 लोग अभी भी लापता

शिमला, 2 जुलाई। हिमाचल प्रदेश में बुधवार मध्यरात्रि छह जगह बादल फटने से भारी तबाही मची। इस जलप्रलय में अब तक सात लोगों की मौत हो गई, जिनके शव बरामद कर लिए हैं, जबकि 46 लापता हैं। समेज में 36, बागीपुल व मंडी के राजबन में पांच-पांच लोग लापता हैं। चौहार घाटी के राजबन में शुक्रवार को सर्च अभियान के दौरान दो और शव बरामद हुए हैं। अब तक कुल पांच शव मिले हैं। पांच अभी लापता है। लापता लोगों को की तलाश के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व अन्य टीमें जुटी हैं। एसपी साक्षी वर्मा ने कहा कि नौ व आठ वर्षीय लापता दो बच्चों के शव मिले हैं। रामपुर के समेज में भी शुक्रवार सुबह 6ः00 बजे एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की ओर से बचाव अभियान शुरू हुआ। मौके पर इसडीएम रामपुर निशांत तोमर बचाव कार्य का निगरानी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बुधवार रात को कुल्लू जिले में नैन सरोवर, भीमडवारी, मलाणा, मंडी में राजबन, चंबा में राजनगर और लाहौल के जाहलमा में बादल फटे थे। बादल फटने से 47 घर, 10 दुकानें, 17 पुल, तीन स्कूल, एक डिस्पेंसरी, बस अड्डा, 30 वाहन, दो बिजली प्रोजेक्ट और एक बांध बह गया। उधर, श्रीखंड महादेव मार्ग पर भीमडवारी में करीब 250 लोग फंसे हुए हैं। ये लोग यात्रा पर निकले थे। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शुक्रवार दोपहर को शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर व विधायक रामपुर नंद लाल के साथ समेज पहुंचे। इस दौरान सीएम ने बादल फटने से हुए नुकसान का जायजा लिया। साथ ही मौके पर जारी राहत एवं बचाव कार्य का निरीक्षण लिया। इस दौरान डीसी शिमला अनुपम कश्यप, डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश, एसपी शिमला संजीव गांधी, एनडीआरएफ के अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने एनडीआरएफ दल से राहत एवं बचाव कार्य की रिपोर्ट ली।

वायनाड में 100 से ज्यादा घर बनाएगी कांग्रेस

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 2 जुलाई। केरल में पिछले दिनों हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 300 के पार हो गई है. भयावह तबाही के बाद सेना और एनडीआरफ लोगों को मलबे में से निकाल रही

है. केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटनाओं में मरने वालों की संख्या की बढ़ाकर 308 तक पहुंच गई है, जबकि सैकड़ों लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं. लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड के दौरे पर हैं. अपने दौरे के दूसरे दिन राहुल गांधी ने कहा कि यह एक भयानक त्रासदी है. हम उनकी मदद करने के लिए यहां आए हुए हैं. राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों के लिए कांग्रेस 100 घर बनाएगी. न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, मैं कल से ही यहां हूं, कल हम घटनास्थल पर गए थे, हम शिविरों में गए थे, हमने यहां की स्थिति का आकलन किया. आज हमारी प्रशासन, पंचायत के साथ बैठक हुई, उन्होंने हमें संभावित हताहतों की संख्या, क्षतिग्रस्त हुए घरों की संख्या और उनकी रणनीति के बारे में जानकारी दी. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आगे कहा कि हम यहां हर संभव मदद करने के लिए हैं. ऐसे में कांग्रेस वायनाड में 100 से अधिक घर बनाने का वादा करती है. यह एक भयानक त्रासदी है, केरल ने एक इलाके में इस तरह की त्रासदी नहीं देखी है. मैं इस मुद्दे को दिल्ली में और यहां के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के समक्ष भी उठाऊंगा कि इसका अलग तरीके से निपटारा किया जाना चाहिए, यह एक अलग स्तर की त्रासदी है. इस बीच केरल के कानून एवं व्यवस्था के प्रभारी एडीजीपी एम.आर. अजित कुमार ने शुक्रवार सुबह (2 अगस्त) को जानकारी देते हुए बताया था कि वायनाड में आए भूस्खलन हादसे में लगभग 300 लोग अब भी लापता हैं. जिला प्रशासन के अनुसार, वायनाड में 9,328 लोग 91 राहत शिविरों में रह रहे हैं. हालांकि, राजस्व विभाग ब्यौरा इक्ट्ठा करने में जुटा हुआ है. ऐसे में अगले एक-दो दिन में तस्वीर पूरी तरह साफ हो सकेगी.

कांग्रेस ने अमित शाह के खिलाफ पेश किया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 2 जुलाई। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने वायनाड भूस्खलन के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दावों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया है। बता दें कि राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा किया था कि इस त्रासदी से पहले ही केरल सरकार को इसके बारे में सूचित किया गया था। लेकिन केरल सरकार ने इन सूचनाओं को नजरअंदाज किया। बता दें कि कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने राज्य सभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियम के नियम 187 के अंतर्गत केन्द्रीय गृह मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार प्रश्न का प्रस्ताव पेश किया है। अपने शिकायत पत्र में जयराम रमेश ने लिखा, केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों पर कई दावे किए और बताया कि कैसे त्रासदी से काफी पहले केंद्र

सरकार की तरफ से जारी किए गए अलर्ट के बावजूद केरल सरकार की तरफ उनका उपयोग नहीं किया गया। इन दावों की मीडिया में बड़े पैमाने पर तथ्य-जांच की गई है। 2 अगस्त, 2024 को प्रकाशित एक ऐसी विस्तृत तथ्य-जांच संलग्न है। अपने पत्र में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने लिखा, यह स्पष्ट है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने केंद्र सरकार की तरफ से जारी की गई प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली पर अपने जोरदार बयानों से राज्यसभा को गुमराह किया, जो झूठे साबित हुए हैं। यह अच्छी तरह से स्थापित है कि किसी मंत्री या सदस्य की तरफ से सदन को गुमराह करना विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है। इन परिस्थितियों में, हम प्रस्तुत करते हैं कि इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार कार्यवाही शुरू की जा सकती है। दरअसल गृह मंत्री अमित ने राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन को लेकर बयान दिया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार की तरफ से केरल सरकार को इस हादसे से सात दिन पहले ही प्रारंभिक चेतावनी दी गई थी।

नीतीश कुमार और मोदी सरकार पर भरोसा नहीं: तेजस्वी यादव

तेजिन्दर कौर बब्बर

पटना, 2 जुलाई। 22 से 26 जुलाई तक बिहार विधानमंडल का सत्र पहले से तय था। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा के सदस्य भी हैं और विपक्ष के नेता भी। पांच दिवसीय सत्र में वह गैरहाजिर रहे और नेतृत्व विहीन विपक्ष ने हर बात पर वाकआउट से ज्यादा कुछ नहीं किया। बाहर सरकार को घेरते रहने वाले तेजस्वी यादव सत्र के समय पटना आ भी गए तो अंतिम दोनों दिन उनका इंतजार ही होता रहा। अब तेजस्वी यादव पूरे एक हफ्ते बाद मीडिया के सामने आए और उसी बात से शुरुआत की, जिसपर विपक्ष ने विधानसभा को लंबे समय तक बाधित रखा। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब राजद आरक्षण को लेकर सड़क से कोर्ट तक जाएगा। तेजस्वी ने कहा बिहार सरकार जातीय गणना करवाकर आरक्षण की सीमा को 75 प्रतिशत तक लेकर गई। इसके बाद भी हमलोगों को आशंका थी कि भाजपा के लोग किसी न किसी तरह से कोर्ट में अपने मुहरों को खड़ा करवा आरक्षण को प्रभावित करने की कोशिश करेगी। इसीलिए हमलोगों ने मांग रखी थी कि थी कि तमिलनाडु की तर्ज पर बिहार में आरक्षण व्यवस्था को शेड्यूल नौ पर

डाल जाए, ताकि इससे कोई छेड़खानी न हो। इसको लेकर हमलोग केंद्र सरकार से मिले थे। लेकिन, कोई फायदा नहीं हुआ। तेजस्वी ने कहा कि भाजपा आरक्षण के खिलाफ है। हमलोग आरक्षण को अनुसूची 9 में डालने की मांग कर रहे थे। लेकिन, हमारी मांग पूरी नहीं हुई। इसीलिए हमलोगों ने अब सड़क पर उतरने का फैसला लिया है। ह्ष्ठ की सरकार नहीं चाहती है कि बिहार में आरक्षण की सीमा बढ़े। अब तो अनुसूची 9 को आरक्षण को डालने को लेकर भारत सरकार ने जवाब भी दे दिया है। भारत सरकार ने यह कहा कि अनुसूची 9 में आरक्षण को डालने का अधिकार केवल केंद्र सरकार का ही है। राज्य सरकार का नहीं है। ईस्ट जोन की बैठक में हमलोगों ने मांग की थी। लेकिन, उस समय भी कोई सुनवाई नहीं हुई। अब भाजपा और जदयू वाले मुंह में दही जमाकर बैठे हैं। जदयू तो अब भारत सरकार का हिस्सा है। देश और राज्य के लोगों को हमलोग सूचित कर रहे हैं कि ह्ष्ठ सरकार बिहार के लोगों का वोट लेकर बिहार के लिए काम नहीं कर रही है। न विशेष राज्य का दर्जा दिया और न ही आरक्षण को नौवीं अनुसूची में डाल रही है। विशेष पैकेज ने नाम पर भी ठग लिया।

आजकल यहां महाभारत सुनाने का किस्सा ज्यादा चल रहा: ओम बिरला

नई दिल्ली, 2 जुलाई। लोकसभा में आज कल महाभारत का जिक्र काफी हो रहा है। निचली सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए गए चक्रव्यूह बयान पर सियासी विवाद जारी है। इस बीच, अध्यक्ष ओम बिरला का शुक्रवार को गुस्सा फूटा। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर तंज कसते हुए कहा कि आजकल यहां महाभारत सुनाने का किस्सा ज्यादा चल रहा है। कहानियां न सुनाएं बल्कि सवाल पूछें। दरअसल, सदन में प्रश्नकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रदीप पुरोहित ने आयुष मंत्रालय से संबंधित प्रश्न पूछने के दौरान रामायण के एक प्रसंग का उल्लेख किया। इस पर बिरला ने कहा कि आप महाभारत मत सुनाओ, आप सवाल पूछो। उन्होंने आगे कहा कि आजकल लोकसभा में महाभारत सुनाने का किस्सा ज्यादा चल रहा है। गौरतलब है, लोकसभा अध्यक्ष ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन गत सोमवार को सदन में बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाए जाने संबंधी महाभारत के प्रसंग का उल्लेख करते हुए सरकार पर निशाना साधा था। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हिंदुस्तान को अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में फंसाने का आरोप लगाया था और कहा था कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) इस चक्रव्यूह को तोड़ेगा। बता दें कि बीते दिनों लोकसभा में जब राहुल गांधी ने अभिमन्यु और चक्रव्यूह के किस्से का जिक्र किया, उसके बाद जाति को लेकर सदन में खूब हंगामा देखने को मिला था। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक बयान देते हुए कह दिया था कि जिसे अपनी जाति का पता नहीं वह जातिगत जनगणना कराने की बात करता है।

मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद की एक ईंट भी नहीं देंगे

बरेली, 2 जुलाई। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने बड़ा बयान दिया है। बरेलवी मौलाना ने कहा कि शाही ईदगाह मस्जिद मथुरा के संबंध में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से मुसलमानों को मायूस होने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा रखें। मौलाना ने कहा कि मुसलमानों का स्पष्ट नजरिया है कि हम मस्जिद की एक ईंट भी हिंदू फरीक (पक्ष) को नहीं देंगे। हिंदू पक्ष के साथ और आरएसएस के साथ हम बातचीत करने के लिए तैयार हैं। भारत का मुसलमान सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा करता है। नाउम्मीद होने की जरूरत नहीं है। शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले में पहल करें तो ज्यादा बेहतर होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को सुनवाई योग्य माना है। कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद की जमीन के स्वामित्व को लेकर हिंदू पक्षकारों की ओर से दाखिल सभी 15 सिविल वादों को पोषणीय मानते हुए मुस्लिम पक्ष की पांचों आपत्तियां खारिज कर दी हैं।

अतीक-अशरफ अहमद हत्याकांड न्यायिक आयोग ने पुलिस को दी क्लीन चिट

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 2 जुलाई। पूर्व सांसद एवं कुख्यात माफिया अतीक अहमद और उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ की प्रयागराज के कॉल्विन अस्पताल में 15 अप्रैल 2023 को हुई हत्या में राज्य या पुलिस की कोई भूमिका नहीं मिली है। इस हत्याकांड के बाद राज्य सरकार द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दिलीप बाबा साहब भोंसले की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट विधानसभा में पेश की गयी। रिपोर्ट में घटना के पीछे मीडिया के असंयमित व्यवहार को जिम्मेदार ठहराया गया है। साथ ही, तमाम सुझाव भी दिए गए हैं। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अतीक और अशरफ की हत्या या उनको मरवाने की घटना में पुलिस तंत्र या राज्य तंत्र का कोई संबंध, सुराग, सामग्री या स्थिति नहीं प्राप्त हुई। दोनों की हत्या राज्य या पुलिस के अधिकारियों के इशारे पर किया गया कोई पूर्व नियोजित कृत्य या लापरवाही के कारण नहीं हुआ था। साक्ष्यों से पता चलता है कि घटना अचानक 9 सेकंड में हो गयी थी। उस दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की प्रतिक्रिया सामान्य थी। उनके पास दोनों को बचाने, हमलावरों को पकड़ने या ढेर कर देने का समय नहीं था। पूरी घटना कुछ ही सेकंड में घटी थी। आयोग ने अपने निष्कर्ष में कहा कि अतीक और अशरफ की मौत से पुलिस को बहुत कुछ खोना पड़ा। उनसे हथियारों और गोला बारूद की बरामदगी की जानी थी, जो पाकिस्तान निर्मित थे। इसके अलावा आतंकी संगठनों के साथ संबंध, पंजाब एवं कश्मीर के हथियारों के आपूर्तिकर्ताओं और आईएसआई से संबंधों के बारे में पता लगाना बाकी था। दोनों की मौत से ऐसे तमाम सवाल अनुत्तरित रह गए। इन सवालों पर संभवतः एनआईए या किसी अन्य प्रमुख जांच एजेंसी द्वारा भी गहन पूछताछ की गयी होगी। दोनों की हत्या ने जांच एजेंसियों, पुलिस को इन सवालों के जवाब पाने और गंभीर जांच को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने की उम्मीद समाप्त कर दी। आयोग ने जांच के दौरान 87 गवाहों के

बयान दर्ज किए और सैंकड़ों दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लिया। आयोग ने पाया कि अतीक और अशरफ ने स्वयं मीडियाकर्मियों को उनसे संपर्क करने और बात करने के लिए प्रोत्साहित किया था। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद तीनों हमलावर ने मीडिया द्वारा उनके बीच घुलने-मिलने के विशेषाधिकार का दुरुपयोग किया और अतीक व अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों ने मीडिया पर जो भरोसा किया था, उसका लाभ तीनों हमलावरों ने सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने उन्हें गोली मारकर हत्या करने के लिए किया। जिससे पुलिसकर्मी चकमा खा गए और आश्चर्यचकित रह गए। इस दौरान पुलिसकर्मी मान सिंह छर्रे लगने से घायल भी हुआ था। आयोग के मुताबिक इस भयानक घटना को मीडिया ने रिकॉर्ड किया, जिसे टेलीविजन नेटवर्क पर लाइव प्रसारित किया गया। यह हमलावरों को जबरदस्त कुख्याति दिलाएगा। यह बात हमलावरों ने पुलिस की पूछताछ में भी बताई है। इससे हमलावरों के उद्देश्य को नकारा नहीं जा सकता है। आयोग ने पाया कि पुलिसकर्मियों के लिए गोलीबारी की योजना बनाना और अतीक व अशरफ की राष्ट्रीय टेलीविजन पर जीवंत हत्या कराना असंभव था। आयोग ने यह भी पाया कि अतीक को साबरमती जेल और अशरफ को बरेली जेल से आवागमन के दौरान मीडिया द्वारा लगातार कवरेज की गयी। जिस थाने पर दोनों को रखा गया, वहां भी मीडिया का जमावड़ा लगा रहा। साक्ष्य की बरामदगी के दौरान भी मीडियाकर्मी पुलिस टीम का पीछा करते रहे।

शाह से मिलने दिल्ली आने की बात सच साबित हुई तो सियासत छोड़ दूंगा: अजित पवार

नासिक, 2 जुलाई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि अगर भाजपा से गठबंधन करने से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए उनके दिल्ली आने की खबरें सच

साबित हो जाती हैं तो वह राजनीति छोड़ देंगे। उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं को चुनौती दी कि अगर ये खबरें गलत पाई जाती हैं तो जिन लोगों ने उन पर ये आरोप लगाए हैं, उन्हें सियासत छोड़ देनी चाहिए। पवार ने आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया है कि हाल ही में हुई एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान अजित पवार ने खुद कहा कि उन्होंने दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर नई दिल्ली में अमित शाह के साथ बैठकें कीं। पवार ने कथित तौर कहा, मैं उन बैठकों में भाग लेने के लिए दिल्ली जाते समय हवाई यात्रा के दौरान मास्क और टोपी पहनता था। मैंने हवाई यात्रा के दौरान अपना नाम भी बदल दिया था। उनके कथित बयानों के आधार पर शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (शरद चंद्र पवार) ने उन पर निशाना साधा था। हालांकि, अजित पवार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह छिपकर राजनीति नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, मैं लोकतंत्र में काम करने वाला एक कार्यकर्ता हूं। मुझे कुछ भी छिपाकर राजनीति करने की आदत नहीं है। हालांकि, हमें विरोधियों द्वारा फर्जी और झूठी खबरों से बदनाम किया जा रहा है। पवार ने कहा, मेरे भेष बदलकर दिल्ली जाने की खबर झूठी है। अगर मैं कहीं भी जाऊंगा तो खुले तौर पर जाऊंगा। मुझे किसी से डरने की जरूरत नहीं है। अगर ये खबरें सही साबित हो जाती हैं तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। उन्होंने कहा कि संसद में तथ्यों का सत्यापन होना चाहिए और अगर रिपोर्ट सही साबित हुई तो वह सियासत छोड़ देंगे। लेकिन अगर रिपोर्ट गलत पाई जाती तो बिना किसी सबूत या तथ्यों आरोप लगाने वालों राजनीति छोड़ देनी चाहिए।

म्यांमार में भीषण बाढ़ के कारण 1,700 से अधिक स्कूल अस्थायी रूप से बंद

एजेंसी

यांगून। म्यांमार के नौ क्षेत्रों और राज्यों में भारी बाढ़ के कारण एक हजार 700 से अधिक स्कूल अस्थायी रूप से बंद कर दिये गए हैं। म्यांमार

की राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम ने यहां यह जानकारी दी। सूचना टीम ने कहा कि बाढ़ अय्यारवाडी और चिंदविन नदियों के बढ़ते जल स्तर के कारण आयी है।

रूस में इमारत ढहने से चार लोगों की मौत

मॉस्को। रूस के निजनी टैगिल शहर में एक आवासीय इमारत के आंशिक रूप से ढह जाने से चार लोगों की मौत हो गयी। आपातकालीन

स्थिति मंत्रालय (ईएमईआरकॉम) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ईएमईआरकॉम ने कहा कि यह त्रासदी गुरुवार को हुई जब रूस के सेवरडलोव्स्क ओब्लास्ट में स्थित निजनी टैगिल में पांच मंजिला इमारत के दो प्रवेश द्वार गैस-वायु मिश्रण के विस्फोट के कारण ढह गये। इस इमारत में गैसीय ऊर्जा से बिजली की आपूर्ति की जाती है।

पाकिस्तान में कोयला खदान धंसने से दो की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को एक कोयला खदान धंसने से दो मजदूरों की मौत हो गयी। पुलिस

ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में बताया कि यह घटना कोहाट जिले में हुई। जब मजदूर कोयला खदान के अंदर काम कर रहे थे तभी यह हादसा हुआ।

ईरान के पूर्व विदेश मंत्री जरीफ उपराष्ट्रपति नियुक्त

तेहरान। ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के आदेश से पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ को रणनीतिक मामलों के लिए उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया है। ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम ने यह जानकारी दी। श्री जरीफ (64) ने 2013 से 2021 तक विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया। ईरान में जुलाई की शुरुआत में हुए राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर में श्री पेजेशकियान ने एक करोड़ 63 लाख 84,403 वोट हासिल किये। उनके प्रतिद्वंद्वी पूर्व परमाणु वार्ताकार सईद जलीली को एक करोड़ 35 लाख 38 हजार 179 वोट मिले। कुल मिलाकर, 30,573,931 मतों की गिनती की गयी और मतदान 49.8 प्रतिशत रहा था।

दुर्घटनाग्रस्त सौर्य एयरलाइंस के एकमात्र जीवित विमान का पायलट अस्पताल से डिस्चार्ज

एजेंसी

काठमांडू। त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानस्थल पर 24 जुलाई को सौर्य एयरलाइंस के दुर्घटनाग्रस्त विमान में जिन्दा बचे एक मात्र व्यक्ति विमान के पायलट को शुक्रवार को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन के बाद पायलट कैप्टन मनीष शाक्य का काठमांडू मेडिकल कॉलेज में उपचार किया जा रहा था, जहां उनके स्वास्थ्य में थोड़ी सुधार होने के बाद अस्पताल प्रशासन ने उन्हें डिस्चार्ज करने का फैसला लिया। काठमांडू मेडिकल कॉलेज के चेयरपर्सन डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि उनके इलाज में रहे चिकित्सकों के सलाह पर उन्हें डिस्चार्ज किया गया है। रीढ़ की हड्डी में हुए सफल ऑपरेशन के बाद पायलट मनीष शाक्य के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आने और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के अलावा कोई

अंदरूनी घाव या जख्म नहीं होने से उन्हें डिस्चार्ज किए जाने की बात डॉ. शर्मा ने कही है। केएमसी की मेडिकल डाइरेक्टर डॉ. मीना थापा ने बताया कि दुर्घटना के बाद अस्पताल लाए गए कैप्टन शाक्य की आंख, नाक में भी चोटें आई थी लेकिन दवा से ही वह ठीक हो गया। उन्होंने बताया कि रीढ़ की हड्डी में थोड़ा फ्रैक्चर हुआ था, जिसे ऑपरेशन के बाद ठीक कर दिया गया है। डॉ. थापा ने कहा कि चिकित्सकों ने उन्हें फिजियोथैरापी कराने की सलाह भी दी है।

ट्रंप को मिल रही खूब फंडिंग, जुलाई माह में ही जुटाए 13 करोड़ डॉलर, 32 करोड़ डॉलर से ज्यादा नकदी हाथ में

एजेंसी

वाशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया है कि उनके अभियान ने जुलाई में 13 करोड़ डॉलर से यादा की रकम जुटाई है और अब उनके पास कुल 32 करोड़ रुपये से यादा की रकम नकद है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि मेक अमेरिका ग्रेट अगेन मूवमेंट जैसा पहले कभी कुछ नहीं हुआ। हमने अकेले जुलाई में 13.9 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। अब हमारे पास 32.7 करोड़ डॉलर नकद हैं।

ट्रंप ने लिखा कि महान अमेरिकी देशभक्तों से शानदार समर्थन मिला है, जो संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए हमारे अभियान में दान कर रहे हैं। हालांकि अभी बहुत काम करना है, लेकिन मैं हमेशा आपके लिए लड़ता रहूंगा। हम बतौर देश विफल हो रहे हैं, लेकिन हम इसे जल्दी ही ठीक कर देंगे और अमेरिका को फिर से महान बना देंगे। ट्रंप के प्रचार अभियान ने बयान में कहा कि ये संख्याएं हर स्तर पर दानदाताओं की निरंतर गति को दर्शाती हैं और 5 नवंबर को जीत तक अंतिम 96 दिनों के लिए संसाधन प्रदान करती हैं।

न्यूयॉर्क की एक अपीलीय अदालत ने डोनाल्ड ट्रंप को झटका दिया है। दरअसल पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने अदालत में गुप्त धन से जुड़े एक आपराधिक मामले में जारी एक आदेश को समाप्त करने की अपील की थी। हालांकि कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। साथ ही अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति के इस तर्क को भी खारिज कर दिया है कि मई में उन्हें दोषी ठहराए जाने से परिस्थितियों में बदलाव हुआ है, जिसके कारण प्रतिबंधों को हटाना जरूरी है।

डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लैक जर्नलिस्ट्स के सालाना सम्मेलन में अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस की नस्लीय पहचान पर सवाल उठाया। ट्रंप ने कहा कि वह (हैरिस) हमेशा से भारतीय मूल की थीं और वह केवल भारतीय मूल को बढ़ावा दे रही थीं। मुझे नहीं पता था कि वह अश्वेत हैं, जब तक कि वह कई साल पहले अश्वेत नहीं हो गईं। अब वह अश्वेत के रूप में जानी जाना चाहती हैं। ट्रंप के इस बयान पर दर्शकों ने कुछ नाराजगी जताई। गौरतलब है कि हैरिस ने अश्वेत और दक्षिण एशियाई अमेरिकी दोनों के रूप में पहचान बनाई है।

सीआईबी प्रमुख के खिलाफ सरकार ने दिए जांच के आदेश

पेशावर।

काठमांडू। नेपाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही पिछली प्रचण्ड सरकार से निकट रहे अधिकारियों पर गाज गिरना शुरू हो गया है। पूर्व प्रधानमंत्री के निकट रहे सरकार और पुलिस के आला अधिकारियों का या तो स्थानांतरण किया जा रहा है या फिर उनके खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं।

ताजा मामला केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के प्रमुख पुलिस के अतिरिक्त महानिरीक्षक (एआईजी) श्यामलाल ज्ञवाली से जुडा है। गृह मंत्रालय ने ज्ञवाली के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने, हाई प्रोफाइल मामलों को अनुचित लेन देन के जरिए केस को दबाने, राजनीतिक संरक्षण में तत्कालीन विरोधी दल के नेताओं को परेशान करने के मामले में जांच शुरू कर दी है।

नेपाल पुलिस प्रमुख पुलिस महानिरीक्षक वसन्त कुंवर ने अपने एआईजी श्यामलाल ज्ञवाली के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि एआईजी ज्ञवाली के द्वारा

सीआईबी प्रमुख की जिम्मेदारी संभालने के फौरन बाद ही उनके खिलाफ लगातार कई लिखित शिकायतें आई है। उसी के आधार पर इंक्वायरी हो रही है। पुलिस के कुछ उच्च अधिकारियों का तो यहां तक कहना था कि पिछली प्रचण्ड सरकार ने ज्ञवाली का प्रयोग कर वर्तमान पुलिस प्रमुख को किसी आरोप में फंसाने की भी साजिश की गई थी। उनका दावा है कि आईजीपी कुंवर को पद से हटा कर ज्ञवाली खुद आईजीपी बनना चाहते थे।

एआईजी ज्ञवाली के खिलाफ जांच के लिए जो विभागीय टीम गठित की गई है उसमें उनके ही बैच के पुलिस अधिकारी टेक बहादुर राई को यह जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस प्रवक्ता डीआईजी दान बहादुर कार्की ने बताया कि एआईजी राई के नेतृत्व में बनी जांच कमिटी में क्राईम ब्रांच काठमांडू के एसएसपी नवीन राई, एसपी प्रकाश मल्ल, लीगल सेल के डीएसपी रूक बहादुर खड्का और डीएसपी मुकेश तिवारी को रखा गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक एआईजी श्यामलाल ज्ञवाली पर अरबपति व्यवसायी तथा नेपाली कांग्रेस के सांसद विनोद चौधरी के बांसबारी जमीन मामले में लेनदेन कर मामले को दबाने, सरकारी बाल संगठन के जमीन मामले में दूसरे बडे व्यवसायी विशाल ग्रुप के साथ लेनदेन करने, सेंचुरी बैंक के अध्यक्ष और अन्य को गिरफ्तार कर उनके साथ वसूली करने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा एक क्रिंटल सोने की तस्करी के मामले में फरार एक आरोपी ने ज्ञवाली के द्वारा अपना नाम केस से हटाने के लिए दो करोड रूपए मांगने का ऑडियो ही सार्वजनिक किया था। उनकी संपत्ति की जांच करने का भी आदेश दिया गया है।

फिलीपींस में इमारत में आग लगने से 11 लोगों की मौत

एजेंसी

मनीला। फिलीपींस की राजधानी मनीला में एक वाणिज्यिक इमारत में शुक्रवार सुबह आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गयी।

स्थानीय रेडियो ने एक ग्रामीण अधिकारी नेल्सन टाय के हवाले से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अग्निशामकों और चश्मदीदों की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, इमारत के अंदर 11 शव बरामद किये गये।श्री टाय ने बताया कि मृतकों में इमारत के मालिक की पत्नी भी शामिल है, जिसका शव तीसरी मंजिल पर पाया गया।

करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

हिजबुल्लाह ने दागे रॉकेट, इजराइल ने दिया तगड़ा जवाब, लॉन्चर को किया तबाह

एजेंसी

बेरूत। हिजबुल्लाह ने अपने शीर्ष कमांडर फुआद शुकर के मारे जाने के बाद देररात (स्थानीय समय) इजराइल पर दर्जनों रॉकेट दागे। कहा जा रहा है कि हालांकि, केवल पांच रॉकेट ही इजराइल में प्रवेश कर पाए। इजराइल के रक्षा बलों के अनुसार, रॉकेट हमलों में किसी तरह के नुकसान या किसी नागरिक के घायल होने की सूचना नहीं है। इजराइली रक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए दक्षिणी लेबनान के येटर में हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया है।

उल्लेखनीय है कि इजराइल के गोलान हाइट्स में फुटबॉल मैदान पर 27 जुलाई को हिजबुल्लाह के हमले में 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इसका बदला लेते हुए इजराइल ने हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर फुआद को बेरूत में मार गिराया। फुआद के मारे जाने के बाद हिजबुल्ला और इजराइल के बीच तनाव बढ़ गया है। फुआद की मौत के 48 घंटे बाद

हिजबुल्लाह ने इजराइल के पश्चिमी गैलिली पर रॉकेट हमले किए। साथ ही इसकी जिम्मेदारी भी ली है।

हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने पहले लेबनान के चामा गांव में इजराइली हमले के जवाब में मेत्जुबा के उत्तरी सीमा समुदाय पर दर्जनों रॉकेट दागे। चामा में कथित तौर पर चार सीरियाई मारे गए और कई लेबनानी नागरिक घायल हो गए। इजराइली रक्षा बलों ने कहा है कि जवाब में लेबनान के येटर में हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया गया। इसका इस्तेमाल पश्चिमी गैलिली पर बमबारी के लिए किया जा रहा था। इस रॉकेट लॉन्चर को तबाह कर दिया गया। इजराइल के रक्षा बलों ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पश्चिमी गैलिली क्षेत्र में सक्रिय किए गए अलर्ट के बाद, लेबनान से आए कई रॉकेटों का पता चलने के बाद कुछ को हवा में ही नेस्तनाबूद कर दिया गया। कुछ खुले क्षेत्रों में गिरे। इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ। इजराइल ने यह भी कहा है कि 13 जुलाई को दक्षिणी गाजा पट्टी में हवाई हमले में हमास के सैन्य विंग कमांडर मोहम्मद डेफ की मौत हो गई। तेहरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या के एक दिन बाद इजराइल ने इसकी पुष्टि की है।

भारतीय मूल के डॉक्टर होंगे एरिजोना से डेमोक्रेट उम्मीदवार, नवंबर में दिग्गज रिपब्लिकन से है मुकाबला

एजेंसी

एरिजोना। भारतीय मूल के डॉक्टर अमीश शाह ने एरिजोना से डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी में जीत दर्ज की है। इसके साथ ही वह नवंबर में होने वाले चुनाव में एरिजोना से रिपब्लिन पार्टी के उम्मीदवार की चुनौती का सामना करेंगे। 47 वर्षीय अमीश शाह के मुख्य प्रतिद्वंदी आंद्रेइ चेर्नी ने गुरुवार को अपनी हार स्वीकार कर ली, जिसके बाद एरिजोना से भारतीय मूल के डॉक्टर की उम्मीदवारी तय हो गई।

प्राइमरी चुनाव में कई दावेदारों को पछाड़ा

अमीश शाह इससे पहले राज्य के निचले सदन के भी सदस्य रह चुके हैं। प्राइमरी चुनाव में शाह को 1629 वोट मिले, जो कि कुल मतदान का 23.4 प्रतिशत है। शाह के मुख्य प्रतिद्वंदी चेर्नी को 21.4 प्रतिशत मतों से संतोष करना पड़ा। शाह और चेर्नी के अलावा एरिजोना से डेमोक्रेट प्राइमरी चुनाव में पूर्व न्यूज एंकर मार्लेन गैलन वुड्स,

आर्थोडॉन्टिस्ट एंड्रयू होर्न, अमेरिकी रेड क्रॉस के पूर्व क्षेत्रीय सीईओ कर्ट क्रोएमर और इनवेस्टमेंट बैंकर कोनोर ओ कैलेघन भी चुनाव मैदान में थे।

नवंबर में रिपब्लिकन उम्मीदवार से होगा मुकाबला

नवंबर में होने वाले अमेरिका के निचले सदन हाउस ऑफि रिप्रजेंटेटिव्स के चुनाव में शाह का मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डेविड स्वीकर्ट से होगा। गौरतलब है कि स्वीकर्ट सातवीं बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं और मंगलवार को हुए रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी में उन्होंने आसानी से जीत हासिल की। साल 2022 के चुनाव में स्वीकर्ट ने डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवार जेविन हॉज को हराया था।

लेबनानः अपनी पीड़ा खत्म होने के लंबे इंतजार में जी रहे फलस्तीनी शरणार्थियों की एक झलक

एजेंसी

वाशिंगटन। अल बिद्दावी शिविर 1955 में फलस्तीनी नकबा के दौरान उन लोगों को आश्रय देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था, जिन्हें इस्राइली सेना ने ऊपरी गेलीली और उत्तरी तटीय शहरों से जबरन बेदखल किया गया था। नकबा को अरबी भाषा में प्रलय जैसे हालात भी कहा जाता है। उसके बाद से इस शरणार्थी शिविर में आने वाले शरणार्थियों की संख्या कई गुना बढ़ गई है, क्योंकि हिंसा ने, इन देशविहीन फलस्तीनी शरणार्थियों का पीछा नहीं छोड़ा है। ये लोग लेबनान में गृहयुद्ध सेलेकर सीरिया में युद्ध तक से भी प्रभावित हुए हैं। इस कारण भारी संख्या में सीरियाई और फलस्तीनी शरणार्थी इस छोटे से देश लेबनान में पहुंचे हैं। संकीर्ण और बदहाल सड़कें यहां जीवित रहने के संघर्ष की प्रतीक हैं। फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूएन सहायता एजेंसी UNRWA का कहना है कि इस एक वर्ग किलोमीटर के दायरे में, 21 हजार से अधिक फलस्तीनी लोग, बहुत से निर्धन लेबनानी नागरिकों और सीरियाई शरणार्थियों के साथ गुजारा करते हैं। वर्ष 2019 के अंत से लेबनान में आर्थिक संकट की जकड़

बढ़ने के कारण इस इलाके में अन्य वंचित इलाकों की ही तरह रोजगारपरक काम की कमी हो गई है और जो लोग काम कर भी रहे हैं वे भी बमुश्किल गुजारा कर पा रहे हैं।

अहमद की आपबीती

अहमद (परिवर्तित नाम) आठ ब'चों के बेरोजगार पिता हैं और कई पुरानी बीमारियों से पीड़ित हैं। अहमद उनका असली नाम नहीं है। उन्होंने अपना असली नाम बताने में कतराते हुए यूएन न्यूज को बताया कि अक्सर चूहे, सड़क से लेकर चौथी मंजिल तक बिजली के तारों के सहारे उनके घर तक पहुंच जाते हैं। आसपास की अन्य इमारतों से जगह की तंगी के कारण उनके घर की खिड़कियां बंद रहने के बावजूद वो, चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए अपने घर की खिड़कियां खुली रखने की कोशिश करते हैं। अहमद के परिवार के पास एक पंखा भी नहीं है, जिसे वे अपने पड़ोसी से मिली थोड़ी सी बिजली से जोड़ सकें। उनके खाली फ्रिज में झांकने से पता चलता है कि यह परिवार कई रातें, खाना खाए बिना ही गुजारता है। अहमद ने बताया कि जब तक उन्हें UNRWA की नकदी सहायता से कुछ राहत नहीं मिल जाती, तब तक उन्हें कोई भी जन, धन उधार नहीं देता। UNRWA उन्हें हर 12 सप्ताह में 18 साल से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे के लिए, 50 अमरीकी डॉलर की सहायता करती है और बजटीय मुद्दों के कारण हाल ही में यह राशि घटाकर 30 डॉलर कर दी गई। अहमद ने कहा कि घर का पका हुआ खाना खरीदने में कम से कम दस लाख लीरा (11.17 अमरीकी डॉलर) की कीमत लगती है। वे कहते हैं कि मेरे बड़े बेटे को बोलने में मुश्किल होती है। मैंने उसे एक पेशा सिखाने की कोशिश की, लेकिन लोग उसका मजाक उड़ा रहे थे, इसलिए अब वह अपने भविष्य में किसी बेहतरी की उम्मीद के बिना ही घर पर बैठा है। इस शिविर में ऐसे बहुत से लोग हैं, जो इसी तरह की स्थिति में जी रहे हैं और वे भी भीख मांगने में शर्म महसूस करते हैं। ईश्वर सभी लोगों की पीड़ा को कम करे।

इजराइल ने हमास के सैन्य प्रमुख दैफ को गाजा में किया ढेर, फलस्तीन को दो दिन में दूसरा बड़ा झटका

एजेंसी

यरुशलम। इजराइल एक के बाद एक हमास पर हमले कर कमर तोड़ने की कोशिश कर रहा है। इसी कड़ी में इजराइल ने लगातार दूसरे दिन गाजा पट्टी में हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख 59 वर्षीय मुहम्मद दैफ के मारे जाने का दावा किया है। इससे पहले ईरान की राजधानी तेहरान में मिसाइल से हमला कर हमास के सर्वोच्च नेता इस्माइल हानिया को मार दिया था।

मुहम्मद दैफ ने ही याह्या सिनवार के साथ मिलकर इजराइल पर सात अक्टूबर, 2023 के हमले की साजिश रची थी और उसे अंजाम देने में मुख्य भूमिका निभाई थी। उस हमले में 1,200 इजरायली मारे गए थे और उसके बाद इजराइल ने गाजा में युद्ध का एलान किया था। इस युद्ध में अभी तक करीब 40 हजार फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

इजराइली सेना ने बताया कि दैफ को गाजा के खान यूनिस शहर में 13 जुलाई को हवाई हमले में मारा गया। बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के सर्वोच्च नेता इस्माइल हानिया की मिसाइल हमले

में मौत हुई थी। इजरायल ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन शक उसी पर है। मुहम्मद दैफ के मारे जाने पर हमास ने अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। दैफ ही हमास का वह कमांडर था, जिसकी देखरेख में बीते 30 वर्षों में गाजा पट्टी में भूमिगत सुरंगों का जाल तैयार किया गया और लड़ाकों को घातक बम बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इजराइली नागरिकों और सैनिकों पर हमले की कई घटनाओं के लिए इजराइल को दशकों से मुहम्मद दैफ की तलाश थी। वह दशकों से इजराइल की हिट लिस्ट में था। दैफ को कई बार मारने की कोशिश हुई लेकिन वह हमेशा बच निकलता था।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814

मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कमला हैरिस की नस्लीय पहचान पर ट्रंप का फिर हमला, एक तस्वीर साझा कर बोले- भारतीय विरासत के लिए उनका...

एजेंसी

वेनेजुएला। अमेरिका में राष्ट्रपति पद को लेकर नवंबर महीने में चुनाव होने वाले हैं। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप लगातार डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस की नस्लीय पहचान पर सवाल उठाते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने दूसरे दिनभी उपराष्ट्रपति की नस्लीय पहचान पर सवाल उठाया। उन्होंने उनकी एक तस्वीर साझा कर हमला बोला। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि अभी तक कमला हैरिस भारतीय विरासत पर जोर देती थीं, लेकिन वह अब अचानक से अश्वेत बन गई हैं। इस पर हैरिस ने पलटवार करते हुए कहा था कि ट्रंप की टिप्पणी विभाजनकारी और अनादर से भरी है। दरअसल, अमेरिका की राजनीति में श्वेत और अश्वेत हमेशा से एक बड़ा मुद्दा रहा है, क्योंकि अमेरिका में भारी संख्या में अश्वेत मतदाता हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने मौजूदा उपराष्ट्रपति पर हमला जारी रखा। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें हैरिस अपने परिवार के सदस्यों के साथ साड़ी पहने नजर आ रही हैं। ट्रंप ने कहा कि भारतीय विरासत के लिए कमला हैरिस का प्यार और गर्मजोशी सराहनीय है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर तस्वीर साझा करते हुए कहा, 'कई साल पहले आपने जो अच्छी तस्वीर भेजी थी, उसके लिए धन्यवाद कमला! आपकी भारतीय विरासत के लिए आपकी गर्मजोशी, दोस्ती और प्यार की बहुत सराहना की जाती है।' डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस की नस्लीय पहचान पर सवाल उठाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अश्वेत पहचान भुनाने में लगी हैं। ट्रंप ने शिकागो में नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लैक जर्नलिस्ट्स कन्वेंशन को संबोधित करते हुए कहा था कि वह (कमला हैरिस) हमेशा से खुद को भारत से जुड़ा हुआ बताती थीं। वह भारतीय संस्कृति का प्रचार करती थीं, लेकिन अब वह अचानक से अश्वेत हो गई हैं। वह अश्वेत कब से हो गईं? अब वह चाहती हैं कि उन्हें अश्वेत के तौर पर पहचाना जाए। ट्रंप ने कहा था, 'मुझे नहीं पता कि वह भारतीय है या अश्वेत है? मैं भारतीयों और अश्वेतों दोनों का ही सम्मान करता हूं लेकिन मुझे नहीं लगता कि हैरिस के मन में इन्हें लेकर सम्मान की भावना है।

राजस्थान के राज्यपाल बागड़े ने बिरला, वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों से की भेंट

एजेंसी
नई दिल्ली । राजस्थान के नवनियुक्त राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने यहां लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की।राजस्थान सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार राज्यपाल पद की शपथ लेने के बाद श्री बागडे आज ही नयी दिल्ली पहुँचे। श्री बिरला के साथ मुलाकात के दौरान दोनों ने संसदीय परम्पराओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

आयुष मंत्रालय नेचुरोपैथी का करेगा समग्र विकास : प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में सूर्या फाउण्डेशन व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन द्वारा केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था। समारोह का उद्घाटन आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। समारोह में 200 से अधिक योग प्राकृतिक चिकित्सा जगत के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त माननीय श्री राजू बिष्ट एवं श्री भोलासिंह जी दोनों सांसद, श्री कोस्तुभ कर्माकर (वेद जी) वॉइस चेयरमैन सूर्या फाउण्डेशन, डॉ. डी. एन. शर्मा व डॉ आर एस डबास दोनों राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिजय राज शिन्दे पूर्व विद्यायक बुलढाना महाराष्ट्रा, श्री नन्द किशोर अग्रवाल अध्यक्ष व श्री मामराज अग्रवाल, बालाजी निरोगधाम वैलनेस नेचर क्योर दिल्ली तथा योग प्राकृतिक चिकित्सा योग की अन्य संस्थओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित हुये।

समारोह में विशिष्ठ अतिथि के रूप में दार्जिलिंग के सांसद श्री राजूबिष्ट एवं बुलन्दशहर के सांसद डॉ भोलासिंह ने उपस्थित प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि आदरणीय पद्मश्री जयप्रकाश जी पिछले तीन दशकों से प्राकृतिक चिकित्सा योग के समग्र विकास हेतु श्रेष्ठ व सराहनीय योगदान दे रहे है। हम भी संसद में प्राकृतिक चिकित्सा के विकास हेतु आवाज बुलंन्द करेगें। आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने अपने अभिनंदन के लिए सूर्या फाउण्डेशन व एवंम् योग नेचुरोपैथी संस्थाओं का आभार प्रकट करते हुए बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम योग नेचुरोपैथी का समग्र विकास व प्रचार.प्रसार हेतु आयुष मंत्रालय की सभी योजनाए व प्रॉजेक्ट को प्रभावी रूप से लागू करेगें।

उत्तराखंड आपदा पर नजर बनाए हुए हैं पीएम मोदी, रेस्क्यू के लिए भेजे गए कई हेलीकॉप्टर

देहरादून। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में भारी बारिश नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। इसके कारण कई जगहों पर बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। तेज बहाव के कारण सड़कें बहने से कई लोग फंसे हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखंड के आपदा पर नजर बनाए हुए हैं। यहां पर रेस्क्यू के लिए एयरफोर्स का चिनूक, एमआई 17 और तीन टैंकर एटीएफ को भेजा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुरोध पर पीएमओ ने हर आवश्यक सहायता के प्रति आश्वस्त किया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी स्थित पर नजर बनाए हुए हैं। बता दें उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण कई मकान ढह गए हैं। कई इलाकों में बाढ़ है। सड़कें बह गई है और कई नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है। आपदा के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन में तेजी लाने के लिए धामी सरकार द्वारा केंद्र सरकार से भी मदद मांगी गई, इसमें वायु सेना के हेलीकॉप्टर की मांग की गई। केदारनाथ में फंसे लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम लगातार जारी है।इससे पहले उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने बचाव और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए आपातकालीन संचालन केंद्र में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान, सीएम धामी ने बताया कि खराब मौसम से प्रभावित निवासियों को स्थानांतरित करने के लिए बचाव दल पूरी रात सक्रिय रहे। जिला मजिस्ट्रेट को स्थानीय स्तर पर समन्वय करने और आपदा से संबंधित सूचना प्राप्त होने पर बिना किसी ढिलाई के कार्रवाई के निर्देश दिए।

'भाजपा शासित राज्य केन्द्र के साथ समन्वय बनाकर विकास योजनाओं के लिए काम करें'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों को नसीहत दी है कि वे केन्द्र के साथ समन्वय बनाकर विकास योजनाओं में जन भागीदारी बढ़ाने के लिए काम करें। भाजपा के मुख्यमंत्रियों - उप मुख्यमंत्रियों के दो दिन के सम्मेलन के बारे में पार्टी के वरिष्ठ नेता विनय सहस्त्रबुद्धे ने संवाददाताओं को बताया, प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया है कि केंद्र और राज्य सरकारें अधिक मज़बूती से लोक कल्याण के समन्वित प्रयासों में लगती हैं तो विकसित भारत का लक्ष्य हम निश्चित हासिल कर पायेंगे। विरासत का विकास और विकास की विरासत का निर्माण, इन दोनों का हमारी विकसित भारत की संकल्पना में विशेष महत्व है। इस का भी ध्यान हम सभी को निरंतर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री मोदी आज भाजपा मुख्यालय में आयोजित भाजपा के सभी मुख्यमंत्री - उपमुख्यमंत्रियों की दो दिवसीय 'मुख्यमंत्री-परिषद' के समापन सत्र में को संबोधित कर रहे थे। पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह आदि राष्ट्रीय नेताओं की उपस्थिति में सम्पन्न इस 'मुख्यमंत्री-परिषद' में भाजपा के सभी 13 मुख्यमंत्री और सभी 15 उप-मुख्यमंत्री सहभागी हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा के सु-शासन के एजेंडे के तहत इस तरह की मुख्यमंत्री परिषद का आयोजन समय-समय पर होता आया है। वर्तमान वर्ष 2024 का यह दूसरा आयोजन था। श्री सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने से लेकर विकास कार्यक्रमों में जन-भागीदारी पर और अधिक बल देने की दृष्टि से अन्यान्य प्रयासों की आवश्यकता तथा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करते हुए लोगों तक सरकारी योजनाओं की पहुँच बढ़ाने के उपायों की भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कल शाम अपने प्रारंभिक उद्बोधन में श्री नड्डा ने कहा, इन बैठकों के माध्यम से हम सभी तीन विशिष्ट उपलब्धियाँ पाते हैं। सबसे पहले तो हम सभी को प्रधानमंत्री के सुदीर्घ अनुभव का लाभ मिलता है तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं का भी मार्गदर्शन प्राप्त होता है। दूसरा यह कि हम अपने अनुभवों का आदान -प्रदान कर पाते हैं और कुछ नई जानकारी या नया आकलन भी पाते हैं। तीसरी उपलब्धि होती है कि कुछ और अधिक अच्छा करने की हमारी भावना बलवती होती है। उन्होंने कहा कि इस बैठक में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नयी शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में राज्य सरकारों की भूमिका की चर्चा की और राज्य सरकारों से जो अपेक्षायें हैं

वियतनाम के प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मु से मुलाकात की

एजेंसी
नई दिल्ली। वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

वियतनाम के प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत-वियतनाम संबंध घनिष्ठ सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों की मजबूत नींव पर बने हैं, जो आपसी विश्वास एवं समझ तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई की कि हमारी द्विपक्षीय भागीदारी राजनीतिक आदान-प्रदान से लेकर रक्षा साझेदारी, व्यापार, वाणिज्य और निवेश, विकास सहयोग, सांस्कृतिक

संबंधों और लोगों से लोगों के संपर्कों तक सहयोग के व्यापक क्षेत्रों में है।

दोनों नेताओं ने साझा बौद्ध विरासत और सभ्यतागत संबंधों पर ध्यान दिया और वियतनाम में विरासत स्थलों को पुनर्स्थापित करने के लिए चल रहे सहयोगात्मक प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह की यात्रा भारत-वियतनाम व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने में काफी मददगार साबित होगी।

भारत के नवनिर्माण और विश्व में भाईचारा बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति अहमः प्रधान

एजेंसी
नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द प्रधान ने लोकसभा में कहा कि 34 साल के बाद देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति आयी जो भारत के नवनिर्माण, विश्व में भाईचारा बढ़ाने और वैश्विक समस्याओं का समाधान के लिए अहम है। श्री प्रधान ने कहा कि शिक्षा अनुदान पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस चर्चा में 44 सदस्यों ने भाग लेकर बहुमूल्य सुझाव रखी है जिस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसा विषय है जिससे देश के सभी परिवारों का संबंध है। भारत जैसे देश में आधार ही शिक्षा है। भारत की अनेक खूबियों में सबसे पहले शिक्षा व्यवस्था आयेगी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा पर जीडीपी का छह प्रतिशत खर्च करने की दिशा में हम आगे बढ रहे हैं। उन्होंने 2013-14 में जितना उच्च शिक्षा पर खर्च होता था उसमें 78 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2014-15 में विश्वविद्यालय की संख्या 760 थी जो आज 54 प्रतिशत बढकर 1168 हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजातीय समाज के लिए पीएम जनमन योजना लेकर आये क्योंकि सरकार आदिवासियों की शिक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। इस योजना के तहत आदिवासियों के लिए पांच सौ हास्टल बनाये जाएगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल के दौरान महिला शिक्षिकाओं की संख्या में बढोत्तरी हुई। वर्ष 2013-14 में देश में महिला शिक्षक की संख्या 38.25 लाख होती थी यह आज 48.76 लाख हो गई है। सरकार शिक्षकों की संख्या बढाने के लिए कई योजनाएं चलाई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने छठी कक्षा से व्यावसायिक शिक्षा की कल्पना की ताकि आगे चलकर रोजगार मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों में नवाचार करने की जन्मजात गुण होता है जिसे बढावा देने के लिए अटल इनोवेशन योजना लाई गई। शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की सभी भाषा राष्ट्रीय है यह हमारी सरकार की सोच है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का स्पष्ट मानना है कि बच्चा अगर क्लास पांच तक अपनी मातृ भाषा में पढेगा तब उसकी क्रिटिकल सोच की शुरुआत होगी।शिक्षा मंत्री ने कहा कि जेईई नीट जैसी परीक्षा आज तेरह भाषाओं में लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की शिक्षा ज्ञान परंपरा आधारित बने यह हमारी मान्यता है।उन्होंने कहा कि पहले विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भर्ती में एससी एसटी के योग्य उम्मीदवार नहीं मिलने पर सामान्य वर्ग से भर दिया जाता था लेकिन हमारी सरकार योग्य उम्मीदवार नहीं मिलने पर उसे खाली रखती है।

नीटः सीबीआई ने 13 अभियुक्तों के खिलाफ दाखिल की पहली चार्जशीट

एजेंसी
नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 के प्रश्न पत्र लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जेल में बंद 13 अभियुक्तों के खिलाफ अपना पहला आरोप-पत्र आज विशेष अदालत में दाखिल कर दिया। सीबीआई ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि इस मामले के 13 अभियुक्तों नीतीश कुमार, अमित आनंद, सिकंदर यादवेंदु, आशुतोष कुमार-1, रौशन कुमार, मनीष प्रकाश, आशुतोष कुमार-2, अखिलेश कुमार, अवधेश कुमार, अनुराग यादव, अभिषेक कुमार, शिवनंदन कुमार और आयुष राज के खिलाफ यह आरोप पत्र भारतीय दंड विधान की धारा 120 बी, 201, 409, 380, 411, 420 और 109 के तहत दाखिल किया गया है।

सीबीआई ने बयान में कहा है कि अनुसंधान के दौरान फॉरेंसिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

(एआई) टेक्नोलॉजी, सीसीटीवी फुटेज और टावर लोकेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल सबूत इकट्ठा करने के लिए किया गया है। सीबीआई ने अनुसंधान के दौरान अब तक 58 जगहों पर तलाशी ली है। सीबीआई के अनुसार बाकी बचे अभियुक्तों के खिलाफ अनुसंधान जारी है और अनुसंधान पूरा होने पर उनके खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा।

इस बीच प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीबीआई ने पटना स्थित विशेष अदालत में अपनी चार्जशीट एक बंद लिफाफे में दाखिल कर दी है। गौरतलब है कि 05 मई 2024 को पूरे देश में नीट 2024 की परीक्षा आयोजित की गई थी । इस परीक्षा के दौरान गड़बड़ी करने के आरोप में पटना के शास्त्री नगर थाना प्रभारी अमर कुमार ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया और शास्त्री नगर थाना कांड संख्या 358/2024 के रूप में एक प्राथमिकी दर्ज की। बाद में मामला आर्थिक अपराध ईकाई को सौंप दिया गया। उसके बाद प्रश्न पत्र लीक होने का मामला उजागर हुआ और केंद्र सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी।

सीबीआई 23 जून 2024 को अपनी प्राथमिकी आरसी 224/2024 के रूप में भारतीय दंड विधान की धारा 120 बी, 406, 407, 408 और 409 के तहत दर्ज करने के बाद अनुसंधान कर रही है। अदालत में यह मामला आरसी 6ई/2024 के रूप में दर्ज है। इस मामले में अभी तक लगभग 40 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से अभी चार लोगों को पुलिस रिमांड पर लेकर सीबीआई हिरासती पूछताछ कर रही है जबकि 36 लोग न्यायिक हिरासत में पटना के बेउर जेल में बंद हैं।

संसद भवन में जलभराव पर लोकसभा सचिवालय का स्पष्टीकरण

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने नये संसद भवन की सुदृढ़ता को लेकर मीडिया रिपोर्ट में व्यक्त किये जा रहे संदेह को खारिज करते हुये बुधवार को कहा कि भारी बारिश के दौरान भवन की लॉबी के ऊपर ग्लास डोम्स को फिक्स करने के लिये इस्तेमाल किया जाने वाला एडहेसिव के थोड़ा हट जाने के कारण लॉबी में पानी का मामूली रिसाव हो गया था।सचिवालय के सूत्रों के अनुसार सोशल मीडिया पर यह भी देखा गया कि नये संसद भवन के मकर द्वार एवं उसके आसपास जलभराव हो गया था। उल्लेखनीय है कि ग्रीन पार्लियामेंट हरित संसद की संकल्पना के अनुसरण में नये संसद भवन की लॉबी सहित भवन के कई हिस्सों में ग्लास डोम्स लगाये गये हैं, जिससे संसद के दैनिक कामकाज में प्रचुर प्राकृतिक रोशनी का उपयोग किया जा सके।

पूर्व आईएएस प्रशिक्षु पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा की पूर्व प्रशिक्षु पूजा खेडकर को एक और झटका लगा जब दिल्ली की एक अदालत ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा, 2022 के लिए आवेदन में कथित रूप से तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने से संबंधित शिकायत के परिप्रेक्ष्य में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेंद्र कुमार जंगाला ने सुश्री खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका को आज मंजूरी देने से इनकार कर दिया। इससे पहले बुधवार को उन्होंने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुश्री खेडकर के वकील ने उनके खिलाफ आपराधिक मामले के कारण गिरफ्तारी के आसन्न खतरे का हवाला देते हुए अदालत से अग्रिम जमानत देने का अनुरोध किया। सरकारी वकील ने अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि जांच प्रारंभिक चरण में है और सुश्री

खेडकर से संबंधित विभिन्न दस्तावेजों का सत्यापन किया जाना है। पुलिस ने मामले में यूपीएससी की ओर से शिकायत मिलने के बाद सुश्री खेडकर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उन पर आरोप है कि उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा, 2022 को पास करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के तहत कोटा का दुरुपयोग किया।

'ईपीएस-95 पेंशन भोगियों के मुद्दे के समाधान के लिये कटिबद्ध हैं प्रधानमंत्री'

एजेंसी
नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि पर आधारित कर्मचारी पेंशन योजना-95 के तहत मासिक पेंशन बढ़ाने को लेकर आंदोलन कर रहे निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त श्रमिकों के एक संगठन ने कहा कि केन्द्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने उन्हें इस मामले में आश्वासन दिया है और कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे के समाधान के लिये प्रतिबद्ध हैं।

ईपीएस-95 के राष्ट्रीय संघर्ष समिति के अध्यक्ष कमांडर अशोक राऊत ने कहा, लंबे समय तक नियमित पेंशन निधि में योगदान करने के बावजूद पेंशन भोगियों को इतनी कम पेंशन मिल रही है, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ती जा रही है। पिछले आठ साल से देशभर के 78 लाख पेंशधारक न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने अब तक उनकी मांगों पर कोई तवज्जो नहीं दी है। मौजूदा समय में पेंशनधारकों को औसतन केवल 1,450 रुपये ही

मासिक पेंशन मिल रही है। पेंशनधारक महंगाई भत्ते के साथ मूल पेंशन को हर महीने 7,500 रुपये करने और पेंशनभोगियों के जीवनसाथी (पति या पत्नी) को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधायें देने समेत दूसरी मांगें कर रहे हैं। श्री राऊत के निवेदन और सांसद धैर्यशील माने की अपील पर महाराष्ट्र के विभिन्न दलों के सांसदों ने आंदोलनकारियों के साथ चर्चा की।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय श्रम मंत्री मंडाविया ने पेंशन भोगियों के एक दल को चर्चा के लिये बुलाया । उन्होंने आश्वाशन दिया कि सरकार जल्द इसके समाधान के लिये कटिबद्ध हैं।

डॉ मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इसके प्रति प्रतिबद्ध हैं । उन्होंने आंदोलनकारियों से आंदोलन समाप्त करने का आग्रह किया। इस आंदोलन में महाराष्ट्र के विभिन्न दलों के 11 सांसद शामिल हुये। श्री राऊत ने कहा कि श्रम विभाग के अधिकारियों ने भी आंदोलनकारियों को बातचीत के लिये बुलाया । उनके साथ बैठक बहुत सकारात्मक रही। विभाग की तरफ से इस मामले को लेकर भी आश्वाशन दिया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले सांसद हेमा मालिनी के नेतृत्व में आंदोलनकारी श्री मोदी से दो बार मिल कर अपनी समस्या से उन्हें अवगत करा चुके हैं।

NAME CHANGE
I, SHAM SONI S/O BUTI RAM SONI residing at C-70 GANESH NAGAR TILAK NAGAR DELHI-110018 have changed my name to SHASHI SONI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Gulam Gaus S/o- Naseeb R/O House No-RZQ-22, Nihal Vihar, Nangloi, Delhi-110041 have changed my name from Gulam Gaus to Gulam Gaus Ali for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Vipasha W/o Davinder Mehra R/o Plot No-465/20, Flat No-202,2nd Floor, Shakti Nagar, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name to Vipasha Arora For All Future Purposes.

Name Change
I,QASER JAHAN W/O MOHD YUSUF R/O H NO E-107 NEW SEELAMPUR DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME KAISAR JAHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE

Name Change
I, JANVI KATYAL D/O MUKESH KATYAL residing at H NO-67, RISHABH VIHAR, SHAHDARA, DELHI-110092 have changed my name to JHANVI KATYAL for all future purpose.

Name Change
I, JC-293321L Rank-NB SUB Name-RAJESH KUMAR DWIVEDI S/o CHANDRAMAUL DWIVEDI R/O VILL-SEMARI, PO-TIHAI, TEHSIL & THANA-KOTAR, DISTT-SATNA (M.P.)-485226 have changed my minor daughter's name from VESHNAVI DWIVEDI to VAISHNAVI DWIVEDI for all future purposes vide affidavit dated 02/08/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SANDHIYA is legally mother of No. 13774503M Rank- RFN, Name- UPEN RAI R/o VILL-KHUNDRUKEY, PO-DEORALI, TEH-KURSEONG, DIST-DARJEELING (WB)-734220 have changed my name from SANDHIYA to SANDHYA for all future purposes. Vide affidavit dated 31/07/2024 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I,Vanishree koul W/o Sunil koul R/o Flat No 204, Tower - F, Sector-143, Gulshan Ikebana, Sector 143, Gautam Buddha Nagar, Noida, Uttar Pradesh, 201301 Have changed my name from.Vanishree koul to Vanishree sunil koul for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sakeena Khatoon W/o- Gulam Gaus Ali R/O House No-RZQ-22, Nihal Vihar, Nangloi, Delhi-110041 have changed my name from Sakeena Khatoon to Roshan Aara for all future purposes.

Name Change
I, Sujata Rani Girdhar w/o Punish Chaudhary R/o 5024, Roshanara Road, Gali Chaman Ganj, Roshanara Bagh, Subzi Mandi, Malka Ganj, Delhi-110007, have changed my name to Sujata Chaudhary Permanently.

Name Change
I, GEETHA R wife of NO-15319685K Rank-CHM Name-RAGHU D R/o VPO-RENDADI, TEH-WALAJAH, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-631102 have changed my name from GEETHA R to GEETHA for all future purposes vide affidavit dated 02/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, D VIMALA mother of NO-15319685K Rank-CHM Name-RAGHU D R/o VPO-RENDADI, TEH-WALAJAH, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-631102 have changed my name from D VIMALA to VIMALA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 20/12/1959 instead of my correct date of birth as 15/05/1965 vide affidavit dated 02/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, BIJAYALAXMI PRIYADARSNI PALAI wife of JC-735303A Rank-NB SUB Name- SUBASH CHANDRA PALAI R/O VILL-PADMAPOLA, PO-GOUTAMI, TEH-DIGAPAHANDI, DIST-GANJAM, ODISHA-761054 have changed my name from BIJAYALAXMI PRIYADARSNI PALAI to BIJAYALAXMI PRIYADARSHNI PALAI for all future purposes vide affidavit dated 02/08/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, DISHIKA SOLANKI, D/o. MANOJ KUMAR, R/o. RZ-729/A, STREET NO-11, RAJ NAGAR-2, PALAM COLONY, NEW DELHI-110077, declare that name of my father has been wrongly written as MANOJ in my 10TH & 12TH Certificate and the correct name of my father's is MANOJ KUMAR.

Name Change
I, RENUKA mother of No 16132945P, Rank-SPR, Name-NAGARAJ YALLAPPA HANAGALLA residing at VILL-BENDALGATTI, PO-BEGRAVALLI, TEHSIL & P.S.-KALGHATGI, DISTT-DHARWAD, KARNATAKA-581212 have changed my name from RENUKA to RENUKA YALLAPPA HANGALL for all future purposes vide Affidavit Dated 02/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, YALLAPPA father No 16132945P, Rank-SPR, Name-NAGARAJ YALLAPPA HANAGALLA residing at VILL-BENDALGATTI, PO-BEGRAVALLI, TEHSIL & P.S.-KALGHATGI, DISTT-DHARWAD, KARNATAKA-581212 have changed my name YALLAPPA to YALLAPPA NILAPPA HANAGALL for all future purposes vide Affidavit Dated 02/08/2024 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-16115014P Rank-HAV Name-JEEVARAJ P R/o VILL-ONDIYUR, PO-SAMANTHAMALAI, TEH & DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635115, in my service records my father's (P PACHAPPAN) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of his correct date of birth is 04/06/1957 vide affidavit dated 02/08/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-16115014P Rank-HAV Name-JEEVARAJ P R/o VILL-ONDIYUR, PO-SAMANTHAMALAI, TEH & DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635115 have changed my mother's name from P RANI to RANI PACHAPPAN for all future purposes vide affidavit dated 02/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-705605X, Rank-NB SUB, Name-DAULAT RAM S/o NAIM SINGH Residing at ANAJ MANDI KE SAMNE, NAGAR ROAD, VPO-DEEG, DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321203 have changed my wife's name from SHREE RAJNEE DEVI to RAJNEE DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 02/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SWARSTI TAMANG is legally mother of No. 13774506A Rank-L/NK, Name- RABIN TAMANG R/o SAMDONG 1,PO.PEDONG, DIST DARJEELING, WEST BENGAL, PIN 734311 have changed my name from SWARSTI TAMANG to TAMANG SARSWATI for all future purposes. Vide affidavit dated 02/08/2024 before Notary Public New Delhi.

Name Change
I, NO-14655860F Rank- NK Name-SUSANTA KUMAR MANDAL R/o VILL-PASCHIM JALI, PO-HATGOPALPUR, TEH-EGRA, DIST-PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL-721454 have changed my mother's name from SANDHA MANDAL to SANDHYARANI MANDAL for all future purposes, in my service record her date of birth wrongly mentioned as 01/07/1967 instead of her correct date of birth as 01/01/1967 vide affidavit dated 02/08/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, ANIL KUMAR S/O BIRENDER KUMAR R/O H NO. 92B G/F, SHIV ENCLAVE, GALI NO. 9, VIKAS NAGAR, UTTAM NAGAR WEST DELHI D K MOHAN GARDEN DELHI-110059 have changed my name to MANISH KUMAR for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे मुवक्किलान श्री जगदीश चन्दर अग्रवाल सुपुत्र ष्ठ.क अग्रवाल पत्नी श्रीमती गीता देवी, निवासी R.Z-D-1/361, गली नं0 5, महावीर एन्क्लेव पार्ट । पालम गाँव साउथ वेस्ट दिल्ली 110045 ने अपने सुपुत्र मयंक जिंदल (आधार-496415378511) उनके दुर्व्यवहार / दुराचरण, नियंत्रण से बाहर होने के कारण तत्काल प्रभाव से सभी सम्बन्धविच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से तत्काल प्रभाव से बेदखल कर दिया है। भविष्य में यदि कोई मयंक जिंदल से कोई लेन-देन/व्यवहार करेगा, तो इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा, इसमें मेरे मुवक्किला तथा उनके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
HARI PRAKASH ADVOCATES
Ch. No. 706 Lawyers Chambers Building, Dwarka Court, Delhi-75

Name Change
I, JC-705605X, Rank-NB SUB, Name-DAULAT RAM S/o NAIM SINGH Residing at ANAJ MANDI KE SAMNE, NAGAR ROAD, VPO-DEEG, DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321203 have changed my mother's name from KAISHER DEVI to KESHAR DEVI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 07/09/1963 instead of her correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 02/08/2024 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-16115014P Rank-HAV Name-JEEVARAJ P R/o VILL-ONDIYUR, PO-SAMANTHAMALAI, TEH & DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635115, in my service records my mother's (RANI PACHAPPAN) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of her correct date of birth is 09/03/1964 vide affidavit dated 02/08/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD IRFAN S/O MOHD SHAHID R/O FA-17,THOKER NO 4,ABUL FAZAL ENCLAVE-1, JAMIA NAGAR,OKHLA, SOUTH EAST DELHI, DELHI 110025 have changed my name to MOHD IRFAN for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BISWAJIT MAITY S/O PARESH MAITY R/O H.No- L-st/1506 A, Gali No-12, Sangam Vihar, New Delhi - 110062, declare that name of mine & my wife and my Son has been wrongly written as VISHWAJIT MAITI & RAKHI MAITI and ABHIJIT in my minor son ABHIJIT MAITY aged 17 year in his School Records.The actual name of mine & my wife and my Son are BISWAJIT MAITY & RAKHI MAITY and ABHIJIT MAITY respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is hereby given to the public at large that my client Subhash Kumar Trehan son of LateShri Mulkh Raj resident of Flat No. 14, Pocket 1& 2, Sector-3, Dwarka, New Delhi have disowned/debarred /discarded all their relations with his son Mr. Nitin Trehan his date of birth is 21 September. 1987 and daughter-in-law Ritu Arora aged about 38 years from all their movable and immovable property/assets and have also ceased all relations in respect and it is further declared that any person whosoever deals with him shall do entirely at their own costs and risks and responsibilities. And if any legal liability comes against his son Mr. Nitin Trehan his date of birth is 21" September, 1987 and daughter-in-law Ritu Arora aged about 38 years, he shall not responsible for any deals acts on their behalf.
H.S.MEHRA Advocate
Ch.no. 404, Dwarka court complex, Dwarka court New Delhi

बारिश में नाले में बहा युवक, सुबह सरिये से अटका मिला शव

एजेंसी

फरीदाबाद। नगर में हुई झमाझम बारिश शहर के लिए आफत बनकर बरसी।भारी बारिश के दौरान पूरे शहर में जलभराव से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान एक युवक की नाले में गिर कर बहने से मौत हो गई। कई लोगों की जान जाते जाते बची। भारी बारिश के बीच रात में बल्लभगढ़ में होटल में खाना खाने के लिए आया एक युवक नाले में गिर कर बह गया। स्थानीय लोग उसे नहीं बचा पाए। नाले में गिरे युवक की पहचान प्रिंस (22) के रूप में हुई है। वह बल्लभगढ़ के आदर्श नगर का ही रहने वाला था। हादसे के करीब 12 घंटे बाद गुरुवार सुबह प्रशासन ने रेस्क्यू शुरू किया। कुछ देर बाद ही प्रिंस का शव नाले में लोहे के सरिए में अटका मिला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए फरीदाबाद के बादशाह खान सिविल अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया गया है। इस घटना को लेकर लोगों में रोष है। लोगों का कहना है कि हादसे की सूचना रात में ही डायल 112 और स्थानीय पुलिस को दी गई, लेकिन पुलिस ने युवक को नाले में खोजने का कोई प्रयास नहीं किया। इसके चलते युवक की सुबह तक मौत हो गई। जहां पर ये हादसा हुआ है, वो मंत्री मूलचंद शर्मा का विधानसभा क्षेत्र में आता है। लोगों का कहना है कि बल्लभगढ़ में खुला पड़ा ये नाला आसपास रहने वाले लोगों के लिए खतरा बन गया है। दूसरी घटना फरीदाबाद के सेक्टर 37 स्थित सामुदायिक भवन के पास हुई।

अवैध बैसमेंट के खिलाफ प्रशासन ने शुरू की कार्रवाई

फरीदाबाद। दिल्ली कोचिंग सेंटर में हुई हादसे के बाद निगम प्रशासन ने फरीदाबाद शहर में अवैध रुप से बनी बैसमेंट पर कार्रवाई करनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में नगर निगम के संयुक्त आयुक्त के नेतृत्व में निगम की टीम ने एनआईटी स्थित एक बिल्डिंग की बैसमेंट में बने स्पा सेंटर को सील कर दिया। इसके अलावा निगम अधिकारियों ने ऐसे अनेकों बैसमेंटों को टारगेट करना शुरू कर दिया है, जो कि सुरक्षा के लिहाज से ठीक नहीं है और जहां लोगों को ज्यादा आना जाना रहता है। नगर निगम के जेई संदीप ने बताया कि आज की कार्यवाही की शुरूआत एनआईटी से की गई है और करीब पांच से दस यूनिटों को आज सील किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निगमायुक्त के सख्त आदेश है कि जो बैसमेंट सुरक्षा के लिहाज से ठीक नहीं है, उन्हें तुरंत सील किया जाए। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर में चार छात्रों की बैसमेंट की लाईब्रेरी में पानी आने के चलते डूबने से मौत हो गई थी, जिसके बाद फरीदाबाद में बनी अवैध बैसमेंटों को लेकर प्रशासन ने कार्रवाई का फरमान जारी कर दिया था।

डायरेक्टर प्रोसिक्यूशन पर एफआईआर व जांच के आदेश

हिसार। विभिन्न आपराधिक मामलों में पुलिस द्वारा की जाने वाली जांच की खामियां दूर करने व अदालत में केस की पैरवी करने वाले अभियोजन विभाग (प्रोसिक्युशन डिपार्टमेंट) के डायरेक्टर संजय हुड्डा को हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग (एचएससीएससी) के चेयरमैन रविंद्र बलियाला ने एक अनुसूचित जाति के कर्मचारी को जाति के आधार पर प्रताड़ित करने के लिए हरियाणा सर्विस रूल्स के नियमों की धज्जियां उड़ाने का दोषी ठहराया है। आरोप है कि डायरेक्टर प्रोसिक्युशन ने अपने अधीन एक अनुसूचित जाति के कर्मचारी के साथ जाति आधारित भेदभाव करते हुए उचित प्रक्रिया के बिना अपने कार्यालय में बुलाकर धमकाया, बेइज्जत किया। आयोग ने गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को आदेश दिया है कि संजय हुड्डा के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करें। साथ ही पीड़ित रोहताश के खिलाफ दुर्भावना से की गई दो जांच और उनकी रिपोर्ट को भी निरस्त किया। आयोग ने पुलिस महानिदेशक को डायरेक्टर प्रोसिक्युशन के खिलाफ एससीएसटी एक्ट के तहत आपराधिक कार्रवाई शुरू करने के भी आदेश दिए हैं। मामले के अनुसार हिसार में जिला न्यायवादी कार्यालय में कार्यरत एक कर्मचारी रोहताश को डायरेक्टर प्रोसिक्युशन ने जिला न्यायवादी के माध्यम से मौखिक तौर पर सम्मन जारी करते हुए दे मार्च को अपने कार्यालय में बुलाया।

आंगनवाड़ी वर्कर एंड हेल्पर यूनियन ने धरना देकर सीएम को भेजा ज्ञापन

हिसार। हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच से संबंधित आंगनवाड़ी वर्कर एंड हेल्पर यूनियन ने लंबे समय से लंबित मांगों के समाधान के लिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी अनिता दलाल को मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में यूनियन ने कई मांगों का जिक्र किया है। इससे पहले यूनियन ने लघु सचिवालय के आगे धरना दिया और जोरदार नारेबाजी करके अपनी मांगे उठाई। वरिष्ठ नेता जगमति मलिक की उपस्थिति में जिला अध्यक्ष बिमला राठी की अध्यक्षता में दिए गए ज्ञापन में मांग की गई है कि प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2018 में घोषित 1500/700 की बढ़ोतरी दी जाए, जो हरियाणा को छोड़कर पूरे देश में मिल भी रही है। कुशल एवं अर्द्ध कुशल का दर्जा दिया जाए, मुख्यमंत्री द्वारा सुपरवाइजर के सभी पदों को वर्करों से भरने का वादा पूरा किया जाए, मुख्यमंत्री ने हर साल सितंबर में महंगाई भत्ता देने का वादा किया गया था लेकिन पूरा नहीं किया गया, इसलिए साल 2022-23 का महंगाई भत्ता जल्द लागू किया जाए, हेल्पर की प्रमोशन को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाए।

युवा नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार अनुसूचित जाति के छोटे उद्यमियों को प्रमुख उद्योगों के साथ जोड़ने के लिए व्यापक योजना बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है ताकि सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसएमई) के विकास को बढ़ावा मिल सके। इस संबंध में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने आवास संत कबीर कुटीर पर दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और विभिन्न पहलों पर विचार-विमर्श किया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार पहले से एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं चला रही है। अब अनुसूचित जाति के छोटे उद्यमियों की सहायता के लिए भी नई योजनाएं बनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं, ताकि छोटे उद्यमियों को बड़े बाजार उपलब्ध हो सके जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के साथ मिलकर नई योजनाएं बनाने पर विचार किया जाएगा, ताकि प्रदेश में अनुसूचित जाति के छोटे उद्यमियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी डिक्की द्वारा चलाई जा रही पहलों और अन्य राज्यों द्वारा अपनाई

जा रही बेस्ट प्रैक्टिसिस का अध्ययन करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार युवा उद्यमियों को विदेशों में माल निर्यात करने की दिशा में भी सहयोग प्रदान करेगी।

उन्होंने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग और विदेश सहयोग विभाग के अधिकारियों को दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ मिलकर इस दिशा में रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विदेश सहयोग विभाग द्वारा पहले से युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसर मुहैया करवाने और औद्योगिक इकाइयों को विदेशों में उत्पाद निर्यात करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का ध्येय यही है कि अधिक से अधिक युवा उद्यमी बनें ताकि वे नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बन सकें। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा कौशल प्रशिक्षण की विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। साथ ही, स्टैंडअप इंडिया और मुद्रा योजना जैसी फ्लैगशिप योजनाओं के माध्यम से युवाओं को नये उद्यम शुरू करने के लिए आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है।

हरियाणा सरकार ने भी प्रदेश में विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय स्थापित किया है, जिसमें युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें रोजगार योग्य बनाया जा रहा है। बैठक में दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के फाउंडर चेयरमैन पद्मश्री डॉ मिलिंद कांबले ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि डिक्की एक भारतीय संघ है जो दलित व्यावसायिक उद्यमों को बढ़ावा देता है। डिक्की बाबा साहेब के आर्थिक विचारों की संकल्पना का हिस्सा है। डिक्की केंद्र व राज्य सरकारों के साथ मिलकर एससी-एसटी उद्यमियों को आगे बढ़ने में मदद करता है।

बैठक में सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव जी अनुपमा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरूण कुमार गुप्ता, उच्चतर शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव डी सुरेश, मुख्यमंत्री की अतिरिक्त प्रधान सचिव आशिमा बराड़, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक यश पाल, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार भारत भूषण भारती और विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार श्री पवन चौधरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा पर राजनीति करने वालों पर बरसी हरियाणा की मंत्री सीमा त्रिखा, कहा- ये गलत है

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने शिक्षा पर राजनीति करने को लेकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी शिक्षा पर राजनीति कर रही है, लेकिन पहले उसे यह जवाब देना होगा कि उसने अपने कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में क्या किया। कांग्रेस पार्टी को पहले यह बताना चाहिए कि आखिर यह लाखों फर्जी विद्यार्थी कहां से आ गए। मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस के पास मेरे सवाल का जवाब नहीं है और रही बात बीजेपी की, तो कांग्रेस के लोग इस बात को कान खोलकर सुन लें कि हमारी सरकार शिक्षा प्रणाली को सुदृढ करने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। हम शिक्षा प्रणाली को दुरुस्त कर रहे हैं, ताकि हमारे समाज का कोई भी व्यक्ति शिक्षा से वंचित ना रह जाए। ये बातें शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने बुधवार को रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में जिला स्तरीय विद्यालय प्रबंधन समिति प्रशिक्षण एवं सम्मेलन कार्यक्रम में कही। शिक्षा मंत्री ने कहा, राजनीति के लिए हमारे पास कई विषय हैं, लेकिन वर्तमान में जिस तरह से कुछ लोग शिक्षा पर राजनीति कर रहे हैं, वो किसी भी सूरत में उचित नहीं है। शिक्षा गंगा के समान है, जो निरंतर बहती है और इस पर राजनीति उचित नहीं है। रही बात कांग्रेस की, तो मैं दावे के साथ एक बात कह सकती हूं कि इस पार्टी ने सत्ता में रहते हुए आज तक शिक्षा के क्षेत्र में एक काम भी ढंग से नहीं किया।

जगमालवाली डेरा प्रमुख महाराज बहादुर चंद का निधन

सिरसा। जिले के डेरा जगमालवाली के प्रमुख महाराज बहादुर चंद वकील का सुबह निधन हो गया। वे पिछले एक साल से बीमार थे। उनका दिल्ली के मैक्स अस्पताल में इलाज चल रहा था। आज दोपहर करीब 3.30 बजे उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए जगमाल वाली डेरा में रखा जाएगा। सुबह उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। डेरा प्रमुख के निधन के बाद डेरा में 3 से 4 अगस्त तक होने वाला वार्षिक समागम रद्द कर दिया गया है। ऐसा पहली बार होगा कि जब डेरा में कोई भी वार्षिक समागम नहीं होगा। एक दिन पूर्व डेरा प्रबंधन ने बताया था कि महाराज का स्वास्थ्य स्थिर बना है। इसलिए भक्तों से अनुरोध है कि वे अस्पताल आने के बजाय महाराज के शीघ्र ठीक होने के लिए सिमरन करें और अफवाहों पर ध्यान न दें।

अब पिछड़ा वर्ग-बी को भी स्थानीय निकायों और पंचायतों में आरक्षण देने की तैयारी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर पिछड़ा वर्ग के अधिकार सुरक्षित किए हैं। इसके अलावा, शैक्षणिक संस्थानों, एमबीबीएस सहित केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों में दाखिले में आरक्षण का प्रावधान भी पिछड़ा वर्ग के लिए किया है। इतना ही नहीं, क्रीमीलेयर की सीमा 6 लाख रुपए से बढ़ाकर 8 लाख रुपए की है। हरियाणा में भी हमारी डबल इंजन की सरकार पिछड़ा वर्ग के लोगों को उनके अधिकार दे रही है।

मुख्यमंत्री हरियाणा पिछड़ा आयोग के चेयरमैन न्यायाधीश (सेवानिवृत) दर्शन सिंह द्वारा हरियाणा के शहरी स्थानीय निकायों/नगर पालिकाओं और पंचायती राज संस्थाओं में पिछड़ा वर्ग ब्लॉक-बी के लिए आरक्षण के अनुपात पर अनुपूरक रिपोर्ट देने उपरांत उनसे बातचीत कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस के नेता कहते हैं कि सरकार पिछड़ा वर्ग-बी का हक मार रही है। जबकि सच्चाई यह है कि कांग्रेस ने

कभी पिछड़ा वर्ग आयोग पर गंभीरता से काम नहीं किया। कांग्रेस ने पिछड़ा आयोग पर गठित काका कालेलकर आयोग का विरोध किया था। इतना ही नहीं, स्वर्गीय राजीव गांधी ने तो मंडल आयोग की रिपोर्ट का भी विरोध किया था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछड़े वर्ग के युवाओं के लिए उद्यम स्थापित करने के लिए पहली बार वेंचर कैपिटल फंड बनाने की भी शुरुआत की है। हरियाणा में भी राज्य सरकार द्वारा स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में पिछड़ा वर्ग-ए के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है। पिछड़ा वर्ग-बी के लिए यह अतिरिक्त प्रावधान होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्याम लाल जांगड़ा और सदस्य सचिव विवेक पदम सिंह भी उपस्थित थे।

हरियाणा भाजपा महिला मोर्चा उपाध्यक्ष ने की चलित सेवा कार्यालय की शुरुआत

एजेंसी

झज्जर। लोगों को घर बैठे कई सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए हरियाणा भाजपा महिला मोर्चा उपाध्यक्ष डॉ. नीना सतपाल राठी ने चलित सेवा कार्यालय की शुरुआत की है। इसके तहत दो मोबाइल वैन से लोगों को उनके घर-दहलीज पर अटल सेवा केंद्रों पर मिलने वाली सभी सुविधाएं निशुल्क दी जाएंगी। इस सेवा कार्यालय का शुभारंभ बहादुरगढ़ में दिल्ली-रोहतक रोड स्थित कार्यालय से भाजपा के जिलाध्यक्ष राजपाल शर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट डॉ. नीना सतपाल राठी ने किया। उन्होंने झंडी दिखा दोनों वैनों को रवाना किया। चलायमान वैन सेवा कार्यालय के पहले पहले दिन एक वैन के जरिए गांव कानोन्दा तो दूसरी वैन के जरिये गांव कुलासी में लोगों को यह सुविधा उपलब्ध करवाई। उधर डॉ. नीना सतपाल राठी ने झज्जर की बेटी शूटर मनु भाकर तथा सरबोत सिंह को भी पदक जीतने पर बधाई दी। पत्रकारों से बातचीत में एडवोकेट डॉ. नीना सतपाल राठी ने कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर उन्होंने जो चलित सेवा कार्यालय की शुरुआत की है उसके तहत अटल सेवा केन्द्रों पर जो सर्विसेज लोगों को मिलती हैं, वह उन्हें उनके घर-दहलीज पर ही मिलेंगी। उन्होंने बताया कि पिछले कई दिनों से महिला मोर्चा की ओर से जो महिला सम्मान यात्रा गांवों में चलाई जा रही है, के दौरान काफी महिलाओं ने सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाने को लेकर शिकायत की थी।अब उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने या फिर दूर-दराज जाने की जरूरत नहीं है, बल्कि उनके गांव में उनके घर के आगे ही चलित सेवा कार्यालय वैन की सुविधा दी

जाएगी। इसके जरिये आयुष्मान कार्ड बनाने, आधार कार्ड बनाये जाने, परिवार पहचान पत्र में जो त्रुटियां है उन्हें ठीक किए जाने समेत अन्य कई सर्विसेज मिलेंगी। भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा ने भाजपा सरकार की ओर से चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और लोगों से इनका लाभ उठाने का आह्वान किया। चलित सेवा कार्यालय शुरुआत के दौरान भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सतपाल राठी, वरिष्ठ नेताओं में दिनेश शेखावत, भीम सिंह प्रणामी व नरेश भारद्वाज समेत काफी महिलाएं मौजूद रहीं।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवर पाल ने कहा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवर पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपेक्षा अनुसार मुख्यमंत्री नायब सिंह के कुशल नेतृत्व में हरियाणा सरकार किसानों को बीज से लेकर बाजार तक उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रति व्यक्ति आय में हरियाणा सबसे आगे है। हरियाणा प्रदेश की प्रगति बेमिसाल है। कंवर पाल आज रेवाड़ी जिला के चौधरी चरण सिंह कृषि अनुसंधान केन्द्र बावल में स्थित कृषि महाविद्यालय परिसर में अलखनंदा कन्या छात्रावास, पुस्तकालय व परीक्षा भवन का बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन करने उपरांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री डा.बनवारी लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार निरंतर नवाचार और नई-नई पहलों के माध्यम से किसानों की प्रगति सुनिश्चित कर रही है। सरकार की ओर से खेत-खलिहान सडक़ योजना के तहत गांवों में यातायात व्यवस्था व कनेक्टिविटी सुचारू की गई है कि ताकि किसानों को अपनी उपज को मंडियों तक ले जाने में किसी प्रकार की परेशानी न आए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी किसानों के संघर्ष और उनकी समस्याओं से भली-भांति परिचित हैं इसलिए वे निरंतर किसानों के कल्याण हेतु सरकार की योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि किसान कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सके। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवरपाल ने कहा कि प्रदेश के किसी भी खेत में अब कच्ची सडक़ नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के लिए किसान हित सर्वोपरि हैं।

एएनसी स्टाफ ने लाखों रुपये की हेराईन बरामद

सिरसा। नशा तस्करों के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत सख्त कार्यवाही करते हुए एएनसी स्टाफ ने प्रेम नगर डबवाली से एक युवक को 260 ग्राम हेरोइन चिट्टा मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है । आरोपी की पहचान खुशदीप उर्फ दीप पुत्र जसपाल वासी गांव शेरगढ़ के रूप में हुई है । इस मामले के बारे में प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि वह स्वयं अपनी पुलिस पार्टी के साथ नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिये शहर डबवाली से गांव अलीकां रोड पर गस्त कर रहे थे जैसे ही पुराना शराब ठेका के पास पहुंचे तो वहा से एक कच्चा रास्ता बाई तरफ प्रेमनगर में जाता है शराब ठेका के पास से कच्चा रास्ता से गश्त करते हुए जा रहे थे कि एक मोटरसाइकिल चालक सामने से आ रहा था जो पुलिस की गाड़ी को देखकर वापस मुड़कर भगाने लगा तो उसका मोटरसाईकिल कुछ ही दूरी पर जाकर बन्द हो गया।

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने बिजली निगम पर लगाया 15,500 रुपये का जुर्माना

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के कुरूक्षेत्र कार्यालय पर 15,500 रूपये का जुर्माना लगाया है। आयोग ने यह जुर्माना उपभोक्ता को गलत बिल जारी करने व किसी भी गलती के बिना परेशान करने और कार्य निर्धारित समय सीमा में न देने के कारण लगाया गया। निगम के प्रवक्ता ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि उपभोक्ता सुल्तान सिंह ने 21 जनवरी 2024 को गलत बिल से सम्बंधित शिकायत उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम कुरुक्षेत्र में स्थित कार्यालय में दी थी। उसने बताया कि वे समय पर अपने बिल का भुगतान करते रहे हैं। लेकिन 1 नवम्बर 2022 से 20 जुलाई 2023 तक का बिल अगस्त 2023 में 1,11,008.99 रुपये का बिल मिला। उन्होंने इस बिल से सम्बधित शिकायत एसडीओ कार्यालय कुरूक्षेत्र में दर्ज करवाई, लेकिन कार्यालय के कई चक्कर लगाने के बाद भी उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद मामले की शिकायत आयोग को की गई। आयोग के मुख्य आयुक्त ने सुनवाई की थी। सुनवाई के बाद जांच में पाया गया कि यह एक और ऐसा मामला है, जिसमें यूएचबीवीएन द्वारा खुद को डिस्कॉम की एकीकृत रेटिंग में 'ए' प्लस श्रेणी की बिजली उपयोगिता होने का दावा करते हुए उपभोक्ता को परेशान किया गया है। निगम द्वारा उपभोक्ताओं को उनकी ओर से किसी भी गलती के बिना परेशान किया जा रहा है। यदि वे समय-समय पर इसकी निगरानी करते हैं, तो वे सुधारात्मक कार्रवाई कर सकते हैं। आयोग ने कहा कि उम्मीद है कि ऐसे मामलों में यूएचबीवीएन के एमडी वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम गठित करेंगे, जो न केवल उन बिलों की निगरानी करेगी, जहां मीटर ठीक हैं, बल्कि बिलों में आर-1 या एफ कोड है और औसत आधार पर लंबे समय तक गलत बिलिंग को खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाएंगे।

खरखौदा अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी: डिप्टी सीएमओ

एजेंसी

सोनीपत। खरखौदा अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर सत्यपाल का पदभार डिप्टी सीएमओ डॉ. स्वराज ने टेकओवर करने के बाद कहा कि अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

उन्होंने वीडियो मैन अपने साथ रखें और जितने भी स्वास्थ्य कर्मियों से बातचीत की उन सभी की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। ताकि कोई चिकित्सक व कर्मचारी अपने बयानों से न मुकर सके। उन्होंने बारी बारी से स्वास्थ्यकर्मियों जिनमें स्टाफ नर्स, डॉक्टर, फार्मासिस्ट सहित कई कर्मियों से उनकी समस्याएं जानी।

उन्होंने कहा कि जो गाली ग्लोच की शिकायत महिला स्वास्थ्य कर्मियों ने उन्हें दी है। उसके पास कोई सबूत नहीं है। उन्होंने फार्मासिस्ट से दवाई निकलवाई गई है और इन्हें वितरित करने के लिए सोनीपत से फार्मेसी के

स्टूडेंट बुलाए जाएंगे। ताकि ओपीडी के साथ-साथ मरीजों को दवाई भी मिल सके। सोनीपत की डिप्टी सीएमओ डॉ स्वराज ने बताया कि खरखौदा के अस्पताल में ओपीडी तो लगातार चल रही थी लेकिन दवाई नहीं मिल रही थी। दवा भी वितरित कराई जाएगी । फार्मेसी के स्टूडेंट को दवा वितरण के लिए लगाया जाएगा। डॉक्टर व स्टाफ को ड्रेस में आना होगा। डॉक्टर को एप्रेन व स्टेथोस्कोप के साथ रहना होगा। वे अपनी हर मूवमेंट व स्टाफ के साथ बातचीत की वीडियो भी बनवा रही हैं।

नगर निगम वसूलेगा 25 करोड़ प्रॉपर्टी टैक्स, लक्ष्य निर्धारित

एजेंसी

हिसार। नगर निगम ने इस बार निगम क्षेत्र की जनता से 25 करोड़ प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने का निर्णय लिया है। इसके लिए निगम ने लक्ष्य निर्धारित करते हुए सब कमेटी का गठन भी कर दिया है। अब 25 करोड़ के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सब कमेटी कार्य करेगी। इस संबंध में निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने शहर में प्रॉपर्टी टैक्स बारे विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में 25 करोड़ रूपये का लक्ष्य निर्धारित किया हैं जबकि 31 जुलाई तक केवल 3.38 करोड़ रूपये प्रॉपर्टी टैक्स जमा हुआ हैं। निगमायुक्त ने दोनों सचिवों को 20-20 प्रॉपर्टी चयनित करके उन्हें नोटिस देने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि नोटिस के बाद प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की जाएंगी। दोनों सचिवों को 50-50 लाख रूपये के

प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने के लक्ष्य भी दिया गया। प्रॉपर्टी टैक्स की रिकवरी के लिए निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने उप निगम आयुक्त वीरेन्द्र सहारण की अगुवाई में सब कमेटी बनाने के लिए आदेश दिए। यह कमेटी शहर में प्रॉपर्टी टैक्स की रिकवरी के निर्धारित लक्ष्य 25 करोड़ रूपये की प्राप्ति के लिए कार्य करेगी।

- निगम के दो सचिवों को दिया 50-50 लाख का टारगेट
- सब कमेटी की अगुवाई में पूरा किया जाएगा 25 करोड़ का लक्ष्य

पेडिंग फाइलों को लेकर सख्त रूख अपनाते निगमायुक्त ने कहा कि जनता को परेशान किया तो सख्त कार्रवाई के लिए तैयार रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी लेवल पर फाइलें तय समय सीमा के बाहर नहीं जानी चाहिए उनका निपटान तय समय सीमा में किया जाएं। इस दौरान अतिरिक्त निगमायुक्त प्रदीप हुड्डा, उप निगम आयुक्त वीरेन्द्र सहारण, सीनियर अकाउंट ऑफिसर अशोक नेहरा, एई सुमित कुमार, सचिव संजय शर्मा, सचिव दीपक, एक्सपर्ट राजकुमार श्योकंद, एक्सपर्ट अनिल मेहता, मेकर रामेश्वरदास, जेई कुशल व प्रॉपर्टी शाखा के कूंलक मौजूद रहे।

पुलिस ने मां से बिछड़े बेटे को मिलाया

सोनीपत। सोनीपत पुलिस ने उत्तराखण्ड से भटक कर मुरथल पहुंचे नाबालिग बच्चे के परिजनों को ढूंढ़कर बच्चे को उनसे मिलवाया, परिजनों ने किया सोनीपत पुलिस काधन्यवाद किया है। जिला सोनीपत के थाना मुरथल के प्रबन्धक निरीक्षक देवेन्द्र कुमार ने बताया कि मुरथल थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बच्चा जो रास्ता भटक कर रूडकी उत्तराखंड से मुरथल पहुंच गया था। उससे उसके घर परिवार की जानकारी लेकर सम्बन्धित थाना व उसके परिवार से सम्पर्क किया गया 13 वर्षीय बच्चे के पिता अकरम पुत्र शेर मोहमद निवासी कलियार बेदपुर जिला रूडकी उत्तराखंड से सम्पर्क करके बच्चे को उसके परिवारजनों को सही सलामत सौंप दिया गया। उन्होंने पुलिस आयुक्त सोनीपत सतेन्द्र गुप्ता के मार्गदर्शन में हुए इस मानवीय कार्य के लिए आभार व्यक्त किया है।

मिनिमम बैलेंस के नाम पर आम जनता का खाता साफ कर रही है सरकार : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव, उत्तराखंड की प्रभारी, सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि बैंक खाते में बैलेंस न होने पर सरकारी बैंकों ने खाताधारकों के खाते से 8500 करोड़ रुपये की राशि वसूल की है, ये आम जनता पर सरकार का सबसे बड़ा अत्याचार है। बैंकों ने इसे नया धंधा बना लिया है, क्या बैंक सरकार का चेहरा चमकाने के लिए ही इस प्रकार चंदा वसूल कर रहे है। सरकार एक ओर उद्योगपति कर्जदारों के करोडो के कर्जे माफ कर रही है तो दूसरी ओर आम जनता का मिनिमम बैलेंस के नाम पर अकाउंट साफ कर रही है। सरकार किसी न किसी माध्यम से खुशहाल जिंदगी जीने के लोगों के सपनों को हर रोज चकनाचूर कर रही है। भविष्य को लेकर जो भी रकम खाते में जमा करता है उसे सरकार जबरन छीन रही है। सरकार के इस अत्याचार का जवाब देश की जनता जरूर देकर रहेगी और इसका प्रमाण सरकार को विधानसभा चुनाव में देखने को मिल जाएगा। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार किसी न किसी बहाने से आम जनता की जेब काटने में लगी हुई है, मंहगाई लोगों की खुशी और खुशहाल जिंदगी को चट कर चुकी है, बेरोजगार की ग्रहण युवाओं को सता रहा है। अब सामने आया है कि बैंक खाताधारकों पर कैंची चला रहे है, बैंक खाते में बैलेंस न होने पर सरकारी बैंकों ने खाताधारकों के खाते से 8500 करोड़ रुपये की पेनेल्टी लगाई है, बैंकों द्वारा पेनेल्टी के रूप में वसूल की जाने वाली राशि में 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह खुलासा केंद्र के वित्त मंत्री ने एक लिखित प्रश्न के उत्तर में लोकसभा में दिया है। उन्होंने कहा कि अगर खाते में मिनीमम राशि नहीं है तो इस बारे में बैंक को खाताधारक को सूचित करना चाहिए, ग्राहक को एक माह का समय देने का प्रावधान है। उन्होंने कहा है कि बचत खाता केवल न्यूनतम शेष राशि न बनाए रखने पर पेनेल्टी लगाने से नेगेटिव बैलेंस में न बदला जाए।

एटीएफ 3,007 रुपये प्रति किलोलीटर हुआ महंगा, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस के बाद विमान ईंधन एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में करीब 3,007 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। नई दरें गुरुवार से लागू हो गई है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, देश की राजधानी नई दिल्ली में एटीएफ का भाव 3,006.71 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़कर 97,975.72 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। मुंबई में एटीएफ 91,650.34 रुपये प्रति किलोलीटर में मिलेगा। चेन्नई में इसकी कीमत 1,01,632.08 रुपये प्रति किलोलीटर और कोलकाता में 1,00,520.88 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। उल?लेखनीय है कि त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले विमान ईंधन एटीएफ की कीमत में बढ़ोतरी से हवाई सफर महंगा होने की आशंका बढ़ गई है। दरअसल एटीएफ की दरों में बदलाव का सीधा असर विमान के किराये पर दिखता है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 8.50 रुपये तक महंगा, नई दरें लागू

नई दिल्ली। बजट पेश होने के बाद लोगों को महंगाई पहला झटका लगा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस की कीमत में 8.50 रुपये प्रति सिलेंडर तक की बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक देश की राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल गैस की कीमत अब 6.50 रुपये बढ़कर 1652.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गया हैं, जो पहले 1646 रुपये में मिल रहा था। कोलकाता में यह 8.50 रुपये बढ़कर 1764.50 रुपये में मिल रहा है, जो पहले 1756 रुपये में मिल रहा था। वहीं, मुंबई में इसकी कीमत 7 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़कर 1605 रुपये हो गई है। यह पहले 1598 रुपये में बिक रहा था। इसी तरह चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर 1817 रुपये का मिल रहा है।

एनएसडीसी ने ब्रिटानिया के साथ साझेदारी में लॉन्च किया महिला उद्यमिता प्रोग्राम

नई दिल्ली। महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के प्रयास में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी)ने महिला उद्यमिता प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को ज़रूरी कौशल, ज्ञान एवं नेटवर्किंग के अवसर प्रदान कर उनके समक्ष उद्यमिता में आने वाली चुनौतियों को हल करना है। प्रोग्राम का लॉन्च कॉम्प्लीमेंटरी सेल्फ-लर्निंग बेसिक एंटरेप्रेन्योरशिप कोर्सेज़ के साथ हुआ, जो स्किल इंडिया डिजिटल हब पर कई भाषाओं में उपलब्ध हैं। इनको पूरा करने के बाद प्रतिभागियों को उनके उद्यमिता कौशल एवं दक्षता के लिए एनएसडीसी, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज़ और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एंटरेप्रेन्योरशिप एण्ड स्मॉल बिज़नेस डेवलपमेन्ट की ओर से को-ब्राण्डेड सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य देश भर की लगभग 25 लाख महिलाओं को सशक्त बनाना तथा उन्हें सफल कारोबार शुरू एवं संचालित करने के लिए ज़रूरी कौशल, जानकारी एवं संसाधन उपलब्ध कराना है।

कोटक महिंद्रा बैंक और गोकी ने लॉन्च की स्मार्टवॉच

नयी दिल्ली। कोटक महिंद्रा बैंक ने टेक फर्म गोकी के साथ साझेदारी में एक स्मार्टवॉच लॉन्च की, जो ग्राहकों को संपर्क रहित भुगतान करने में सक्षम बनाएगी। इसकी कीमत 3,499 रुपये है।बैंक और टेक फर्म ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि रूपे ऑन-द-गो द्वारा संचालित स्मार्टवॉच बिना किसी पिन की आवश्यकता के 5,000 रुपये तक के सहज लेनदेन को सक्षम बनाती है।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी का रुख नजर आया। आज की तेजी के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 70,050 रुपये से लेकर 69,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 64,210 रुपये से लेकर 64,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत में भी 2,200 रुपये की उछाल आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी ने 86,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार किया।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 69,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 64,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 69,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 70,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 64,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 69,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 64,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 69,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 69,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 64,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 69,880 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 64,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 69,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 69,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 64,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

दो हजार के 97.92 फीसदी नोट बैंकों में आए वापस : आरबीआई

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा कि दो हजार रुपये मूल्य के 97.92 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। चलन से हटाए गए सिर्फ 7,409 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब लोगों के पास हैं। हालांकि, ये नोट अब भी लीगल टेंडर हैं।

रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि 31 जुलाई 2024 तक दो हजार रुपये मूल्य के नोट घटकर 7,409 करोड़ रुपये रह गए हैं। इस प्रकार 97.92 फीसदी नोट बैंकों के पास लौट कर आ गए हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को दो हजार रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी।

दो हजार रुपये मूल्य के नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा 7 अक्टूबर, 2023 तक देश की सभी बैंकों की शाखाओं में उपलब्ध थी लेकिन चलन से वापस लिए गए दो हजार के बैंक नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में अब भी उपलब्ध है।

आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय 9 अक्टूबर, 2023 से लोगों और इकाइयों से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए दो हजार के बैंक नोट को स्वीकार किया जा रहा है। इसके अलावा देशभर में भारतीय डाक के जरिए दो हजार रुपये मूल्य के नोट आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में लोग भेज रहे हैं, जो उनके बैंक खाते में जमा हो जाता है।

दो हजार के बैंक नोटों को जमा/विनिमय करने वाले 19 आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालयों में अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम हैं। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2016 में एक हजार रुपये और 500 रुपये के बैंक नोट को चलन से हटाने के बाद दो हजार रुपये के बैंक नोट जारी किए गए थे।

जीएसटी संग्रह जुलाई में 10.3 फीसदी उछलकर 1.82 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। जुलाई महीने में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह 10.3 फीसदी उछलकर 1.82 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1.65 लाख करोड़ रुपये रहा था।

जीएसटी महानिदेशालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि जुलाई में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 10.3 फीसदी उछलकर 1,82,075 करोड़ रुपये रहा है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई महीने में कुल रिफंड 16,283 करोड़ रुपये रहा। जुलाई में इस रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 14.4 फीसदी बढ़कर 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई महीने में 1,82,075 करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व संग्रह में सीजीएसटी 32386 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 40289 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 96447 करोड़ रुपये है, जिसमें आयात पर कलेक्शन करीब 47 हजार करोड़ रुपये शामिल है। वहीं, जुलाई महीने में घरेलू गतिविधियों से सकल कर राजस्व 8.9 फीसदी बढ़कर 1.34 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं आयात से प्राप्त जीएसटी राजस्व 14.2 फीसदी बढ़कर 48,039 करोड़ रुपये रहा है।

वत्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि जीएसटी संग्रह और अन्य प्रासंगिक डेटा को जीएसटी पोर्टल पर लगातार एक्सेस किया जा सकता है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह से संबंधित डेटा को जीएसटी पोर्टल https://www.gst.gov.in पर 'समाचार और अपडेट' अनुभाग के तहत रखा जाएगा। डेटा को भी उक्त वेबसाइट के 'डाउनलोड' अनुभाग में 'जीएसटी सांख्यिकी' के तहत 2017 से नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष अप्रैल महीने में जीएसटी राजस्व संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा था कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी खजाने में जीएसटी कलेक्शन के रूप में 11 फीसदी के ग्रोथ की उम्मीद है।

प्रह्लाद जोशी ने पीएमएस मोबाइल एप के 4.0 संस्करण को किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रह्लाद वेंकटेश जोशी ने मूल्य निगरानी प्रणाली (पीएमएस) मोबाइल एप के 4.0 संस्करण को लॉन्च किया। इस एप के जरिए अब कुल 38 वस्तुओं के मूल्य की निगरानी की जाएगी।

प्रह्लाद जोशी ने यहां मूल्य निगरानी प्रणाली मोबाइल एप के 4.0 संस्करण को लॉन्च करते हुए कहा कि भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक अगस्त, 2024 से मूल्य निगरानी के तहत 16 अतिरिक्त वस्तुओं को शामिल किया है। जोशी ने बताया कि पहले दैनिक मूल्यों की निगरानी के तहत 22 वस्तुओं को इसमें शामिल किया गया था, जो बढ़कर अब 38 हो जाएंगी। उपभोक्ता मामलों का विभाग 34 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 550 केंद्रों से दैनिक कीमतों की निगरानी कर रहा है। इस एप के जरिए जोड़ी गई नए 16 वस्तुओं में बाजरा, ज्वार, रागी, सूजी (गेहूं), मैदा (गेहूं), बेसन, घी, मक्खन, बैंगन, अंडा, काली मिर्च, धनिया, जीरा, लाल मिर्च, हल्दी पाउडर और केला को शामिल है। गौरतलब है कि विभाग द्वारा निगरानी किए गए मूल्य डेटा सरकार, आरबीआई और विश्लेषकों को सीपीआई मुद्रास्फीति के बारे में नीतिगत निर्णय के लिए अग्रिम इनपुट प्रदान करते हैं। इन 38 वस्तुओं का कुल सीपीआई भार में लगभग 31 फीसदी हिस्सा है, जबकि 22 वस्तुओं का सीपीआई भार 26.5 फीसदी है।

विंडफॉल टैक्स घटकर हुआ 4,600 रुपये प्रति टन, नई दरें लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दाम में गिरावट के बीच घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में 34.2 फीसदी की कटौती की है। सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 7 हजार रुपये प्रति टन से घटाकर 4,600 रुपये प्रति टन कर दिया है। नई दरें गुरुवार से लागू हो गई हैं। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को 7 हजार रुपये प्रति टन से घटाकर अब 4,600 रुपये प्रति टन कर दिया गया है। हालांकि, पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले दर को शून्य पर बरकरार रखा गया है। इससे पहले पिछले महीने 16 जुलाई में घरेलू कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 6 हजार रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 7 हजार रुपये प्रति टन कर दिया गया था। वहीं, सरकार ने डीजल, पेट्रोल और विमानन ईंधन एटीएफ पर लगने

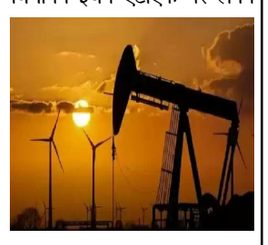

वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को शून्य पर बरकरार रखा है। उल्लेखनीय है कि हर पखवाड़े विंडफॉल टैक्स की समीक्षा की जाती है। भारत सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर पहली बार जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स लगाया गया था।

सीगल इंडिया का आईपीओ खुला, 5 अगस्त तक निवेश कर सकेंगे निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। सीगल इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खुल गया है। निवेशक इस आईपीओ के लिए 5 अगस्त 2024 तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इस आईपीओ के जरिए 1252.66 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है।

ढांचागत क्षेत्र की सीगल इंडिया लिमिटेड ने अपने आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 380-401 रुपये प्रति शेयर तय किया है। सीगल इंडिया का आईपीओ बोली लगाने के पहले दिन 12:40 बजे

तक 0.24 गुना बुक हो चुका है। इस आईपीओ का खुदरा हिस्सा अब तक 0.40 गुना भर चुका है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशन इंवेस्टरर्स का हिस्सा 0.34 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। कंपनी का बुक बिल्ड इश्यू बॉम्बे स्टॉक एक्स्चेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट किया जाएगा। निवेशक एक के हिसाब से आईपीओ के लिए अप्लाई कर सकते हैं, कंपनी के इश्यू लॉट में 37 शेयर शामिल हैं। कंपनी इस निर्गम से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल उपकरणों की खरीद और कर्ज भुगतान के अलावा सामान्य कंपनी जरूरतों के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि लुधियाना बेस्ड सीगल इंडिया लिमिटेड एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है, जिसने एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर, पुल, रेलवे ओवरब्रिज, टनल, हाइवे, मेट्रो, एक्सप्रेस-वे और रनवे जैसे स्पेशलाइज्ड स्ट्रक्चरल वर्क अनुभव के साथ-साथ देश के दस राज्यों में 34 से ज्यादा प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। कंपनी के मुताबिक जून, 2024 तक उसे 9,470 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला हुआ था।

सरकार अब 50 रुपये प्रति किलो के भाव से बेचेगी टमाटर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में लोगों को राहत देने के लिए आज से 50 रुपये प्रति किलोग्राम के दाम पर टमाटर बेचेगी। सरकार अभी भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोकता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) के जरिए 60 रुपये किलोग्राम के भाव पर उपभोक्ताओं को टमाटर बेच रही है। हालांकि, खुदरा बाजार में यह 60 रुपये प्रति किलोग्राम के दर पर बिक रहा है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि 'हम दो अगस्त, शुक्रवार से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और मुंबई में 50 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर टमाटर बेचना शुरू करेंगे। फिलहाल

एनसीसीएफ मोबाइल वैन के जरिए दिल्ली-एनसीआर के 16 और मुंबई में चार जगहों पर 60 रुपये प्रति किलो टमाटर बेच रहा है। उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 31 जुलाई को टमाटर की अखिल भारतीय औसत कीमत 61.74 रुपये प्रति किलोग्राम थी। इससे एक दिन पहले दिल्ली में टमाटर की औसत कीमत 70 रुपये प्रति किलोग्राम थी। दरअसल पिछले महीने टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई थी। इसकी वजह कई उत्पादक राज्यों में गर्मी और अनियमित बारिश के कारण टमाटर की आपूर्ति प्रभावित हुई थी।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 60 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर टमाटर की बिक्री इसी हफ्ते शुरू की थी। इसके बाद मुंबई में भी एनसीसीएफ ने टमाटर की बिक्री शुरू की है।

फिसला शेयर बाजार, बाजार की तेजी के बावजूद निवेशकों को 74 हजार करोड़ का घाटा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाने के बाद मुनाफा वसूली का शिकार हो गया। आज के कारोबार में सेंसेक्स पहली बार 82 हजार अंक और निफ्टी 25 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहे। आज के कारोबार की शुरुआत ऑल टाइम हाई ओपनिंग के नए रिकॉर्ड के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में ही शेयर बाजार और ऊपर चढ़ कर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गया। लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से शेयर बाजार में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, पावर, ऑयल एंड गैस, एनर्जी और यूटिलिटी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर कैपिटल गुड्स, आईटी, मीडिया, पीएसयू बैंक, ऑटोमोबाइल, रियल्टी, टेलीकॉम और कंज्यूमर ड्युरेबल्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स में तेजी आने के बावजूद आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई जोरदार बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 74 हजार करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 461.64

लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 462.38 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 74 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,048 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,577 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,383 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 88 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,372 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 784 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,588 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 28 शेयर हरे निशान में और 22 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 208.34 अंक की तेजी के साथ 81,949.68 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 388.15 अंक की मजबूती के साथ 82 हजार अंक के स्तर को पार करते हुए अभी तक के सर्वोच्च स्तर 82,129.49 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक 41.13 अंक की कमजोरी के साथ लाल निशान में 81,700.21 अंक तक गिर गया। लेकिन आखिरी 1 घंटे के कारोबार में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली शुरू करके इस सूचकांक को दोबारा हरे निशान में वापस पहुंचा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 126.21 अंक की बढ़त के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 81,867.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी आज पहली बार 25 हजार अंक के स्तर को पार करने का रिकॉर्ड बनाते हुए 25,030.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही ये सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से 127.15 अंक की बढ़त के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 25,078.30 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 120 अंक से ज्यादा टूट कर 24,956.40 अंक तक गिर गया। हालांकि, इसके बाद एक बार फिर खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में कुछ तेजी आ गई। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 59.75 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,010.90 के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 3.50 प्रतिशत, कोल इंडिया 3.49 प्रतिशत, ओएनजीसी 2.26 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज 2.04 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 1.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

अमारा राजा का एथर एनर्जी से करार, ईवी के लिए बनाएगी उन्नत रसायन वाली बैटरी

एजेंसी

हैदराबाद। बैटरी निर्माता अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी (एआरईएम) ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अमारा राजा एडवांस्ड सेल टेक्नोलॉजीज (एआरएसीटी) ने एथर को आपूर्ति के लिए तेलंगाना के दिविपिपल्ली में अपने आगामी गीगाफैक्ट्री में विभिन्न प्रकार के दोपहिया ईवी बैटरी पैक विकसित करने के लिए ईवी निर्माता एथर एनर्जी के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है । समझौता ज्ञापन (एमओयू) के हिस्से के रूप में, एआरएक्ट अपनी आगामी सुविधा में एनएमसी (निकल मैंगनीज कोबाल्ट), एलएफपी (लिथियम आयरन फॉस्फेट), ली-आयन (लिथियम-आयन) और अन्य उन्नत रसायन कोशिकाओं को विकसित करने और आपूर्ति करने के लिए एथर के साथ सहयोग करेगा। अमारा राजा ने हाल ही में भारतीय परिस्थितियों के लिए विशेष रूप से अनुकूल लिथियम-आयन कोशिकाओं को बनाने के लिए वर्तमान वैश्विक एलएफपी प्रौद्योगिकी के स्थानीयकरण की सुविधा के लिए गोटियन-इनोबैट-बैटरी (जीआईबी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। एनएमसी प्रौद्योगिकी के लिए इसका जियांग्सू हाईस्टार बैटरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी समझौता है। सहयोग पर टिप्पणी करते हुए, एथर एनर्जी के सह-संस्थापक और सीईओ तरुण मेहता ने कहा कि घरेलू सेल तकनीक को बढ़ावा देने से कंपनी को लागत को अनुकूलित करने और अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप लिथियम-आयन सेल प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिससे कंपनी की नवाचार करने और कुशलतापूर्वक स्केल करने की क्षमता बढ़ेगी। कार्यकारी निदेशक विक्रमादित्य गौरीनेनी ने कहा कि दोनों कंपनियां बाजार के लिए प्रासंगिक समाधान बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगी क्योंकि भारत ईवी तकनीकों के स्वदेशीकरण की ओर बढ़ रहा है। 2030 तक दोपहिया वाहनों के लिए भारतीय ईवी प्रवेश 40फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है, अमारा राजा और एथर दोनों ने इस बढ़ते बाजार का लाभ उठाने के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएँ तैयार की हैं। जबकि एथर एनर्जी के पास तमिलनाडु के होसुर में पहले से ही दो विनिर्माण सुविधाएँ हैं, जिनमें से एक बैटरी उत्पादन और दूसरी वाहन असेंबली के लिए समर्पित है, इसने हाल ही में महाराष्ट्र में एक और संयंत्र स्थापित करने की भी घोषणा की है।

30 के बाद महिलाएं जरूर खाएं Calcium-Rich Foods, हड्डियों का दर्द रहेगा कोसों दूर

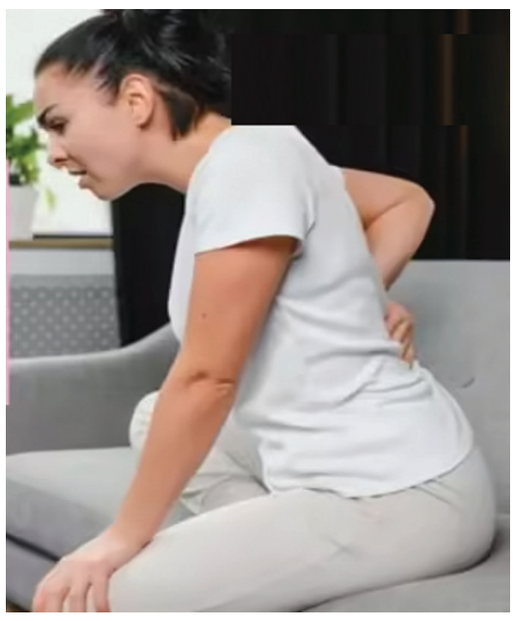

30 साल की उम्र के बाद महिलाओं में हड्डियां कमजोर होने की समस्या होने लगती है। बोन डेंसिटी कम होने के कारण हड्डियों में दर्द भी होने लगता है। इसलिए अगर आपकी उम्र 30 या उससे ज्यादा हो गई है तो अपनी डाइट में Calcium-Rich खाद्यपदार्थों को जरूर शामिल करें। इन्हें खाने से हड्डियां मजबूत बनेंगी और ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी कम होता है।

अगर आप भी 30 की उम्र पार कर चुकी हैं और कमर में दर्द या पैरों में दर्द की समस्या शुरू हो गई है। तो आप अकेली नहीं हैं। महिलाओं में 30 साल की उम्र के बाद, हड्डियों की डेंसिटी कम होने लगती है। इसके कारण कमर में दर्द, भारी सामान उठाने में तकलीफ जैसी कई परेशानियां होनी शुरू हो जाती हैं, जिनसे रोजमर्रा के जीवन पर भी असर पड़ता है। ऐसा शरीर में कैल्शियम की कमी के कारण होता है। इसलिए अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए, जो इस कमी को दूर करने में मदद कर सकें। आइए जानें कैल्शियम से भरपूर कुछ फूड्स के बारे में।

ब्रोकली

ब्रोकली कैल्शियम का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इसलिए इसे अपनी डाइट में शामिल करने से हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। साथ ही, इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन-के और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए जरूरी होते हैं। इसलिए ब्रोकली को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं।

बादाम

रोजाना थोड़े-से बादाम खाने से भी शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने में मदद मिल सकती है। इसमें प्रोटीन भी होता है, जो हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है। हालांकि, इसमें काफी अच्छी मात्रा में कैलोरी भी मौजूद होती है, इसिलए इसे बिल्कुल सीमित मात्रा में ही खाएं।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज कैल्शियम का अच्छा स्त्रोत माने जाते हैं। इसलिए रोजाना सलाद या स्मूदी में सूरजमुखी के बीजों को शामिल करना काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें मैग्नीशियम, विटामिन-ई और कॉपर पाया जाता है, जो स्वस्थ रहने के लिए जरूरी होते हैं।

शकरकंद

शकरकंद कैल्शियम से भरपूर होने के साथ-साथ फॉस्फोरस का भी बेहतरीन स्त्रोत होते हैं, जो बोन हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इतना ही नहीं, इसमें कैलोरी भी काफी कम मात्रा में होती है, जिस वजह से इसे खाने से वजन नहीं बढ़ता।

अंजीर

अंजीर में भी भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो बोन हेल्थ के लिए इसे फायदेमंद बनाता है। इतना ही नहीं, इसमें फाइबर भी पाया जाता है, जो पाचन के लिए भी फायदेमंद होता है।

अंजीर

अंजीर में भी भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो बोन हेल्थ के लिए इसे फायदेमंद बनाता है। इतना ही नहीं, इसमें फाइबर भी पाया जाता है, जो पाचन के लिए भी फायदेमंद होता है।

क्या सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस का सदस्य बनने की इजाजत मिलनी चाहिए

शासकीय कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध पिछले 50 से भी अधिक सालों से लगा हुआ है। इस बीच जनता पार्टी और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारें भी सत्ता में रहीं मगर यह प्रतिबंध नहीं हटाया गया। श्री मोदी पिछले 10 साल से सत्ता में हैं। उन्होंने यह निर्णय अब क्यों लिया? क्या इसलिए क्योंकि आरएसएस मुखिया मोहन भागवत ने परोक्ष रूप से सर्वोच्च नेता पर हमला किया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है. आरएसएस का उद्देश्य है हिंदू राष्ट्र की स्थापना. उसका दावा है कि वह एक सांस्कृतिक संस्था है। हमारे देश के संविधान का आधार है भारतीय राष्ट्रवाद मगर आरएसएस हिंदू राष्ट्रवाद की बात करता है और हिंदुओं को एक अलग राष्ट्र मानता है। समय-समय पर भाजपा के शीर्ष नेता यह मांग करते रहे हैं कि भारतीय संविधान को सिरे से बदल कर, भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए। यही बात आरएसएस के तत्कालीन सरसंघचालक के. सुदर्शन ने सन् 2000 में अपना पद संभालने के तुरंत बाद कही थी। सन् 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि अब भाजपा पहले से अधिक काबिल बन गई है और अब उसे चुनाव जीतने के लिए आरएसएस की मदद की जरूरत नहीं है।

भाजपा एक राजनैतिक दल है और उसके गठन में आरएसएस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इससे साफ़ है कि संघ के राजनीति और भाजपा से नजदीकी रिश्ते हैं। हिंदू महासभा के श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने आरएसएस के साथ मिलकर भाजपा के पूर्व अवतार जनसंघ का गठन किया था। उस समय आरएसएस के मुखिया एम.एस. गोलवलकर (गुरूजी) थे। वे आरएसएस के प्रमुख चिंतकों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने कई मौकों पर जनसंघ और भाजपा में काम कर रहे संघ के स्वयंसेवकों और प्रचारकों की भूमिका की चर्चा की है।

गोलवलकर लिखते हैं, %उदाहरण के लिए हमारे कुछ मित्रों से कहा गया कि जाईये, राजनीति में काम कीजिये। इसका कारण यह नहीं है कि वे राजनीति में बहुत रूचि रखते हैं या राजनीति से प्रभावित हैं। वे राजनीति के बिना उस तरह नहीं तड़पेंगे जैसे पानी के बिना मछली तड़पती है। अगर उनसे राजनीति छोड़ देने के लिए कहा जाएगा तो भी उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। उनके अपने विचार का कोई महत्व नहीं है गोलवलकर, एमएस, श्रीगुरूजी समग्र दर्शन (हिंदी में गोलवलकर का संपूर्ण वांग्मय), भारतीय विचार साधना, नागपुर, खंड 3 पृष्ठ 318. इससे यह साफ है कि भाजपा और जनसंघ से यह अपेक्षा की जाती थी और है कि वे आरएसएस के निर्देशों का पालन करें।

एक अन्य स्थान पर गुरूजी कहते हैं, हम यह भी जानते हैं कि हमारे कुछ स्वयंसेवक राजनीति के क्षेत्र में काम करते हैं। उन्हें उसके अनुरूप काम करना पड़ता है। उन्हें सार्वजनिक सभाओं में बोलना पड़ता है, जुलूस निकालने पड़ते हैं और नारे लगाने होते हैं (वही, खंड 4, पृष्ठ 4-5)।आरएसएस ने बड़ी संख्या में अपनी सोच में ढले स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित और तैयार किया। उसके बाद उसने कई अलग-अलग संगठन स्थापित किए। महात्मा गांधी का हत्यारा नाथूराम गोडसे भी संघ का प्रशिक्षित प्रचारक था। उस समय आरएसएस अपने सदस्यों का कोई रिकार्ड नहीं रखता था और इसलिए संघ, गांधीजी की हत्या में सीधे संलिप्त होने के आरोप से बच गया। नाथूराम गोडसे के परिवार का मानना है कि आरएसएस के इस कट्टर सदस्य को न तो कभी आरएसएस से निष्कासित गया और न उसने आरएसएस को छोड़ा।हिंदू राष्ट्रवाद के जाने माने अध्येता शम्सुल इस्लाम लिखते हैं, आरएसएस के केन्द्रीय प्रकाशन (सुरूचि प्रकाशन, झंडेवालान, नयी दिल्ली) द्वारा प्रकाशित परम वैभव के पथ पर (1997) में आरएसएस द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों के लिए गठित 40 से अधिक संगठनों की सूची दी गई है। भाजपा इस सूची में तीसरे नंबर पर है और उसे संघ का राजनैतिक संगठन बताया गया है। सूची में जो अन्य प्रमुख संगठन शामिल हैं उनमें से कुछ हैं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हिंदू जागरण मंच, विश्व हिंदू परिषद, स्वदेशी जागरण मंच और संस्कार भारती।इसी तरह आरएसएस की आधिकारिक प्रार्थना और शपथ से यह साफ है कि उसके अनुयायी हिंदू राष्ट्र के निर्माण के प्रति प्रतिबद्ध हैं। संघ की प्रार्थना यह है- %हे सर्वशक्तिशाली परमश्वर! हम हिन्दू राष्ट्र के अंगभूत तुझे आदर सहित प्रणाम करते हैं। तेरे ही कार्य के लिए हमने अपनी कमर कसी है। उसकी पूर्ति के लिए हमें अपना शुभाशीर्वाद द।% (आरएसएस शाखा दर्शिका, ज्ञान गंगा, जयपुर, 1997, पृष्ठ 1)। इसी तरह संघ की शपथ भी एकदम स्पष्ट है- %मैं मेरे पवित्र हिंदू धर्म, हिंदू समाज और हिंदू संस्कृति की प्रगति को पुष्ट कर भारतवर्ष का समग्र गौरव स्थापित करने के लिए संघ का सदस्य बना हूं।

संघ सांस्कृतिक संगठन का लबादा ओढ़े रहता है। इससे उसे बहुत से लाभ हैं। जैसे वह सभी राजनैतिक विचारधाराओं के लोगों को आकर्षित कर सकता है। लेकिन हमारे स्वाधीनता संग्राम के सभी बड़े नेता संघ के असली चरित्र को अच्छी तरह से जानते-समझते थे। गांधीजी के काफिले के एक सदस्य ने वाघा, जो कि पंजाब में प्रवेश कर रहे शरणार्थियों का प्रमुख अस्थायी आश्रय स्थल था, में काम कर रहे आरएसएस के कार्यकर्ताओं की कार्यकुशलता, अनुशासन, साहस और परिश्रम की प्रशंसा की। इस पर गांधीजी का जवाब था, %परंतु यह न भूलो कि हिटलर के नाजी और मुसोलिनी के फ़ासिस्ट भी ऐसे ही थे।% महात्मा गांधी संघ को एक साम्प्रदायिक एवं एकाधिकारवादी सोच वाला संगठन मानते थे (प्यारेलाल, महात्मा गांधी- द लास्ट फेज़, अहमदाबाद, पृष्ठ 440)।

नेहरू का मानना था कि आरएसएस में फासीवाद के कई लक्षण हैं। देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा था, %आरएसएस अपने संगठन की संपूर्ण जानकारी गुप्त रखता है। उसका विकास फासीवादी तरीके से हुआ है और वह निश्चित रूप से लोक शांति के लिए संभावित खतरा है% (डॉ राजेन्द्र प्रसाद द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल को लिखा पत्र, 12 दिसंबर 1948)।सरदार पटेल के अनुसार, %जहां तक गांधीजी की हत्या में आरएसएस और हिंदू महासभा की भागीदारी की बात है...हमारी रपटें पुष्टि करती हैं कि इन दोनों संगठनों, और विशेषकर दोनों में से पहले, की गतिविधियों से देश में ऐसा वातावरण बना जिसके कारण ऐसी भयावह त्रासदी संभव हो सकी...आरएसएस की गतिविधियां सरकार और राज्य के अस्तित्व के लिए स्पष्ट खतरा हैं। हमारी रपटों के अनुसार, प्रतिबंध के बावजूद भी उसकी गतिविधियां खत्म नहीं हुई हैं। बल्कि समय बीतने के साथ आरएसएस की हिम्मत बढ़ती जा रही है और वह अपनी विध्वंसकारी गतिविधियों को और तेजी से चला रहा है' (सरदार पटेल- सिलेक्ट करस्पोंडेंट, 1940-1950, खंड 2, नवजीवन पब्लिशिंग हाउस, अहमदाबाद, 1977, पृष्ठ 276-277 पर प्रकाशित पत्र क्रमांक 64)।हम सबको पता है कि आरएसएस पर तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है और तीनों बार सांस्कृतिक संगठन का मुखौटा पहनकर वह प्रतिबंध को हटवाने में सफल रहा है। शासकीय कर्मियों के राजनीति में भाग लेने पर प्रतिबंध इसलिए लगाया जाता है ताकि वे संविधान के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें और अपने काम में राजनैतिक पक्षपात न करें।शासकीय कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध पिछले 50 से भी अधिक सालों से लगा हुआ है। इस बीच जनता पार्टी और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारें भी सत्ता में रहीं मगर यह प्रतिबंध नहीं हटाया गया। श्री मोदी पिछले 10 साल से सत्ता में हैं। उन्होंने यह निर्णय अब क्यों लिया? क्या इसलिए क्योंकि आरएसएस मुखिया मोहन भागवत ने परोक्ष रूप से सर्वोच्च नेता पर हमला किया है। भारतीय संस्कृति में आरएसएस के योगदान का समाज विज्ञानियों और संस्कृतिकर्मियों द्वारा अध्ययन किया जाना चाहिए। आरएसएस के चेहरे पर से सांस्कृतिक संगठन का मुखौटा हटाया जाना जरूरी है। अगर हमें भारतीय संविधान और प्रजातंत्र की रक्षा करनी है तो हमें संघ के असली एजेंडे को समझना ही होगा। यह स्पष्ट है कि संघ सबसे पहले और मूलत- एक राजनैतिक संगठन है।

संपादकीय

सामाजिक विभाजन में मोदी की अगुवाई

लोकसभा के जारी सत्र में मंगलवार को आम बजट पर अपनी राय रखते हुए पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जाति को लेकर जो आपत्तिजनक बयान दिया, उसे एक्स पर शेयर कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर से साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाये जा रहे सामाजिक विभाजनों के सारे अभियानों का वे न केवल नेतृत्व करेंगे बल्कि ऐसी सभी मुहिमों को वे शह भी देंगे। फिर इसके लिये यदि उन्हें संसदीय मर्यादाओं को भंग करना पड़े या लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्वस्त करना पड़े तो भी उनकी बला से। साफ है कि सामाजिक विभाजन उनका प्रमुख हथियार बना रहेगा। यह किसी भी देश और वहां की सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था के लिये खतरनाक है।उल्लेखनीय है कि अनुराग ठाकुर ने अपने भाषण में राहुल गांधी पर तंज कसा था कि %जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं वे जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं।% मोदी द्वारा, जो सदन से अनुपस्थित थे, उनके भाषण को अपने हैंडल से इस टिप्पणी को फॉरवर्ड करना यही सब कुछ बयां कर देता है। उन्होंने लोगों से यह कहकर इस भाषण को सुनने की अपील की कि %यह तथ्यों व व्यंग्य के मिश्रण वाला एक अच्छा भाषण था।% यह वाकई बहुत अचरज भरी बात है क्योंकि सदन के नेता होने के नाते वे संसद में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बनाये रखने के लिये तो उत्तरदायी हैं ही, देश का नेतृत्व करने के नाते उन पर यह महती जिम्मेदारी भी है कि पूरे देश में भी सामाजिक शांति बनी रहे। दोनों ही रूपों में वे इस मामले में नाकाम रहे हैं। राष्ट्रप्रमुखों का काम धार्मिक व सामाजिक टकरावों को शांत कराना होता है, न कि उन्हें उकसाना या भड़काना, लेकिन देखा यह गया है कि पिछले एक दशक से वे समाज को सम्प्रदाय के आधार पर हो या जाति के आधार पर, तोड़ने का ही काम करते आये हैं।पहले मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात से लेकर देश भर में उन्होंने विभाजन का यही फार्मूला अपनाकर चुनावी जीतें हासिल की हैं।2014 में जब मोदी की पीएम पद के लिये उम्मीदवारी तय की गयी थी तब तो उन्होंने विकास की बातें कीं, कांग्रेस सरकार की कथित असफलताओं पर चर्चा की। उनके अनुसार देश की सारी समस्याओं की जड़ कांग्रेस का कुशासन व कुप्रबंधन है। मोदी के पास तब सभी समस्याओं के चुटकी बजाते समाधान थे, फिर वह चाहे भ्रष्टाचार हो या फिर महंगाई, पाकिस्तान की घुसपैठ हो या चीन का वर्चस्व अथवा कोई भी समस्या। लेकिन सत्ता पाते ही मोदी पर आरोप लगने लगे कि उन्होंने अपने मित्रों की जेबें भरनी शुरू कीं तो देश का हिसाब गड़बड़ाने लगा।

नोटबन्दी व जीएसटी जैसे सनकपूर्ण निर्णयों ने देश को बदहाल कर दिया। 2019 का चुनाव वे पुलवामा व बालाकोट के चलते जीत गये लेकिन कोरोना के कुप्रबंधन ने उनकी कलई खोल दी। जनता के समक्ष यह साफ हो गया कि मोदी व उनकी सरकार के पास किसी भी समस्या का कोई समाधान नहीं है। महंगाई लगातार बढ़ती गई, भ्रष्टाचार पहले से और कहीं ज्यादा हो गया। बेरोजगारी पिछली आधी सदी में सर्वाधिक हो गयी। कामकाज में सभी तरह की पारदर्शिता खत्म हो गयी और नागरिक कमजोर होते चले गये। सरकार से सवाल पूछने वाले लोगों को जेलों में डाला जाने लगा। ऑपरेशन लोटस के जरिये विपक्षी लोगों को डरा-धमकाकर या खरीदकर भाजपा लगातार मजबूत होती गयी। इसीलिये उसे भरोसा हो चला था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उसे उसके दिये नारे के मुताबिक 370 और 400 सीटें मिल जायेंगी। मामला बिगड़ गया। 240 पर अटक गयी भाजपा की सरकार तो बन गयी लेकिन असमान विचारधारा वाले दो दलों के सहयोग से- तेलुगु देसम पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड)।उम्मीद थी कि तीसरी पारी में भाजपा अपना ध्रुवीकरण का एजेंडा छोड़कर प्रशासन एवं विकास के मोर्चे पर गंभीरतापूर्वक कार्य करेगी। सहयोग करने वाले प्रमुख दल भी उन्हें सीधी राह पर चलने के लिये मजबूर करेंगे। जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार तो सामाजिक न्याय की बात जोरों से उठाते रहे हैं , वे जातिगत जनगणना की मांग करने वाले प्रमुख लोगों में रहे हैं। ऐसे ही, टीडीपी सुप्रीमो व आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अपने चुनावी घोषणापत्र में मुस्लिमों के लिये अनेक तरह की सुविधाओं एवं सहायता का आश्वासन दिया है। ताकत है .

हम गुलामी की अंतिम हदों तक लड़ेंगे

राहुल गांधी जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं ताकि जातिगत उत्पीड़न और भेदभाव को दूर करने की शुरुआत हो सके। जब जनगणना होगी तो आंकड़े सामने आ जाएंगे कि देश में पिछड़ों की असल आबादी कितनी है और सरकारी योजनाओं के लाभ में उनकी हिस्सेदारी कितनी है। शैक्षणिक, व्यावसायिक क्षेत्रों में उनकी भागीदारी कितनी है। किन जातियों को आरक्षण की वाकई जरूरत है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बाकायदा ऐलान कर दिया कि हम जाति जनगणना करवा कर रहेंगे। यह बात कांग्रेस के घोषणापत्र में थी और राहुल गांधी ने अपने लगभग सभी चुनावी भाषणों में भी इस बात का जिक्र किया ही है। जब तक जातिवार गिनती की बात सड़क पर हो रही थी, भाजपा को इससे डर नहीं लग रहा था क्योंकि उसे विश्वास था कि वह इस मुद्दे से भी जनता का ध्यान भटका ही लेगी। लेकिन जिस तरह संविधान के मसले पर भाजपा चुनावों में घिर गई और उसके अपने सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के उठाए इस मुद्दे पर ठीक से बचाव नहीं किया गया, इसलिए भाजपा को नुकसान हुआ है, उसी तरह का नुकसान अब जातिगत जनगणना के मुद्दे पर भी होता हुआ नजर आ रहा है। राहुल गांधी के ऐलान का जवाब देने की कोशिश में पहला सेल्फ गोल भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने दागा, उन्होंने सदन के भीतर कहा कि जिनकी अपनी जाति का पता नहीं, वे जाति जनगणना की बात कर रहे हैं। इस बयान पर मंगलवार से लेकर बुधवार तक विपक्ष ने संसद में खूब विरोध किया। अखिलेश यादव ने बाकायदा सवाल उठाया कि आप सदन के भीतर जाति कैसे पूछे सकते हैं। लेकिन अखिलेश यादव शायद भूल गए कि जो पार्टी सदन के भीतर धर्म के आधार पर साथी सांसद को अपशब्द सुना सकती है, वह जाति भी पूछ सकती है। बहरहाल, अनुराग ठाकुर के बयान के कुछ हिस्से को संसदीय कार्रवाई से हटा दिया गया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस पूरे बयान को अपने एक्स प्लेटफार्म पर शेयर करके, इसकी तारीफ करके दूसरा सेल्फ गोल कर दिया। अब तक जनता के सामने भाजपा के संविधान विरोधी चेहरे से पर्दा हटा था, अब देश की 80 प्रतिशत जनता यह भी देख रही है कि भाजपा किस तरह जातिगत सामाजिक व्यवस्था के दुष्चक्र का शिकार लोगों की पीड़ा को दूर नहीं करना चाहती है।

राहुल गांधी से अनुराग ठाकुर ने उनका नाम लिए बिना जाति पूछी है और अब वे अपने बचाव में यही कह रहे हैं कि मैंने किसी का नाम नहीं लिया। दरअसल अनुराग ठाकुर उच्च जातियों द्वारा अक्सर किए जाने वाले व्यवहार का ही प्रदर्शन कर रहे थे, जिसमें किसी को काम पर रखने से पहले या किसी के साथ सार्वजनिक यातायात में सीट या भोजन बांटने से पहले बड़ी चतुराई से नाम के साथ उपनाम पूछ लिया जाता है। क्योंकि कई बार आर्थिक हैसियत से जाति का पता नहीं चलता। और जो लोग कमजोर आर्थिक हैसियत के होते हैं, उनसे तो बड़ी निर्लज्जता से कौन जात हो, का सवाल पूछा जाता है। इस सवाल के पीछे छिपी क्षुद्र मानसिकता का वीभत्स रूप मध्यप्रदेश में देखा गया जब भाजपा नेता ने आदिवासी युवक के सिर पर पेशाब कर दी। ऑनलाइन भोजन मंगवाने की सेवा में भी जाति का यह सवाल कई बार क्रूर तरीके से सामने आया है। कांवड़ यात्रा के दौरान जब मुस्लिम लोगों की पहचान के लिए दुकानों, होटलों और ठेलों पर नाम लिखने कहा गया, तब बहुत से लोगों ने चिंता जाहिर की थी कि नाम और पहचान का यह सवाल आगे जाति तक भी जा सकता है। जिस सोच के साथ कागज तो दिखाना पड़ेगा, जैसी मुहिम मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में चल पड़ी थी, वो अब संसद में कौन जात हो पूछने तक पहुंच गई है। श्री मोदी खुद इसका समर्थन कर रहे हैं, तो फिर कोई संशय नहीं रह जाता कि यह सरकार कितने संकुचित विचार लेकर चल रही है। संसद में संविधान की प्रति को माथे से लगाना फोटो स्टंट हो सकता है, लेकिन दिल में मनुस्मृति बसी हो, तो फिर राहुल गांधी के जाति जनगणना कराने के संकल्प पर विचार करना और जरूरी हो जाता है।

दरअसल कौन जात हो, यह सवाल समाज में जाति के विभेद को बनाए रखते हुए, निचली जातियों पर सवर्णों के दबदबे को कायम रखना चाहता है। संघ की भाषा में इसे सामाजिक समरसता कहते हैं, जहां केवट को श्री राम का गले लगाना सामाजिक समरसता का श्रेष्ठतम उदाहरण बताया जाता है. लेकिन यह सवाल नहीं किया जाता कि आखिर नाव चलाने और मछली पकड़कर आजीविका तक ही केवट को क्यों सीमित रखा गया है, उन्हें क्या कभी राजगद्दी पर बैठने का अधिकारी भी माना जा सकता है। नरेन्द्र मोदी ने तो सामाजिक समरसता नाम से किताब भी लिखी है। वे खुद को जरूरत पड़ने पर ओबीसी भी बता देते हैं, और चुनावों के दौरान उन्होंने अमीरी और गरीबी केवल इन दो वर्गों को जाति माना था, बाकी सबको नकार दिया था। लेकिन इसी मोदी उपनाम पर बयान देने के कारण राहुल गांधी को न केवल मानहानि के मुकदमे का सामना करना पड़ा, बल्कि उन्हें ओबीसी विरोधी भी साबित करने की कोशिशें हुईं। अर्थात श्री मोदी खुद तय नहीं कर पा रहे हैं कि आखिर हिंदुस्तान में जातिगत सामाजिक व्यवस्था और इसके कारण एक बड़े तबके की वंचना पर उनके विचार क्या हैं। और राहुल गांधी जब इसका समाधान दे रहे हैं तो वे उन्हें अपमानित करने वालों की पीठ ठोंक रहे हैं।

राहुल गांधी जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं ताकि जातिगत उत्पीड़न और भेदभाव को दूर करने की शुरुआत हो सके। जब जनगणना होगी तो आंकड़े सामने आ जाएंगे कि देश में पिछड़ों की असल आबादी कितनी है और सरकारी योजनाओं के लाभ में उनकी हिस्सेदारी कितनी है। शैक्षणिक, व्यावसायिक क्षेत्रों में उनकी भागीदारी कितनी है। किन जातियों को आरक्षण की वाकई जरूरत है

और कौन अब समाज की मुख्यधारा में आकर रेस लगाने के लिए तैयार हो चुकी हैं। राहुल गांधी इसी को एक्सरे कहकर समझाने की कोशिश करते आए हैं कि एक बार जातिगत व्यवस्था का एक्सरे सामने आ जाएगा तो फिर समाज के भीतर पैठ चुके मर्ज का इलाज भी होगा और सरकारों को भी नीतियां बनाने में सुविधा होगी। अन्यथा अलग-अलग राज्यों में जिस तरह कुछ तबकों द्वारा आरक्षण की मांग को लेकर उग्र प्रदर्शन किए जाते रहे हैं और राजनैतिक दल अपनी सुविधा के हिसाब से इन्हें बढ़ावा देते आए हैं, यह सिलसिला कभी खत्म ही नहीं होगा।एक गंभीर समस्या के निदान और इलाज का रास्ता राहुल गांधी ने सदन में दिखाने की कोशिश की, लेकिन बदले में उन्हें अपमानित किया गया। राहुल गांधी के लिए यह अपमान नया नहीं है, इसलिए अनुराग ठाकुर के बयान पर उन्होंने कह दिया कि वे हर तरह का अपमान सहने के लिए तैयार हैं और अर्जुन की तरह मछली की आंख पर निशाना लगाए हुए हैं। मशहूर कवि रमाशंकर यादव विद्रोही आज होते तो शायद श्री गांधी की इस पहल को किसी धारदार कविता के जरिए व्यक्त करते। फिलहाल उनकी एक कविता हम गुलामी की अंतिम हदों तक लड़ेंगे...की कुछ पंक्तियां पाठकों के लिए प्रस्तुत हैं-

कामकाजी महिलाओं का 'सपोर्ट सिस्टम'

लंच टाइम में विभा को चुप-चुप-सा देखकर सभी ने उसकी उदासी का कारण पूछा। विभा के घर में उसकी नौकरी को लेकर तनातनी चलती रहती थी। सास नहीं चाहती थी कि विभा नौकरी करे, मगर विभा अपनी योग्यता और अनुभव को यूँ ही नहीं बेकार जाने नहीं देना चाहती थी। सभी महिलाओं ने उसकी समस्या को सुना, समझा और जरा-सी देर में विभा के पास सुझावों का ढेर मौजूद था।

साथी महिलाओं की सलाह पर अमल कर विभा ने अपनी गलतियों को भी दुरुस्त किया और आखिरकार सासू माँ को मना ही लिया। अंजू को खाना बनाना नहीं आता था, और शादी हुई ऐसे व्यक्ति से, जो खाने का भयंकर शौकीन... अंजू की तो जान पर बन आई। उसने अपनी समस्या अपने दफ्तर की सहेलियों को बताई और चुटकी बजाते ही उसके पास हाजिर थीं ढेरों रेसिपीज...। यही नहीं, उसकी सहेलियों ने उसे घर बुलाकर कई डिशेज बनाना भी सिखाया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। सीमा की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह बेटे को इंजीनियरिंग की कोचिंग करवाना चाहती थी, मगर रुपयों का इंतजाम नहीं हो पा रहा था। एक दिन परेशान हालत में उसके अपने दफ्तर में इसका उल्लेख किया और उसकी समस्या झट से सुलझ गई। उसकी सहेलियों ने उसके लिए रकम का इंतजाम कर दिया जिसे बाद में किस्तों में सीमा ने लौटा भी दिया।

तेजी से बदले आर्थिक समीकरणों ने नारी को दहलीज के बाहर कदम रखने को प्रेरित किया और घर के हर व्यवहार को चुस्त-दुरुस्त रखते हुए नारी ने बाहरी दुनिया के कार्य व्यवहार जमाने में भी उतनी ही दक्षता का परिचय दिया। प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। घर में कोई त्योहार हो तो विशेष पकवान केवल घर के लिए ही नहीं, दफ्तर के संगी-साथियों के लिए भी विशेष रूप से बनाए जाते हैं और उन्हें उसी स्नेह के साथ खिलाया भी जाता है।

दफ्तर में किसी एक की समस्या सारे समूह की समस्या बन जाती है और सारा समूह सिर जोड़कर उसे हल करने में जुट जाता है। कहा जाए तो पुरुषों की तुलना में नारी ने यहाँ भी अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। पुरुष स्वभावत: कम बोलने वाले और संकोची होते हैं। उस पर किसी को अपनी समस्याएँ बताना? उनका अहं हमेशा आड़े आ जाता है और सालों का साथ भी दफ्तर के कर्मचारियों में वह लगाव पैदा नहीं कर पाता।

सीधे शब्दों में कहा जाए तो पुरुष अवसर का उपयोग नहीं कर पाते व समूह का फायदा भी नहीं ले पाते। बनिस्बत इसके नारी थोड़े-से ही समय में न केवल आपस में स्नेह बंधन बुन लेती है, वरन विविध दिमागों में तैरते विविध विचारों का फायदा भी उठा लेती है।

अक्सर यह सोचा जाता है कि जब ये महिलाएँ बातें करती हैं तो या तो वे घर-परिवार की बुराई करती हैं या फिर साड़ी-गहनों की बातें..., मगर यह बिलकुल गलत है...। एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत पूनम बोली... यहाँ आकर मैंने कितनी ही नई बातें सीखीं। वे बातें आचार-व्यवहार से लेकर पढ़ाई तक हर तरह की है। मैंने तो अपनी बीएड की डिग्री अपनी सहेलियों की मदद से ही ली है।

महिलाओं के लिए डेटिंग टिप्स

क्या डेटिंग को कामयाब बनाने की जिम्मेदारी केवल पुरुषों की होती है, महिलाओं की नहीं। बात जब डेटिंग की आती है, तो पुरुषों को तमाम तरह के नियम कायदों की एक लिस्ट पकड़ा दी जाती है- लड़की को कैसे प्रभावित करें.. उससे कैसे बात करें.. कैसे उनके दिल में अपने लिए जगह बनाएं.. और भी तमाम तरह के नियम कायदे। लेकिन, क्या महिलाओं के लिए कोई कानून नहीं होता। मैडम आप अगर इस फिराक में हैं, तो कि आप कुछ भी करें सब चल जाएगा, तो ऐसा नहीं है। डेट चाहे पहली हो या फिर बाद की, कुछ बातों का ध्यान तो आपको भी रखना पड़ेगा। वरना कहीं ऐसा न हो कि आपके प्यार की गाड़ी आगे चलने के बजाय पटरी से ही उतर जाए। तो जानते हैं? कि एक महिला होने के नाते डेट पर जाते समय आपको? किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

मेकअप हो सही

मेकअप किसी भी महिला के सबसे पसंदीदा कामों में से होता है। खासतौर पर अगर वो डेट पर जा रही हो, तो। लेकिन, इस बात का ध्यान रखें कि मेकअप अखरने वाला न हो। मेकअप आपकी खूबसूरती निखारने के काम आता है। कहीं ऐसा न हो कि अधिक मेकअप के चक्कर में आपकी पहचान ही कहीं छुप जाए। बहुत तीखी गंध वाला इत्र अथवा डियोड्रेंट आदि ना लगाएं। हल्की खुशबू माहौल को रूमानी बनाये रखती है।

सामान्य व्यवहार रखें

अपने ब्वॉयफ्रेंड को प्रभावित करने के लिए झूठ का सहारा न लें। झूठ किसी भी रिश्ते को घुन की तरह समाप्त कर सकता है। आज भले ही आपका झूठ चल जाए, लेकिन बाद में जब बात खुलेगी, तो आप परेशानी में पड़ सकती हैं। रिश्ते के सुखद भविष्य के लिए बुनियाद मजबूत होना जरूरी है। इसलिए नये रिश्ते की शुरुआत के लिए सच का सहारा लें। डेटिंग की शुरुआत में थोड़ा नर्वस होना लाजमी है, लेकिन जैसे-जैसे आप एक दूसरे के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे आपका रिश्ता मजबूत होता जाएगा।

उसकी भी बात सुनें-

डेट आपसी संवाद का एक मौका होता है। ऐसे में जरूरी है कि आप दोनों एक-दूसरे से अपनी कहें और साथ ही दूसरे की बात सुनें भी। ऐसा नहीं कि एक ही साथी बोलता रहे और दूसरे को बोलने का मौका ही नहीं मिले। यदि आपका बॉयफ्रेंड आपसे सहजता के साथ कोई सवाल कर रहा है तो उसका जवाब भी उसी सहजता से दें। अपने साथी की बातों को बीच में काटना अच्छी आदत नहीं।

लड़कों को बदलाव पसंद नहीं

आमतौर पर लड़कों को बदलाव पसंद नहीं। खासतौर पर अगर वह उन्हें बदलने को लेकर हो। वे भले ही आपसे उम्मीद करें कि आपका व्यवहार उनके मुताबिक हो, लेकिन जब बात खुद पर आती है, तो शायद वे इतने उदार न हों। तो, अगर आप चाहती हैं कि वो आपसे नाराज न हो, तो बात-बात पर अपने ब्वॉयफ्रेंड को टोकने से बचें। डेट रूमानियत भरी होनी चाहिए, इसमें उनकी टीचर बनने की कोशिश न ही करें, तो बेहतर। अधिकांश लड़के चाहते हैं कि जैसे वे हैं, वैसे ही उन्हें स्वीकार किया जाए। अपने डेट की बात ना कटें और विचारों पर अपने फैसले न थोपें विचारों की विविधता का सम्मान करें।

आंख से आंख मिलाना जरूरी

बातचीत में आई-कॉन्टैक्ट बनाकर बात करें। ध्यान रखें आंख से आंख मिलाकर बात करने का अर्थ घूरना नहीं होता। आंखें आपके दिल की जुबां होती हैं। जब आप अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ इस तरह बात करेंगी तो इससे आपका आत्मविश्वास तो बढ़ेगा ही साथ ही रिश्तों में मजबूती आयेगी।

पेमेंट करने के लिए पूछें-

लड़का है तो क्या वही पेमेंट करेगा। कई पुरुष आमतौर पर यही सोचते हैं कि लड़की के सामने खर्च करना उनकी जिम्मेदारी है। वे अक्सर इसे अपने अहम् से भी जोड़ लेते हैं। लेकिन, आप आज की नारी हैं। आप रिश्तों में बराबरी में विश्वास रखती हैं। तो, पेमेंट के लिए पूछने में कोई हर्ज नहीं।

ड्रिंक जरा संभलकर

अगर आप ड्रिंक करती हैं, तो उसकी मात्रा सीमित रखें। इतना न पी लें कि आप बहक जायें। इससे आपका प्रभाव तो गलत पड़ता है साथ ही किसी अनहोनी होने का खतरा भी होता है।

आत्मविश्वास है जरूरी

कभी हां, कभी ना वाली स्थिति लड़कों को परेशान करती है। बातचीत के दौरान बीच-बीच में यह ना दर्शायें कि आप ज्यादा अव्वल या काबिल हैं। डेट के उस पल का आनंद लें। यह नहीं कि भविष्य की बिना मतलब की चिंता में सारी डेट खराब कर बैठें। भविष्य की चिंता जरूरी है लेकिन उसके लिए बेचैनी ना जतायें बल्कि पूरी गंभीरता से सोचें और अपने पार्टनर को परखें।

बेवजह के सवालों से बचें

पहली मुलाकात में ही बहुत सारे सवाल न कर डालें। उनके पहली रिलेशनशिप को लेकर तो ऐसा करने से खासतौर पर बचें। उन्हीं मुद्दों पर बात करें जो आपके बीच सामान्य हों। अधिक व्यक्तिगत सवाल न ही पूछें। खुद पर ध्यान केन्द्रित करें और डेट का आनंद लेने के लिए अपने दिलोदिमाग को हल्का और तरोताजा रखें। कम सवालों में यह जानने की कोशिश करें कि उसका स्त्रियों के प्रति क्या दृष्टिकोण है। वह उनका कितना सम्मान करता है।

इस बार के लिए बस-

रिश्तों में धीरे-धीरे संभलकर चलना ही अच?छा रहता है। एकदम से सारी बातें करने से बचें। हर डेट के लिए कुछ नया होना चाहिए। इससे रिश्तों में ताजगी और नयापन बना रहता है।

जब कहना हो बाय

अगर आपको मिलने के बाद उनकी कोई बात अच्छी लगे, तो जाने से पहले उसे जरूर बताएं। कई लोग दूसरों की अच्छी चीजों के बारे में कुछ नहीं कहते। लेकिन, आप अपने रिश?ते को सहज रखना चाहती हैं, तो उसकी तारीफ जरूर करें। अगर आपने अपने डेट के साथ अच्छा समय बिताया है, तो इस बात को शब्दों में जरूर कहें।

ये कुछ आम लेकिन जरूरी टिप्स हैं जो आपकी डेट में सहायक साबित हो सकते हैं। आपको आपकी डेट के लिए बहुत शुभकामनाएं।

ग्लिटर मेहँदी : वेडिंग अट्रैक्शन

मेहँदी है रचने वाली, हाथों में गहरी लाली

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है।

बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं।

बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है। टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती हैं।

पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं। रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है।

इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।

क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

सहस्रार चक्र

सहस्रार चक्र व्यक्ति के मष्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दु:ख का उस पर असर नहीं होता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवई: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप ■ दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून ■ इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रूट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

- आटा: 2 कप ■ दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी ■ घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा ■ अजवाइन: 1/4 टीस्पून ■ 3 हरी मिर्च बारीक काटी ■ 1/2 छोटी कटोरी दाल ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पराठा सेंकने के लिए तेल ■ जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरुपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1795

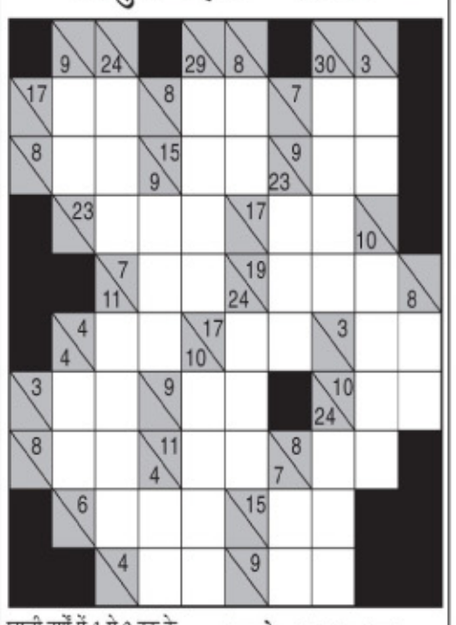

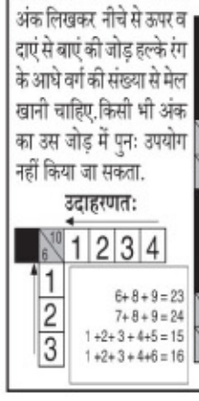

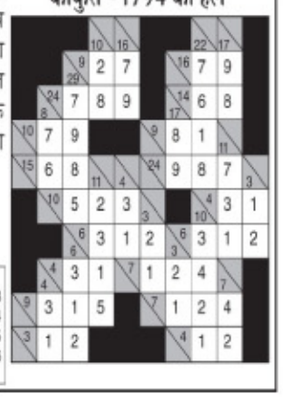

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 1794 का हल

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

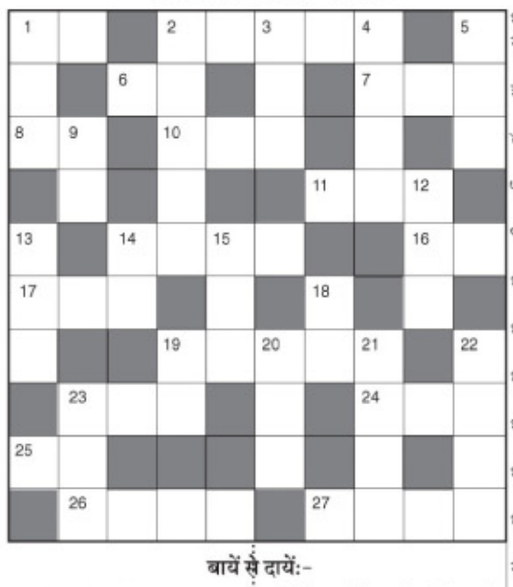

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1795

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ़ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1794

सूडोकु -1795

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1794 का हल

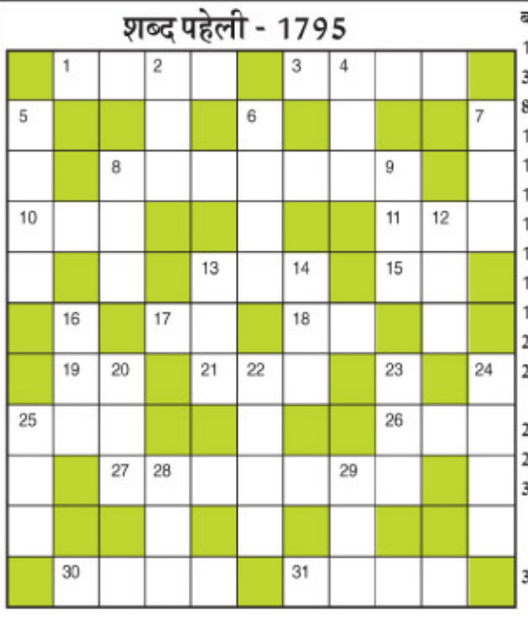

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 1795

बाएँ से दाएँ

1. मरघट,कब्रिस्तान-4
3. पागल,बुद्धिहीन-4
8. भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10. डांटना,दुत्कार-3
11. तरुण,किशोर-3
13. ओट,घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया,अजनबी-2
18. आनंद,मौज-2
19. सूर्य,भास्कर-2
21. चिंतन,सोच विचार-3
25. वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि,गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर,भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्जन,पापी,भूत-3
8. शरण,आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट,प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना,अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्णा-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली - 1794 का हल

दिल्ली में पुलिस ने 16 अगस्त तक ड्रोन और पैरा ग्लाइडिंग पर लगाई पाबंदी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा कारणों के चलते 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन और पैरा ग्लाइडिंग आदि पर प्रतिबंध लगा दिया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा की ओर से जारी आदेश के मुताबिक अगर कोई पैराग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग-ग्लाइडर, मानव रहित वायुयान (यूएवी), रिमोट चालित एयरक्राफ्ट, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के पावर्ड एयरक्राफ्ट या विमान से पैरा-जंपिंग आदि के जरिये आम लोगों, गण्यमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को खतरा पैदा करता है तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

स्वतंत्रता दिवस पर आतंकी खतरे का खुफिया अलर्ट आने के बाद लालकिला व आसपास के इलाके में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए लालकिले की आतंरिक घेर की सुरक्षा की कमान स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) को दी जाएगी। इसके साथ ही एनएसजी कमांडो फोर्स और अर्धसैनिक बलों की टीम की भी तैनाती की जाएगी है। सुरक्षा को अभेद्य बनाने की कवायद में लालकिला के अंदर व बाहर के पेड़ों की सांकेतिक कोडिंग कर 'सुरक्षा खाका' तैयार किया गया है। इन पेड़ों का कोड निर्धारित कर करीब 3200 सुरक्षा प्वाइंट बनाए गए हैं, जहां से स्पेशल कमांडो दस्ते संदिग्धों पर पैनी नजर रखेंगे। इसके अलावा हेलीकाप्टर पर अत्याधुनिक हथियारों से लैस कमांडो टीम आकाश मार्ग से सुरक्षा की कमान संभालेगी।

छत्रपति शिवाजी महाराज के युग के 12 किलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाएगा

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने छत्रपति शिवाजी महाराज युग के 12 किलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने का ऐलान किया है।उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के सैन्य इलाके की अनूठी विरासत को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि शिवाजी महाराज के किले सिर्फ वास्तुकला नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक विरासत हैं। राज्य सरकार निश्चित रूप से इस विरासत को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास करेगी। सह्याद्री गेस्ट हाउस में शुक्रवार को 'भारत के मराठा सैन्य क्षेत्र' के विश्व धरोहर नामांकन को लेकर राज्य सरकार के सांस्कृतिक कार्य विभाग और पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय की बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की ओर से महाराष्ट्र के सैन्य इलाके की अनूठी विरासत को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव भेजा गया है। इनमें महाराष्ट्र में सलहेर, शिवनेरी, लोहगढ़, रायगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग, खंडेरी, राजगढ़, प्रतापगढ़ जैसे 11 किले और तमिलनाडु में जिंजी जैसे 12 किले शामिल हैं।

वायनाड में सेना ने प्रशिक्षित कुत्तों की मदद से शुरू की मलबे में 'जिंदगी' की तलाश

नई दिल्ली। वायनाड में सेनाओं की ओर से बचाव कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। भूस्खलन के बाद मलबे में तब्दील हुए मकानों में शुक्रवार से प्रशिक्षित कुत्तों की मदद से 'जिंदगी' की तलाश शुरू की है लेकिन ज्यादातर शव ही मिल रहे हैं, जिन्हें स्थानीय प्रशासन को सौंपा जा रहा है। खराब मौसम, बढ़ते जलस्तर और सीमित स्थान के बीच भारतीय सेना के मद्रास सैपर्स ने 16 घंटे के रिकॉर्ड समय में 24 टन क्षमता वाले 190 फीट बेली ब्रिज का निर्माण पूरा कर यातायात के लिए खोल दिया है। इरुवानिपझा नदी पर चूरलमाला को मुंडक्कई से जोड़ने वाला यह पुल सेना ने नागरिक प्रशासन को सौंप दिया है। वायनाड में भूस्खलन के बाद शुरू किये गए बचाव एवं राहत कार्य लगभग पूरे कर लिए गए हैं। मलबे में तब्दील हुए आबादी क्षेत्र में अब जिंदा बचे लोगों या फिर शवों की खोजबीन शुरू की गई है। सेना का आज सुबह 7:00 बजे डॉग स्क्वॉड के साथ तलाशी अभियान फिर से शुरू हुआ। सेना ने एक बयान में कहा कि ह्यूमन्स बेस्ट फ्रेंड वायनाड में मलबे के नीचे फंसे इंसानों को खोजने के लिए इंसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता है। भारतीय सेना के तीन लैब्राडोर कुत्ते जाकी, डिक्सी और सारा कीचड़ या बारिश की परवाह किए या बिना थके जीवन की तलाश में लगे हुए हैं। भारतीय सेना के तीनों खोजी और बचाव कुत्ते अपने मिशन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरित हैं और अपनी सूंघने की बेजोड़ शक्ति से मलबे और गाद की गहराई में देख रहे हैं।

पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक ने किया भागलपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

भागलपुर। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद के. देउस्कर ने शुक्रवार को मालदा मंडल के किउल, जमालपुर, भागलपुर, साहिबगंज और बरहरवा खंड का निरीक्षण किया। ताकि सुरक्षा पहलुओं की स्थिति और यात्री सुविधाओं की स्थिति की जांच की जा सके। निरीक्षण सुबह-सुबह किउल और जमालपुर के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के साथ शुरू हुआ। भागलपुर दौरे के दौरान पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक ने भागलपुर में यात्री सुविधाओं, ओएसओपी (एक स्टेशन एक उत्पाद) स्टॉल, रनिंग रूम, कोचिंग सुविधाओं, भागलपुर बाईपास लाइन और चल रहे यार्ड रीमॉडलिंग कार्य का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने विभिन्न यात्री संघों के जनप्रतिनिधियों से भी बातचीत की। महाप्रबंधक श्री देउस्कर ने भागलपुर में जमालपुर-भागलपुर सेक्शन में चल रहे विकास कार्यों के बारे में प्रेस और मीडिया को भी जानकारी दी।

नीट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अमित मालवीय ने साधा राहुल गांधी पर निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली । नीट एग्जाम में हुई अनियमितता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, ÷ये कोई व्यवस्थागत विफलता नहीं थी, इसलिए दोबारा परीक्षा नहीं कराई जा सकती। कोर्ट ने कहा, यह लीक महज पटना और हजारीबाग में ही हुई है। ऐसे में दोबारा परीक्षा कराने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। बता दें कि कोर्ट ने यह सुनवाई दोबारा से परीक्षा कराने के सवाल पर किया था। इससे पहले, 23 जुलाई को भी सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सुनवाई की थी। कोर्ट ने इस बात को स्वीकार किया था कि परीक्षा की प्रणाली में किसी भी प्रकार की खामी नहीं हुई है। ऐसे में दोबारा परीक्षा कराने का कोई मतलब नहीं है। कोर्ट के इस फैसले पर बीजेपी नेता अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा,

÷तीसरी बार असफल राहुल गांधी को संसद में देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने जानबूझकर राजनीतिक लाभ के लिए देश की परीक्षा प्रणाली में छात्रों के विश्वास को नष्ट करने के अवसर का उपयोग किया। ठीक वैसे ही जैसे वह सशस्त्र बलों, न्यायपालिका और ईसीआई जैसी अन्य संस्थाओं में लोगों के विश्वास को कमजोर करने की कोशिश की। उन्हें छात्र समुदाय से माफ़ी मांगनी चाहिए और उन्हें अपनी इस तरह की राजनीति से दूर रखना चाहिए। राहुल गांधी कई बार नीट एग्जाम में हुई धांधली को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साध चुके हैं। यही नहीं, बीते दिनों उन्होंने संसद में भी इस मसले का जिक्र कर मोदी सरकार को घेरा था, लेकिन अब जब सुप्रीम कोर्ट ने यह मान लिया है कि नीट परीक्षा में कोई धांधली नहीं हुई है, तो बीजेपी कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। खासकर राहुल गांधी इस हमले के केंद्र में हैं। इससे पहले, गुरुवार को सीबीआई ने नीट परीक्षा में हुई अनियमितता को लेकर आरोपपत्र भी दाखिल किया था। इसमें मुख्य रूप से नीतीश कुमार और अमित आनंद दो मुख्य आरोपी बनाए गए है, जबकि आरोपपत्र में चार अन्य आयुष कुमार, अनुराग यादव, अभिषेक कुमार और शिवनंदन कुमार भी शामिल हैं। बिहार के दानापुर नगर परिषद के जूनियर इंजीनियर सिकंदर यादवेंदु का भी नाम भी इसमें शामिल है।

दिल्ली में एक और हादसा : भरभराकर गिरी इमारत, चार को बचाया

नई दिल्लीजहांगीरपुरी औद्योगिक क्षेत्र में एक इमारत भरभराकर गिर गई। सूचना मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस और दमकल की पांच गाड़ियां वहां पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने अन्य सिविक एजेंसी के कर्मचारियों की मदद

से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया है। एक महिला को मलबे से बाहर निकालकर पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल अधिकारियों का कहना है कि मलबे के नीचे और भी लोग फंसे हो सकते हैं। जिन्हें निकालने का काम किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश के छतरपुर में कुएं में जहरीली गैस का रिसाव, चार लोगों की मौत

एजेंसी

छतरपुर । मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में शुक्रवार को चार लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि गढ़ी मलहरा थाना क्षेत्र के कुर्राहा गांव में एक कुएं में दम घुटने से चारों की जान गई। जानकारी के अनुसार, कुर्राहा गांव के गुरार मोहल्ले स्थित एक घर में बने कुएं में सफाई करने घर के मालिक उसमें उतरे थे, लेकिन वहीं बेहोश हो गए। इसके बाद उन्हें बचाने के लिए एक और शख्स कुएं में उतरा और वह भी बेहोश हो गया। इसके बाद घर के लोगों ने शोर मचाया तो मोहल्ले के लोग वहां आएं और एक-एक करके दो और लोग कुएं में उन्हें बचाने के लिए उतरे और वह भी बेहोश हो गए।

घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। गढ़ी मलहरा थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम ने चारों लोगों को कुएं से बाहर निकाला और इलाज के लिए छतरपुर जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में शेख बशीर, शेख असलम, शेख अल्ताफ और मुन्ना कुशवाहा

शामिल हैं। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। बताया जा रहा है कि कुएं में जहरीली गैस के रिसाव की वजह से हादसा हुआ है। जिला अस्पताल के डॉक्टर ने भी कुएं में जहरीली गैस रिसाव होने की आशंका जताई। मृतकों के शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

मृतकों के परिजनों का आरोप है कि उन्होंने पुलिस और एम्बुलेंस दोनों को सूचना दी थी। लेकिन, दोनों ने मौके पर पहुंचने में काफी देर कर दिया। बता दें कि मध्य प्रदेश में कुएं में उतरने से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी कुएं में उतरने से कई लोगों की मौत का मामला सामने आया है। कुछ महीने पहले ही एमपी के कटनी, छत्तीसगढ़ के कोरबा और सक्ती जिले में भी कुएं में उतरने से कई लोगों की मौत हुई थी।

भाजपा का बुलडोजर अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा : अखिलेश

एजेंसी

लखनऊ । दिवंगत पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनके पैतृक गांव में प्रतिमा लगाने के लिए बन रहे चबूतरे को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत की भूमि पर बिना अनुमति के चल रहे निर्माण पर यह कार्यवाही हुई है। इसे लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अब तक भाजपा का बुलडोजर दुकान-मकान पर चलता था, अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा है। चिल्लूपार के सात बार विधायक रहे उप्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. श्री हरिशंकर तिवारी जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा के प्रस्तावित स्थापना स्थल को भाजपा सरकार द्वारा तुड़वा देना, बेहद आपत्तिजनक कृत्य है। प्रतिमा स्थापना स्थल का तत्काल पुनर्निर्माण हो, जिससे जयंती दिवस 5 अगस्त को प्रतिमा की ससम्मान स्थापना हो सके। निंदनीय !इससे पहले दिवंगत हरिशंकर के बेटे और पूर्व सांसद

भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि यह राजनैतिक अराजकता है, प्रशासनिक गुंडई है या सत्ता का अहंकार, नीचता निकृष्टता की पराकाष्ठा या व्यक्तिगत शत्रुता ब्राह्मण, स्वाभिमान को चुनौती या समूची इंसानियत की हत्या, यह निर्णय समय पर चिल्लूपार विधानसभा के लोग तो करेंगे ही देश और प्रदेश के निवासियों को भी करना है। उन्होंने लिखा कि लगातार चिल्लूपार से सात बार विधायक और सन 1996 से 2007 तक उत्तर प्रदेश की भिन्न-भिन्न सरकारों में कैबिनेट मंत्री रहे सम्मान व स्वाभिमान के प्रतीक स्व. पण्डित हरि शंकर तिवारी के जन्म दिवस 5 अगस्त को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का मन बनाकर मेरे गांव टाड़ा के ग्राम प्रधान और ग्राम प्रबंध समिति के लोगों ने गांव के मुख्य द्वार का नामकरण उनके नाम पर करने और वहीं बगल में उनकी प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया। विधिक रूप से प्रस्ताव बनाकर उसे स्वीकृति के लिए उपजिलाधिकारी तहसील गोला को भेजा गया और अपनी तैयारी में लग गए। स्व. पंडित हरिशंकर तिवारी के कद पद प्रतिष्ठा सम्मान के अनुरूप उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देने के लिए गांव के लोगों के अलावा अन्य कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व मंत्रियों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति होनी है।

लखीमपुर खीरी में चार कांवड़ियों की मौत: घाघरा नदी में डूबे दो सगे भाई, दो की सड़क हादसों में गई जान

एजेंसी

नई दिल्ली । लखीमपुर खीरी जिले में कांवड़ लेकर गोला गोकर्णनाथ जा रहे दो कांवड़ियों की मौत हो गई। पढुवा थाना क्षेत्र के गांव हरिपुरवा निवासी दोनों कांवड़िये घाघरा नदी में जल भरने के लिए उतरे थे। इसी दौरान डूबकर उनकी मौत हो गई। दोनों सगे भाई थे। घटना की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के मुताबिक गांव हरिपुरवा निवासी रामलखन (20) और तेजपाल (18) पुत्र अंजनी शुक्रवार को सुबह ग्रामीणों के साथ कांवड़ लेकर गोला गोकर्णनाथ जाने को निकले थे। सभी कांवड़िये ढकिरवा घाट पर जल भरने घाघरा नदी में उतरे थे। बताते हैं कि जल भरने की दौरान रामलखन का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी डूबने

लगा। भाई को डूबता देख तेजपाल उसे बचाने को नदी में कूद गया। वह भी डूबने लगा। शोर सुनकर ग्रामीणों ने दोनों को नदी से निकाला और आनन-फानन सीएचसी निघासन लाए। जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बता दें जिले में बृहस्पतिवार रात से अब तक में अलग-अलग हादसों में चार कांवड़ियों की मौत हो चुकी है।

सड़क हादसों में दो कांवड़ियों की मौत

मोहम्मदी और खीरी थाना के नकहा क्षेत्र में हुए सड़क हादसों में दो कांवड़ियों की मौत हो गई। खीरी के नकहा क्षेत्र में कांवड़ लेकर जा रहा श्रद्धालु ट्रॉली के नीचे आ गया था। वहीं मोहम्मदी मार्ग पर भीखमपुर के पास पिकअप और बाइक के टकराने में कांवड़िया की मौत हुई है। दो कांवड़िये घायल भी हुए हैं। सीतापुर जिले की महोली कोतवाली के बड़ागांव निवासी आकाश (22) पुत्र रामकुमार, महोली के ही शिवा (17) नई बस्ती रेलवे गंज हरदोई निवासी 16 वर्षीय रितिक के साथ बाइक से कांवड़ लेकर गोला गोकर्णनाथ जा रहे थे। मोहम्मदी-गोला मार्ग पर भीखमपुर के पास इनकी बाइक पिकअप से टकरा गई।

हादसे में बड़ागांव निवासी आकाश की मौके पर मौत हो गई। शिवा और रितिक गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर, सदर कोतवाली के शीतलापुर निवासी 35 वर्षीय पुनीत तिवारी पुत्र शिव शंकर नकहा चौकी के केवलपुरवा गांव के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली से गिर गया। उसके ऊपर से ट्रॉली का पहिया गुजर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

ईडी की छापेमारी वाले राहुल गांधी के बयान पर भाजपा का पलटवार, कहा-जवाबदेही से बचने को हो रही बेतुका बयानबाजी

नई दिल्ली। ईडी की छापेमारी की योजना को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार किया है। भाजपा ने आज यहां कहा कि वायनाड भूस्खलन घटना में अपनी जवाबदेही से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की बयानबाजी हो रही है। भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि राहुल गांधी अपनी जवाबदेही से बचने के लिए इस तरह की अपुष्ट बातें कर रहे हैं। जिन बातों के स्रोत का पता नहीं, बस अपनी मर्जी से आरोप लगाते रहते हैं । साफ है वे वायनाड से लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने रणनीति के तहत ऐसा बयान दिया है। जब भी उनके सामने ऐसे कठिन सवाल या मुद्दे आते हैं, जिनका उनके पास कोई जवाब नहीं होता, तो वे उससे बचने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि वायनाड में संक्षिप्त उपस्थिति के बाद वे अपनी जिम्मेदारी से बचना चाह रहे हैं। वायनाड की इस घटना में 300 से अधिक लोग मारे गए हैं। उन्होंने वहां पिछले कई वर्षों में कुछ नहीं किया। आज वे वायनाड के मुद्दे और उसकी जवाबदेही की जांच से बचना चाहते हैं। पीड़ित कार्ड खेलना चाहते हैं लेकिन ऐसा बार बार नहीं कर सकते । राहुल गांधी लोगों को कुछ समय के लिए मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन हर समय लोगों को मूर्ख बनाया नहीं जा सकता।

देश भर में बने एम्स को विकसित करने में समय लगेगा : नड्डा

एजेंसी

नयी दिल्ली । सरकार ने आज कहा कि देश के विभिन्न भागों में बनने वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का उद्देश्य, उन भागों में, दिल्ली के एम्स के स्तर की चिकित्सा सुविधाएं विकसित करने का है और इसके लिए फैकल्टी एवं चिकित्सा मानकों को उस वैश्विक ब्रांड स्तर तक विकसित करने में कुछ समय लगेगा इसलिए लोगों को धैर्य पूर्वक प्रतीक्षा करनी चाहिए।

लोकसभा में प्रश्नकाल में झारखंड के देवघर में स्थापित एम्स में बाह्यरोगी विभाग जल्द खोलने की स्थानीय सांसद निशिकांत दुबे की मांग पर केन्द्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने उक्त स्पष्टीकरण दिया। श्री नड्डा ने कहा कि ये मांग अक्सर विभिन्न सांसदों द्वारा की जाती है कि एम्स में अमुक सुविधा जल्दी खोल दी जाये। उन्होंने कहा कि पहले तो वह बताना चाहेंगे कि एम्स खोलने का मकसद क्या है। उन्होंने कहा, अखिल भारतीय

आयुर्विज्ञान संस्थान के बारे में हमारा दृष्टिकोण है कि देश के हर कोने से लोगों को अपने इलाज के लिए दिल्ली न आना पड़े। जिस तरह से एम्स है दिल्ली में सेवा दी जाती है, एम्स को उसी ब्रांड नाम के साथ उसी स्तर की सेवा देनी चाहिए। लेकिन इसके लिए समय लगता है। दिल्ली का एम्स9 1950 के दशक में बना लेकिन उसका ब्रांड बनने में 1970 का दशक लगा। इसलिए देश के विभिन्न स्थानों पर जो एम्स बने हैं, उनमें फैकल्टी (शिक्षक) एवं चिकित्सा मानक दिल्ली के एम्स के स्तर के विकसित करने में समय लगेगा। यह काम धीरे धीरे होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तृतीयक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के साथ देश के हर क्षेत्र में 17 से अधिक एम्स खोलने का प्रयास किया है जिनमें से अनेक एम्स काम करने लगे हैं। देश में 1960-70 के दशक में, हमारे सबसे अच्छे डॉक्टर हुआ करते थे, वे कहते हैं कि हमारे पास देश में विश्व स्तरीय सुविधाएं नहीं है जो हम बाहर जा रहे हैं और आज प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 22 विश्व स्तरीय संस्थान बनाए हैं। हमारे पास विश्व का सर्वश्रेष्ठ हार्डवेयर आ गया है। अब सॉफ्टवेयर की जरूरत है जो निश्चित रूप में हमें मिलेगा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम के ए. राजा ने प्रधानमंत्री द्वारा कई वर्ष पूर्व मदुरै में एम्स बनाने की घोषणा का उल्लेख करते हुए जब पूछा कि दो चुनाव हो गये हैं लेकिन इस एम्स की स्थापना के लिए एक पत्थर तक नहीं लगा है, इस पर श्री नड्डा ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि मदुरै एम्स की स्थापना एवं निर्माण का काम जल्द शुरू हो।

शिक्षा को समवर्ती सूची से हटाने के लिए राज्यसभा में निजी संकल्प पेश

एजेंसी

नयी दिल्ली । शिक्षा को समवर्ती सूची से हटाकर संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत राज्यों का विषय बनाने को लेकर पेश निजी संकल्प को लेकर शुक्रवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर विवाद हुआ।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के मोहम्मद अब्दुल्ला ने निजी संकल्प पेश करके यह मांग की। इस संकल्प में मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट तथा इसे कराने वाली एजेन्सी राष्ट्रीय परीक्षा एजेन्सी (एनटीए)को समाप्त करने की भी मांग की गयी।

शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि नीट परीक्षा से संबंधित विषय सरकार के संज्ञान में है और उच्चतम न्यायालय ने इस बारे में आदेश भी दिया है। न्यायालय ने इस संबंध में एक समिति का गठन किया है। यह मामला न्यायालय के विचाराधीन है,इसलिए इस सदन को इस संकल्प पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जॉन ब्रिटास ने इसका विरोध करते हुए कहा कि नीट की परीक्षा न्यायालय के आदेश से शुरू नहीं हुई है बल्कि केन्द्र सरकार ने इसकी

शुरूआत की थी। उन्होंने कहा कि इस संकल्प पर चर्चा न कराने के लिए न्यायालय का बहाना लेना गलत है।

दुमुक के तिरूचि शिवा ने कहा कि जब इस संकल्प पर जवाब दिया जायेगा उस समय विधेयक वापस लेने के लिए आग्रह किया जा सकता है। भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी ने भी कहा कि उच्चतम न्यायालय ने बार-बार इस परीक्षा तथा एनटीए की जरूरत को सही ठहराया है। इसलिए न्यायालय के आदेश और उसकी भावना को देखते हुए इस संकल्प पर चर्चा नहीं की जानी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा , कोई भी सदन या सदस्यों के अधिकार को नहीं रोक रहा है, केवल मामला इतना है कि उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया है इसलिए हम इस विषय पर चर्चा नहीं करना चाहते।

बाद में उप सभापति हरिवंश ने कहा कि इस संकल्प को पेश करने वाले सदस्य सदन में संकल्प पेश करके संक्षिप्त में अपनी बात रख सकते हैं और फिर सदस्यों द्वारा चर्चा में हिस्सा लेने के बाद विधेयक को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी हटाए सरकार

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने शुक्रवार को सरकार से जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी हटाने की मांग की। लोकसभा में प्रश्नकाल के तुरंत बाद बंद्योपाध्याय ने यह मुद्दा उठाया और कहा कि बीमा प्रीमियम पर कर लगाना जनविरोधी है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसे वापस लेना चाहिए और विपक्षी आईएनडीआई गठबंधन की पार्टियों के सदस्यों ने इस मांग का समर्थन किया। बंद्योपाध्याय ने कहा, जीवन बीमा प्रीमियम और चिकित्सा बीमा पर लगाए गए 18 प्रतिशत जीएसटी को वापस लिया जाना चाहिए। यह जीएसटी जनविरोधी है, यह भारत के लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

एयर इंडिया ने इस्राइल के लिए उड़ान सेवाएं रोकीं, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की ईरान में हत्या के बाद से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। ईरान ने हानिया की मौत का बदला लेने के लिए इस्राइल पर हमले की धमकी दी है। इस्राइल हाई अलर्ट पर है। ऐसे हालात को देखते हुए भारतीय एयरलाइंस कंपनी एयर इंडिया ने भारत और इस्राइल की राजधानी तेल अवीव के बीच संचालित होने वाली उड़ान सेवाओं को रोकने का फैसला किया है।

8 अगस्त तक एयर इंडिया ने बर्खास्त की सेवाएं

एयर इंडिया ने एक बयान जारी कर बताया कि पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए हमने तेल अवीव के लिए प्रस्तावित संचालन को तुरंत प्रभाव से रोकने का फैसला किया है। तेल अवीव से यहां आने वाली और यहां से तेल अवीव जाने वाली विमानन सेवाएं फिलहाल 8 अगस्त 2024 तक रोकी गई हैं। हम लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि इस अवधि के दौरान जिन यात्रियों ने अपने टिकट बुक किए हुए हैं, उन्हें दोबारा टिकट बुक कराने पर एक बार छूट और कैंसिलेशन चार्ज से राहत दी जाएगी। अपने यात्रियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। अधिक जानकारी के लिए हमें 011-69329333 / 011-69329999 कॉल कर सकते हैं। गौरतलब है कि बुधवार को ईरान में हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की हत्या हो गई थी। हमास ने इसका आरोप इस्राइल पर लगाया। वहीं ईरान ने भी इस्राइल को हमले की धमकी दी। इसके जवाब में इस्राइल ने भी ईरान को कड़ा जवाब देने की बात कही है। इस्माइल हानिया की मौत से एक दिन पहले ही लेबनान के बेरूत में भी इस्राइल के हमले में हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर की मौत हो गई थी। जिस पर हिजबुल्ला ने भी इस्राइल को बदला लेने की धमकी दी है। हिजबुल्ला ने तो इस्राइल पर रॉकेट से हमले शुरू भी कर दिए हैं। इस्राइल हमास युद्ध की वजह से पहले से ही पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है, लेकिन अब ताजा घटनाक्रम से तनाव चरम पर पहुंच गया है और आशंका जताई जा रही है कि इस्राइल हमास युद्ध अब पूरे पश्चिम एशिया में फैल सकता है।

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी ओर प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लेवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछें कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादबच्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उन्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट' ? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं।

प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

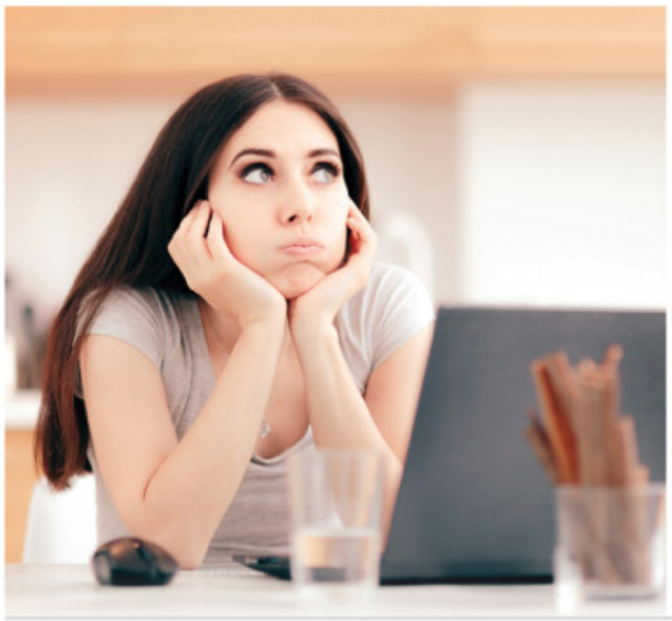

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

पेरिस ओलंपिक- पुरुष युगल बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में हारी सात्विक-चिराग की जोड़ी

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन के पुरुष युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को मौजूदा विश्व नंबर 3 मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक के खिलाफ 21-13, 14-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मलेशियाई जोड़ी का सामना सेमीफाइनल में चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया के अल्फियन फजर और अर्दियांतो मुहम्मद रियान को शिकस्त दी है। भारतीय जोड़ी का मलेशियाई विरोधियों के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 8-3 था, लेकिन उन्होंने अपने पिछले तीन मैच लगातार जीते थे। क्वार्टरफाइनल की शुरुआत बहुत करीबी रही, दोनों जोड़ियों ने सर्विस का आदान-प्रदान किया, लेकिन कोई भी लंबे समय तक गति नहीं पकड़ सका। भारतीयों के पास मध्य-खेल अंतराल पर 11-10 की मामूली बढ़त थी, लेकिन जल्द ही बढ़त हासिल करते हुए भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-13 से जीत लिया। दूसरे गेम में मलेशियाई टीम ने वापसी की और मध्य-खेल अंतराल पर भारतीयों पर 11-10 से बढ़त ले ली, फिर उन्होंने जल्दी ही अपनी बढ़त को 16-12 तक बढ़ा लिया। प्रत्येक टीम ने सर्विस में गलती की, जिसके परिणामस्वरूप मलेशियाई टीम के पक्ष में 17-14 का स्कोर हुआ। इसके बाद मलेशियाई टीम ने अंत में दूसरा गेम 21-14 से जीता और मैच को 1-1 से बराबर कर दिया, जिससे मैच निर्णायक गेम में चला गया।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गायकवाड़ लंबे समय से ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे। वह पिछले महीने तक लंदन में थे और बड़ौदा में उनका निधन हो गया। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक बयान में रोजर बिन्नी ने कहा कि अंशुमान गायकवाड़ का क्रिकेट के प्रति 'समर्पण, लचीलापन और प्यार' बेजोड़ था।

रोजर बिन्नी ने कहा, अंशुमान गायकवाड़ का निधन भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी क्षति है। खेल के प्रति उनकी लगन, दृढ़ता और प्यार बेजोड़ था। वह सिर्फ एक क्रिकेटर ही नहीं थे, बल्कि कई लोगों के लिए एक मार्गदर्शक और मित्र थे। क्रिकेट समुदाय उन्हें बहुत याद करेगा और उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं, जो इस नुकसान से उबर रहे हैं।

पेरिस ओलंपिकः भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेल्जियम से 1-2 से हारी

पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को पेरिस 2024 ओलंपिक में पहली हार का सामना करना पड़ा। गत चैंपियन बेल्जियम ने पूल बी मैच में भारत को 2-1 से शिकस्त दी। भारतीय टीम ने मैच के 18वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली, जब आर्थर डी स्लोवर की गलती का फायदा उठाते हुए अभिषेक ने गोल किया। हालाँकि, 33वें मिनट में थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने गोल कर बेल्जियम को 1-1 से बराबरी दिला दी। इस गोल के ग्यारह मिनट बाद, जॉन-जॉन डोहमेन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बेल्जियम की बढ़त 2-1 कर दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। भारत चार मैचों के बाद सात अंकों के साथ ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर है, जबकि बेल्जियम चार जीत के साथ शीर्ष पर है। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने अपने अभियान के पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया, इससे पहले अर्जेंटीना ने उसे 1-1 से ड्रॉ पर रोका था। अपने पिछले मैच में, मेन इन ब्लू ने आयरलैंड को 2-0 से हराया था। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम पहले ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है और भारतीय समयानुसार शाम 4:45 बजे पूल बी के अपने अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

पेरिस ओलंपिकः पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में भारतीयों ने किया निराश

पेरिस। भारतीय धावक विकास सिंह ने पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में 1:22:36 का समय निकालकर 30वां स्थान हासिल किया। अपने सराहनीय प्रयास के बावजूद, इस स्पर्धा में तीन भारतीय एथलीटों में सबसे तेज विकास पदक हासिल नहीं कर सके। 28 वर्षीय विकास ने इससे पहले पिछले साल एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। विकास के साथ दौड़ में परमजीत सिंह बिष्ट भी शामिल थे, जिन्होंने ओलंपिक में पदार्पण किया। परमजीत ने 1:23:48 में दौड़ पूरी की और 37वें स्थान पर रहे। उन्होंने अपने एथलेटिक करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया। दुर्भाग्य से, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह को झटका लगा, क्योंकि वह केवल 6 किलोमीटर की दूरी पूरी करने के बाद दौड़ से बाहर हो गए, जिससे वह स्पर्धा पूरी नहीं कर पाए।

ट्रोकाडेरो में आयोजित इस रेस में इक्वाडोर के एथलीट ब्रायन डैनियल पिंटाडो ने 1:18:55 के प्रभावशाली समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ब्राजील के कैओ बोनफिम ने 1:19:09 के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। स्पेन के अल्वारो मार्टिन ने 1:19:11 के समय के साथ कांस्य पदक जीतकर पोडियम पूरा किया।

सर क्लाइव लॉयड ने आईसीसी से वैश्विक राजस्व वितरण में वित्तीय असमानता को हल करने का किया आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सर क्लाइव लॉयड ने वैश्विक राजस्व वितरण मॉडल में सुधार की मांग की है। हाल ही में ग्रेनाडा में कैरेबियाई क्षेत्र के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ द कैरेबियन कम्युनिटी (ओसीसी) को प्राप्त करते हुए, लॉयड ने मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) वेस्टइंडीज को वित्तीय असमानता के लिए मुआवजा दे।

बारबाडोस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्व वितरण मॉडल के कष्टप्रद मुद्दे को संबोधित करते हुए, लॉयड ने विश्व क्रिकेट समुदाय को याद दिलाया कि जब वेस्टइंडीज की टीम अपने शिखर पर थी, तो क्षेत्रीय बोर्ड के लिए कोई वित्तीय पुरस्कार नहीं था। उन्होंने तर्क दिया, अब जबकि वैश्विक खेल एक मजबूत वित्तीय स्थिति में है, यह विंडीज के लिए उचित हिस्सा पाने का समय है। उन्होंने कहा, हमारे वर्चस्व के वर्षों में हमने कोई अतिरिक्त धन नहीं मांगा। लेकिन अब मुझे बताया गया है कि

जब वे आईसीसी में धन का वितरण करते हैं, तो इंग्लैंड को 180 मिलियन डॉलर, ऑस्ट्रेलिया को 180 मिलियन डॉलर, भारत को 180 मिलियन डॉलर और हमें 80 मिलियन डॉलर मिलते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि उन्हें यह असमानता कहां से मिलती है?

आईसीसी राजस्व वितरण प्रणाली को 2015 में पुनर्गठित किया गया था, जिसमें बोर्ड को उनके देशों से आईसीसी राजस्व में योगदान के आधार पर शेयर आवंटित किए गए थे। लगभग 90 प्रतिशत राजस्व भारत से उत्पन्न होता है, और बीसीसीआई को आईसीसी की आय का लगभग 39 प्रतिशत प्राप्त होता है। लॉयड ने कहा, जब हम अग्रणी थे, तो हर कोई खेलना चाहता था - हम सर्दियों में दो दौरे खेल रहे थे। हम इन लोगों के लिए नकदी गाय थे। लेकिन अब जब हम थोड़े निराश हो गए हैं, तो कोई भी यह नहीं कह रहा है कि, वेस्टइंडीज को कुछ मदद की जरूरत है। सर क्लाइव ने बताया कि वित्तीय असंतुलन हमेशा से रहा है, तब भी जब वेस्टइंडीज जीत रहा था, लेकिन अब यह और भी बदतर हो गया है क्योंकि क्रिकेट में अधिक पैसा आ रहा है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हमारे बोर्ड के लोग आईसीसी को विशेष रूप से बुलाएँ। 10 या 12 लोगों को भेजें, जिनके बारे में हम जानते हैं कि उनमें क्षमता है, और जो अतिरिक्त चाहिए, उन्हें बताएँ कि हमें कुछ विशेष छूट की आवश्यकता है।

पेरिस ओलंपिक: कार दुर्घटना में बाल-बाल बचीं भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करने वाली भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर की कार को एक अन्य वाहन ने टक्कर मार दी थी लेकिन वह पूरी तरह ठीक हैं। वो अपनी स्पर्धा में तय कार्यक्रम के तहत प्रतिभाग करेंगी। टक्कर के समय कार में दीक्षा के माता-पिता और भाई थे, सभी ठीक हैं। दरअसल, भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर, जो 7-10 अगस्त तक पेरिस ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करने वाली हैं, अपने पिता कर्नल नरिंदर डागर, भाई के साथ 30-31 जुलाई की मध्य रात्रि पेरिस शहर में कहीं जा रही थीं। तभी एक वाहन ने उनकी कार को जबरदस्त टक्कर मार दी। गोल्फर की मां को रीढ़ की हड्डी में थोड़ी चोट आई है, बाकि सभी ठीक हैं। भारतीय गोल्फ संघ दीक्षा और उनके परिवार को हर प्रकार की मदद करने में लगा है। भारतीय गोल्फ संघ के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह ने कहा है कि हमने दुर्घटना के बाद दीक्षा के पिता कर्नल डागर से बात की और पुष्टि की कि परिवार सुरक्षित है। टक्कर की वजह से दीक्षा की मां की रीढ़ की हड्डी में तनाव आया है, वो चिकित्सकीय देखरेख में हैं। बाकि परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित और स्वस्थ हैं। ब्रिजिंदर सिंह ने कहा कि भारतीय गोल्फ संघ की ओर से मैं दोहराना चाहूंगा कि हम परिवार के साथ लगातार संपर्क में हैं और इस स्थिति में जो भी संभव सहायता होगी प्रदान करना जारी रखेंगे। उन्होंने खुशी जताई कि दीक्षा जैसी प्रतिभा तय कार्यक्रम के अनुसार दूसरी बार ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। आईजीयू और गोल्फ बिरादरी और प्रशंसकों की ओर से, मैं उनके यादगार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देता हूं। बतादें कि ब्रिजिंदर सिंह पुरुषों की गोल्फ प्रतियोगिता देखने के लिए पेरिस में हैं, जो आज से शुरू हो रही है। इसमें शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर 60 सदस्यीय क्षेत्र में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

पेरिस ओलंपिक से बाहर होने पर सिंधु ने कहा-यदि पहला सेट जीत जाती तो नतीजा कुछ और होता

एजेंसी

पेरिस। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु का मानना है कि अगर वह पहला सेट जीत जातीं तो पेरिस ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा के प्री-क्वार्टरफाइनल का परिणाम अलग हो सकता था। छठी वरीयता प्राप्त चीनी शटलर ही बिंग जियाओ के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में सिंधु को हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल स्पर्धा में उनका अभियान सीधे सेटों में 21-19, 21-14 से हार के साथ समाप्त हुआ। पहला सेट काफी करीबी मुकाबला था, भले ही जियाओ ने सेट के शुरुआती चरणों में अच्छी बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन सिंधु ने वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया।

शुरुआती सेट का निर्णायक क्षण तब आया जब सिंधु ने 20वें अंक के लिए निर्णय को चुनौती दी। शटलकॉक लाइन पर आ गया, जिससे चीनी शटलर को गेम में आगे बढ़ने का मौका मिल गया। जियाओ ने पहला सेट और अंततः गेम अपने नाम कर लिया। मैच के बाद सिंधु ने महसूस किया कि अगर वह पहला सेट जीत जाती तो नतीजा अलग हो सकता था। सिंधु ने मैच के बाद कहा,हाँ, मुझे लगता है कि यह दुखद है कि मैं वह परिणाम नहीं पा सकी जो मैं चाहती थी। ओलंपिक में,

हर कोई जीतना चाहता है, लेकिन दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हो सका, या यह मेरे लिए सही नहीं रहा। पहला गेम थोड़ा अलग हो सकता था, खासकर, मुझे लगता है कि 19-19 के स्कोर पर, यह किसी का भी खेल हो सकता था। मैंने इसे चुनौती दी। यह अच्छा होता अगर यह मेरे पक्ष में होता, लेकिन यह लाइन पर था, और यह 20-19 उसके पक्ष में था। शायद अगर मैं पहला सेट जीत जाती, तो यह अलग होता। मेरा आत्मविश्वास बहुत अधिक होता।

दूसरे सेट में, जियाओ के खेल की अथक शैली ने सिंधु को वापसी करने का कोई मौके नहीं दिया और खेल धीरे-धीरे सिंधु के हाथों से फिसल गया। जियाओ ने 21-14 से जीत के साथ दूसरा सेट सुरक्षित करके प्रभावशाली प्रदर्शन किया। सिंधु ने कहा, मुझे लगता है कि दूसरे गेम में, शुरुआत अच्छी रही, और फिर उसने बढ़त बना ली। कुल मिलाकर, मुझे लगा कि यह एक दुखद दिन था, लेकिन मुझे अपना सिर ऊंचा रखना होगा।

पेरिस ओलंपिक : जोकोविच ने स्वर्ण की उम्मीदें बरकरार रखीं, सेमीफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी

पेरिस। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में स्टेफानोस सितसिपास के खिलाफ यादगार वापसी करते हुए पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में सितसिपास पर 6-3, 7-6 से जीत हासिल करने के बाद जोकोविच ने अपने पहले ओलंपिक स्वर्ण की उम्मीदों को जीवित रखा है।

दूसरे सेट में, जोकोविच स्पष्ट रूप से असहज थे और उन्होंने अपने दाहिने घुटने के लिए दो बार फिजियो को बुलाया। अनुभवी टेनिस स्टार ने पहले सेट में आरामदायक जीत हासिल की। सितसिपास ने अपने मजबूत बैकहैंड खेल पर भरोसा किया, लेकिन जोकोविच के सटीक फोरहैंड शॉट्स ने उन्हें ग्रीस के टेनिस खिलाड़ी पर हावी होने दिया।

शुरुआती सेट में 6-3 से जीत हासिल करने के बाद, जोकोविच ने अपने दाहिने घुटने में दर्द का अनुभव होने के बाद संघर्ष करना शुरू कर दिया।उपचार प्राप्त करने के बाद, सर्बियाई स्टार अपने मूवमेंट में अधिक आश्वस्त दिखे। उन्होंने 4-5 पर तीन सेट पॉइंट बचाए और अंत में दूसरा सेट 7-6 से जीतकर सेमीफाइनल के लिए अपना टिकट

पक्का कर लिया। सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना इटली के 11वें वरीय लोरेंजो मुसेट्टी होंगे, जिन्होंने मौजूदा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अलेक्जेंडर ज़ेवरेव को हराकर एक उल्लेखनीय उलटफेर किया।

मुसेट्टी ने क्वार्टर फाइनल में जर्मन स्टार को 7-5, 7-5 से हराया। जोकोविच ने हाल ही में विंबलडन सेमीफाइनल में मुसेट्टी का सामना किया और लगातार तीन सेटों में जीत हासिल करके उन्हें हार का स्वाद चखाया। जोकोविच अगर इतालवी के खिलाफ अपना मुकाबला जीत जाते हैं और कार्लोस अल्काराज अपने अंतिम चार मैच जीतने में सफल हो जाते हैं, तो दोनों स्वर्ण पदक मैच में आमने-सामने होंगे। अल्काराज ने टॉमी पॉल को 6-3, 7-6 (7) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पेरिस ओलंपिक: स्टार जिमनास्ट सिमोन बाइल्स ने महिलाओं के ऑल-अराउंड फाइनल में जीता स्वर्ण

एजेंसी

पेरिस। अमेरिकी स्टार जिमनास्ट सिमोन बाइल्स ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के ऑल-अराउंड फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।अमेरिकी जिमनास्ट ने कुल 59.131 अंकों के साथ ब्राजील की रेबेका एंड्रेड को पीछे छोड़ा। उनकी हमवतन और टोक्यो ओलंपिक विजेता सुनीसा ली ने कुल 56.465 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। रेबेका ने 57.932 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जो ग्रीष्मकालीन खेलों में उनका छठा पदक था।

सुनीसा पिछले 15 महीनों में कई किडनी रोगों से जूझ रही हैं। लेकिन जब स्थिति की मांग हुई, तो उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पोडियम फिनिश हासिल की। ??महिलाओं की ऑल-अराउंड स्पर्धा में बाइल्स की जीत ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में उनका दूसरा स्वर्ण पदक चिह्नित किया। वह लारिसा लैटिनिना और वेरा कैस्लावस्का के साथ दो बार की ओलंपिक ऑल-

अराउंड चैंपियन के अनन्य क्लब में शामिल हो गईं।पहले दो चक्करों के बाद अमेरिकी जिमनास्ट ब्राजीलियाई से पीछे थीं। प्रतियोगिता के पहले भाग में अस्थिर असमान बार रूटीन के बाद, बाइल्स ने खुद को पीछे पाया। दूसरे चक्कर के अंत में, रेबेका 29.766 अंकों के साथ शीर्ष पर थीं। उनके बाद क्रमशः 29.566 अंकों और 29.566 अंकों के साथ अल्जीरिया की कायलिया नेमोर और 29.566 अंकों के साथ सिमोन बाइल्स का स्थान रहा। हालांकि, दूसरे चक्कर के बाद, बाइल्स पूरी तरह से लय मेम आ गईं और रेबेका को शीर्ष से हटा दिया। तीसरे चक्कर के बाद, बाइल्स 44.065 अंकों के साथ शीर्ष पर थीं। उन्होंने बढ़त बरकरार रखी और स्वर्ण पदक हासिल किया। अपनी जीत के बाद, बाइल्स के विश्व और ओलंपिक पदकों की संख्या अब 39 हो गई है। इसके साथ ही, अमेरिकी जिमनास्ट के नाम सर्वाधिक विश्व चैंपियनशिप पदक (30) और सर्वाधिक महिला ऑल-अराउंड विश्व खिताब (छह) का रिकॉर्ड भी है।

श्रीगुरू गोरखनाथ मन्दिर परिसर में दो से चार अगस्त तक आयोजित होगी प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता

एजेंसी

अमेठी। जिला खेल कार्यालय के उपक्रीड़ाधिकारी शमीम अहमद ने बताया कि क्षेत्रीय खेल कार्यालय अयोध्या के अनुपालन में वर्ष 2024-25 में आयोजित होने वाली दो दिवसीय विशेष सीनियर कुश्ती पुरूष प्राइजमनी प्रतियोगिता हेतु जिला एवं मण्डल स्तरीय चयन या ट्रायल्स तिथियां निर्धारित की गयी हैं। सीनियर कुश्ती पुरूष प्राइजमनी प्रतियोगिता गोरखपुर का जिला स्तर ट्रायल्स अमेठी में दो अगस्त एवं मण्डल स्तर ट्रायल्स अयोध्या में तीन अगस्त तथा प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता श्रीगुरू गोरखनाथ मन्दिर परिसर गोरखपुर में दो अगस्त से चार अगस्त 2024 तक आयोजित की जायेगी।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त खेल का जिला स्तर चयन या ट्रायल्स दो अगस्त को प्रातः दस बजे से डॉ भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम, अमेठी में आयोजित है। उपरोक्त चयन में भाग लेने वाले बालक निर्धारित भार वर्ग के तहत केसरी भार वर्ग में 74 किलोग्राम से ऊपर (सीनियर आयु पुरूष वर्ग), कुमार भार वर्ग में 60 से 70 किलो ग्राम (सीनियर आयु पुरूष वर्ग) एवं वीर अभिमन्यु भार वर्ग में पचास से साठ किलो ग्राम (सीनियर आयु पुरूष वर्ग) तथा विजेता उपविजेता खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार, गदा एवं प्रमाण-पत्र दिया जायेगा।

ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले को एक करोड़ रुपये का इनाम: एकनाथ शिंदे

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले को राज्य सरकार की ओर से 1 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की है। इसके साथ ही मध्य रेलवे ने स्वप्निल कुसाले को अधिकारी पद पर प्रमोशन देने की घोषणा की है। मध्य रेलवे के महा प्रबंधक राम करन यादव ने कहा कि स्वप्निल को अलग से इनाम घोषित किया जाएगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि उन्हें स्वप्निल कुसाले पर गर्व है। स्वप्निल कुसाले ने पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी की 50 मीटर राइफल स्पर्धा में थ्री पोजीशन में कांस्य पदक जीता। यह पदक महाराष्ट्र के लिए खास है। क्योंकि 1952 में हेलसिंकी ओलंपिक में खाशाबा जाधव ने कुश्ती में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। इसके 72 साल बाद कोल्हापुर के ही स्वप्निल कुसाले ने महाराष्ट्र पद दिलाया है। स्वप्निल के रोल मॉडल टीम इंडिया के कैप्टन कूल

महेंद्र सिंह धोनी हैं। ठीक वैसे ही जैसे धोनी अपने जीवन में एक टिकट कलेक्टर थे। इसी तरह स्वप्निल भी सेंट्रल रेलवे में टिकट कलेक्टर के पद पर काम करते हैं। मैदान पर धोनी के शांत स्वभाव का प्रभाव उनके जीवन पर था। जिसका असर उनकी शूटिंग में भी देखने को मिला। मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राम करण यादव ने कहा कि स्वप्निल वर्तमान में मध्य रेलवे के पुणे डिविजन में टीसी के पद पर कार्यरत हैं। यह मध्य रेलवे के लिए गौरव की बात है। रामकरन यादव ने घोषणा की कि स्वप्नील को भारतीय रेलवे द्वारा उचित सम्मान दिया जाएगा और पेरिस से भारत आने पर तुरंत एक अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रेल मंत्री स्वप्नील के लिए नकद इनाम की भी घोषणा करेंगे।

पेरिस ओलंपिक: सिफ्ट कौर, मौदगिल 50 मीटर राइफल 3पी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल

एजेंसी

पेरिस। भारत की सिफ्ट कौर समरा और अंजुम मौदगिल पेरिस 2024 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहीं और क्वालीफिकेशन राउंड में बाहर हो गईं। 22 वर्षीय सिफ्ट ने अपने ओलंपिक पदार्पण पर 575-22× का कुल स्कोर बनाया और 31वें स्थान पर रहीं, जो नीचे से सिर्फ़ एक स्थान ऊपर है। इस बीच, मौदगिल 584-26× के स्कोर के साथ 18वें स्थान पर रहीं। कल होने वाले फाइनल में केवल शीर्ष आठ निशानेबाज ही हिस्सा लेंगे।

यूएसए की सेगेन मैडालेना और चीनी निशानेबाज झांग कियोनग्यू ने 593 का ओलंपिक क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड स्कोर बनाया। एशियाई खेलों 2023 में, समरा ने 469.6 के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने पिछले साल विश्व विश्वविद्यालय खेलों में व्यक्तिगत और टीम दोनों स्पर्धाओं में 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन खिताब भी जीते थे। 30 वर्षीय मौदगिल ने टोक्यो 2020 में हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं। 2018 में, उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप का रजत पदक जीता। महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन क्वालिफिकेशन राउंड में समरा 31वें और अंजुम मौदगिल 18वें स्थान पर रहीं।

इससे पहले, स्वप्निल कुसाले ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वह पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बने। इस पदक के साथ ही भारत ने पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में तीन कांस्य पदक हासिल कर लिए हैं। इससे पहले, निशानेबाजी में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2012 लंदन ओलंपिक में आया था, जब विजय कुमार ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत और गगन नारंग ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

भारत को पहला निशानेबाजी पदक राज्यवर्धन सिंह राठौर ने पुरुषों की डबल ट्रैप शूटिंग में दिलाया था, जब उन्होंने 2004 एथेंस ओलंपिक में रजत पदक जीता था। इसके बाद बीजिंग ओलंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में अभिनव बिंद्रा ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता, जो किसी भी खेल में देश का पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी था।

पेरिस ओलंपिक: एच.एस. प्रणय को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

एजेंसी

पेरिस। लक्ष्य सेन ने ला चैपल एरिना में अखिल भारतीय राउंड ऑफ 16 मुकाबले में एच.एस. प्रणय को 21-12, 21-6 से हराकर पेरिस 2024 ओलंपिक बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पहला गेम 21 मिनट में जीतने के बाद सेन ने दूसरे गेम को एकतरफा अंदाज में जीतते हुए प्रणय को धूल चटा दी । क्वार्टर फाइनल में सेन का सामना चीनी ताइपे के 12वें वरीय चोउ टिएन चेन से

होगा, जो राउंड ऑफ 16 में जापान के कोडाई नाराओका को हराकर अंतिम आठ में पहुंचे थे। इससे पहले दिन में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पुरुष युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हार गए, उन्हें मौजूदा विश्व नंबर 3 मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक के खिलाफ 21-13, 14-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। आज कुछ देर बाद पीवी सिंधु महिला एकल राउंड ऑफ 16 में चीन की ही बिंज जियाओ के खिलाफ खेलेंगी।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर स्वप्निल कुसाले की सराहना की

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले की सराहना की। कुसाले पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं। मंडाविया ने कहा कि कुसाले की उपलब्धि से देश गौरवान्वित होगा। मंडाविया ने एक्स पर लिखा, स्वप्निल कुसाले को पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के लिए बधाई! इस स्पर्धा में ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय--आपकी उपलब्धि हमें अविश्वसनीय रूप से गौरवान्वित करती है। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी चल रहे बहु-खेल आयोजन में स्वप्निल कुसाले के 'शानदार प्रदर्शन' की सराहना की। गंभीर ने एक्स पर लिखा, शानदार प्रदर्शन के लिए स्वप्निल कुसाले को बधाई! बहुत बढ़िया किया।

कुसाले ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। कुसाले पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बने। कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुषों के फाइनल में 451.4 के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर भारत के लिए कांस्य पदक जीता। उन्होंने कुल मिलाकर निशानेबाजी में भारत का तीसरा पदक हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में, कुसाले ने बुधवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी के क्वालिफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर और स्वप्निल कुसाले दोनों पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी जबकि तोमर 589-33× के कुल स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहे। केवल शीर्ष आठ निशानेबाज ही फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई कर पाए और तोमर फाइनल राउंड में अपनी जगह बनाने में असफल रहे। कुसाले ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी मेडल स्पर्धा में जगह बनाने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी थे।

पेरिस ओलंपिकःभारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन राउंड ऑफ़ 16 मुकाबले में वू यू से हारीं

एजेंसी

पेरिस। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता निखत ज़रीन नॉर्थ पेरिस एरिना में पेरिस 2024 ओलंपिक की महिलाओं की 50 किग्रा मुक्केबाजी के राउंड ऑफ 16 में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की वू यू से 0:5 से हार गईं। वू ने पहला राउंड 4-1 से जीता, जिसमें पाँच में से चार जजों ने उनके पक्ष में फ़ैसला सुनाया। इसके बाद उन्होंने दूसरे राउंड में 3-2 से जीत दर्ज की और तीसरे राउंड में भी शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले से पहले, दो बार की विश्व चैंपियन निखत ने 2022 के बाद से सिर्फ़ दो मुकाबले हारे थे।

वह राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता भी हैं। इससे पहले, दो बार की विश्व चैंपियन ने जर्मनी की मैक्सी कैरिना क्लोएत्ज़र पर शानदार जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

एडवांस बुकिंग की रेस में अजय देवगन आगे या जान्हवी कपूर

कल यानी 2 अगस्त को दो बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं. इनमें अजय देवगन की 'औरों में कहां दम था' और जान्हवी कपूर की 'उलझ' का नाम शामिल है. दोनों फिल्में काफी समय से चर्चा में थीं. इन फिल्मों की एडवांस बुकिंग के आंकड़े सामने आए हैं. आइए देखते हैं एडवांस बुकिंग के मामले में कौन सी फिल्में आगे हैं. 'औरों में कहां दम था' की बुकिंग 31 अगस्त से शुरू हो गई थी. वहीं 'उलझ' की बुकिंग आज यानी 1 अगस्त से शुरू हो गई है.'औरों में कहां दम था' में अजय देवगन के साथ तबू भी लीड रोल में हैं. इस रोमांटिक थ्रिलर फिल्म को नीरज पांडे ने डायरेक्ट किया है. sacnilk की रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक (खबर लिखे जाने तक) इस फिल्म के 5735 शो की 15564 टिकटें बिक चुकी हैं. इस पिक्चर ने एडवांस बुकिंग से 24 लाख से ज्यादा कलेक्शन किया है.

जान्हवी कपूर की 'उलझ' 1/s अजय देवगन की 'औरों में कहां दम था'

'उलझ' की एडवांस बुकिंग अजय देवगन की 'औरों में कहां दम था' से देरी से शुरू हुई. बुकिंग के मामले में ये 'औरों में कहां दम था' से पीछे है. बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, अब तक टॉप 3 नेशनल चेन- पीवीआर, आईनॉक्स और सिनेपोलिस में इस फिल्म की 750 से भी कम टिकटें बिकी हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पिक्चर की पहले दिन की कमाई 1 करोड़ रुपये तक हो सकती है. दोनों ही फिल्मों की एडवांस बुकिंग बहुत अच्छी नहीं रही है. शुरुआती आंकड़ों को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल कर पाएंगी.

अजय और तब्बू की 'औरों में कहां दम था'

इस साल अब तक अजय देवगन की दो फिल्में रिलीज हुई हैं. इनमें 'मैदान' और 'शैतान' शामिल हैं. उनकी 'शैतान' को दर्शकों ने काफी पसंद किया था. इस मूवी में उनके साथ आर माधवन थे. ये पिक्चर बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी. करीब 60 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 213.55 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. अजय देवगन की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'मैदान' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई थी. करीब 100 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 71.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया था.

तबू की 'क्रू'

तबू की 'क्रू' भी इसी साल रिलीज हुई थी. इस पिक्चर में करीना कपूर और कृति सेनन भी लीड रोल में थीं. ये मूवी 75 करोड़ रुपये में बनी थी. इस पिक्चर ने 151.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. इस फिल्म ने अपने कंटेंट के दम पर दर्शकों का दिल जीत लिया था.

जान्हवी कपूर की फिल्में

जान्हवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही' भी इसी साल रिलीज हुई थी. इसमें उनके साथ राजकुमार राव भी थे. इस फिल्म ने करीब 50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. उनकी आने वाली फिल्म का नाम 'देवरा' है. इस मूवी में वो जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी.

कार्तिक आर्यन की Bhool Bhulaiya 3 पर असली खबर तो अब आई है, 15 अगस्त के बाद मिलेगी गुड न्यूज!

कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर समय समय पर अपडेट सामने आते रहते हैं. इस फिल्म की शूटिंग इसी साल मार्च में शुरू हुई थी. तब से लेकर अब तक कई महीनों से टीम फिल्म की शूटिंग में बिजी है. लेकिन बताया जा रहा है कि इसकी शूटिंग अब अपने आखिरी पड़ाव में है. रियल लोकेशन पर 75 दिनों की मेहनत के बाद अब इस फिल्म की शूटिंग 2 अगस्त को खत्म होने वाली है और प्रोडक्शन का काम भी पूरा होने वाला है.रिपोर्ट्स के मुताबिक अब जैसे-जैसे फिल्म का प्रोडक्शन का काम पूरा हो रहा है. फिल्ममेकर इसकी मार्केटिंग की ओर बढ़ रहे हैं. इसके साथ ही कार्तिक आर्यन, अनीस बज्मी, भूषण कुमार और 'भूल भुलैया 3' की पूरी टीम एक स्पेशल टीजर कट के लिए कड़ी मेहनत कर रही है. फिल्म को दिवाली पर रिलीज करने को ध्यान में रखते हुए टीजर पर काम चल रहा है और फिल्ममेकर 15 अगस्त तक ये कट तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं. अब जैसे ही एक बार जब कट ङ्क्षस्नङ्क्ष आउटपुट के साथ लॉक हो जाएगा, तो फिल्ममेकर्स लॉन्च की तारीख तय करेंगे.

फिल्म का साउंडट्रैक

'भूल भुलैया 3' ऐसी फिल्म है, जिसका इंतजार लंबे समय से किया जा रहा है. ऐसे में फिल्म से उम्मीद की जा रही है कि ये बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेगी. इसके साथ ही फिल्म का म्यूजिक भी काफी हाइलाइट होने वाला है. साउंडट्रैक में कार्तिक आर्यन का नया टाइटल ट्रैक और 'अमी जे तोमार ' शामिल है, जिसमें विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी नजर आएंगी. इससे पहले फिल्म के दूसरे पार्ट में कार्तिक आर्यन का 'अमी जे तोमार' गाना दर्शकों को काफी पसंद आया था. उनकी परफॉर्मेंस ने लोगों का दिल जीत लिया था.

पहली फिल्में

इस फिल्म का पहला पार्ट यानी 'भूल भुलैया', 2007 में आया था. उसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन और अमीषा पटेल नजर आए थे. फिल्म हिट साबित हुई थी. इसके बाद साल 2022 में 'भूल भुलैया 2' आई. इसमें अक्षय कुमार की जगह कार्तिक आर्यन नजर आए. उनके साथ कियारा आडवाणी और तबू लीड रोल में थी.

सनी देओल की 'बॉर्डर 2' में दिलजीत दोसांझ की एंट्री, आयुष्मान खुराना पर अटकी बात!

सनी देओल जब गदर 2 के साथ बड़े पर्दे पर लौटे तो दर्शकों ने उनका दिल खोलकर स्वागत किया. पिछले साल रिलीज हुई 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया था. इस फिल्म ने छप्परफाड़ कमाई भी की थी. 'गदर 2' की सक्सेस के बाद Border 2 की अनाउंसमेंट की गई. इस क्लासिक फिल्म की रिलीज का दर्शक दिल थामकर इंतजार कर रहे हैं. 'बॉर्डर 2' का भारत की सबसे बड़ी युद्ध फिल्म के नाम पर प्रमोशन किया जा रहा है. फिल्म की स्टार कास्ट लंबे वक्त से सुर्खियों का हिस्सा बनी हुई हैसनी देओल जहां एक बार फिर से मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे. वहीं काफी वक्त से खबरें आ रही हैं कि आयुष्मान खुराना भी इस फिल्म में अहम रोल में दिखाई देंगे. हालांकि आयुष्मान के नाम की अभी तक ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है. इसी बीच ताजा रिपोर्ट की मानें तो 'बॉर्डर 2' में सनी देओल के साथ अब एक और एक्टर की एंट्री हो गई है.

पिपिंगमून की एक रिपोर्ट की मानें तो 'बॉर्डर 2' के साथ पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ का नाम जुड़ गया है. अब दिलजीत फिल्म में सनी देओल के साथ नजर आएंगे. हालांकि अगर ये खबर कंफर्म होती भी है तो इसमें कोई हैरानी नहीं होगी. क्योंकि दिलजीत लगातार फिल्म के डायरेक्टर अनुराग सिंह के साथ कॉन्टेक्ट में थे. फिल्म की बाकी स्टार कास्ट से भी अभी तक पर्दा नहीं उठा है. वहीं दिलजीत का ङ्गक्चशह्म्स्रद्गह्म् 2 में क्या और किस तरह का रोल होगा, इसकी जानकारी भी सामने नहीं आई है.दिलजीत दोसांझ पहले भी 5 फिल्मों में डायरेक्टर के साथ काम कर चुके हैं.

वहीं अगर आयुष्मान खुराना की कास्टिंग की बात की जाए, तो अभी तक उनके नाम का फाइनल होने का प्रोसेस जारी है. आयुष्मान के नाम पर अभी तक फाइनल स्टैंप नहीं लगी है. खबरें तो ये भी हैं कि सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी भी स्टार कास्ट में शामिल होंगे. हालांकि इसपर भी अभी तक फिल्म की टीम की तरफ से किसी भी तरह की कंफर्मेशन नहीं आई है.

सलमान खान ने बचाया था इस डायरेक्टर का डूबता हुआ करियर, करण जौहर से विवाद के बाद काम मिलना हो गया था बंद

फिल्म 'कल हो न हो' को निखिल आडवाणी ने डायरेक्ट किया था. उन्होंने अपने डायरेक्टोरियल करियर की शुरुआत धर्मा प्रोडक्शन के साथ की थी. 'कल हो न हो' उनकी ऐसी फिल्म है, जो आज भी देखी जाती है. इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था. लेकिन इसके तुरंत बाद ही फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर और डायरेक्टर निखिल आडवाणी के बीच किसी वजह से मनमुटाव हो गया, जिसके बाद दोनों ने अपने रास्ते अलग-अलग कर लिए. लेकिन धर्मा प्रोडक्शन से अलग होने के बाद निखिल को इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया और उनका करियर डूबने की कगार पर आ गया. ऐसे में उनकी मदद सलमान खान ने की थी.

निखिल आडवाणी ने सलमान खान को मसीहा बताते हुए कहा, सलमान खान इंडस्ट्री के मसीहा हैं, इसलिए क्योंकि जैसे ही मैं धर्मा प्रोडक्शंस के दरवाजे से बाहर निकला. मुझे सलमान का फोन आया उन्होंने मुझसे कहा कि आओ और मुझसे मिलो. अब तुम मेरे लिए काम करोगे, तुम मेरे लिए एक फ़िल्म बनाओगे. निखिल ने बताया कि करण जौहर से रिश्ते बिगड़ने के बाद उन्हें काम मिलना बंद हो गया था. वो कई साल तक काम के लिए इंतजार करते रहे. लेकिन बॉलीवुड के ही लोगों ने उनका फोन उठाना बंद कर दिया था. इसी दौरान उन्हें सलमान खान से मिलने का मौका मिला. यही वजह थी कि उन्होंने सालों बाद सूरज पंचोली की 'हीरो' को डायरेक्ट किया था.

सलमान खान को बताया रियल हीरो

उन्होंने आगे कहा, मैंने हीरो इसलिए की, क्योंकि सलमान ने मुझे कॉल की थी. फिल्म 'हीरो' साल 2015 में आई थी, जब उन्हें ये फिल्म मिली थी. तब उन्होंने एक ट्वीट कर सलमान खान को अपना रियल हीरो बताया था. उन्होंने लिखा था, मुझसे मिलने और मेरी जिंदगी बदलने के लिए बहुत शुक्रिया सलमान सर. आप रियल हीरो हैं.

इसके अलावा निखिल ने हाल ही में ये भी बताया कि लोगों को शक था कि उन्होंने 'कल हो न हो' को डायरेक्ट नहीं किया है. इसलिए उन्हें दुनिया को ये साबित करना पड़ा कि उन्होंने ही इसे डायरेक्ट किया है. इसलिए उन्होंने मल्टीस्टारर 'सलाम-ए-इश्क' को भी डायरेक्ट किया. उन्होंने कहा, सलाम-ए-इश्क इसका नतीजा था कि 'ठीक है, लोगों को लगता है कि मैंने 'कल हो न हो' को डायरेक्ट नहीं किया है, तो मैं 6 लव स्टोरी को डायरेक्ट करूंगा. एक मणिरत्नम टाइप की लव स्टोरी होगी, एक गुलज़ार टाइप की होगी, एक करण जौहर टाइप की होगी, एक कुंदन शाह टाइप की होगी.